फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 288 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 22 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Buddhism Began In China With A Han...

Emperor Ming saw the Buddha in a dream, he sent a mission to India, triggering a chain of events that led to Buddhism's rise in China

WHY ALFRED HITCHCOCK MOVIES GRAB EYES

When the Mughal Emperor Imprisoned Delhi's Cows

'भाजपा अगले दस वर्षों तक प्रमुख राजनैतिक ताकत बनी रहेगी'

तमिलनाडु में विजय की जीत की भविष्यवाणी करने वाले प्रदीप गुप्ता ने एक और बड़ी भविष्यवाणी की

- प्रदीप गुप्ता की चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी एक्सिस माय इंडिया एकमात्र ऐसी एजेंसी थी, जिसने तमिलनाडु में विजय की पार्टी (टीवीके) के जीतने की भविष्यवाणी की थी। हालांकि उन्होंने बंगाल पर कोई भविष्यवाणी नहीं की, यह कह कर कि मतदाता अपनी पसंद नहीं बता रहे हैं।
- गुप्ता ने भाजपा के संबंध में अपनी भविष्यवाणी में कहा कि 2014 में शुरु हुआ भाजपा का प्रभुत्व 2034 यानि 20 साल तक रहेगा, पर भाजपा को शानदार काम करना पड़ेगा।
- गुप्ता ने कांग्रेस के बारे में कहा कि वंशवाद उनकी सबसे बड़ी समस्या है और 2029 में कांग्रेस को सत्ता से बाहर 15 साल हो जाएंगे, पर, उसके बाद भी उन्हें 5 साल और इतंज़ार करना पड़ेगा।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की टीवीके की जीत की भविष्यवाणी करने वाली अकेली एजेंसी होने के बाद, "एक्सिस माय इंडिया" के प्रदीप गुप्ता ने एक बड़ी भविष्यवाणी की है कि भाजपा अगले कम से कम दस वर्षों तक भारतीय राजनीति में प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनी रहेगी।

प्रदीप गुप्ता के पास हिट और मिस दोनों अनुभव रहे है। उनकी सबसे महत्वपूर्ण भविष्यवाणी 2024 के चुनावों में भाजपा की 300 से अधिक सीटों की थी। उस समय इस एजेंसी पर "हितों के संघर्ष" (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इन्ट्रेस्ट्स) के आरोप लगे थे, क्योंकि एक्सिस माय इंडिया ने पहले हरियाणा चुनाव में भाजपा के लिए काम किया था। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान, गुप्ता ने पश्चिम बंगाल के लिए कोई भविष्यवाणी करने से इनकार किया था, यह कहते हुए कि मतदाता अपनी पसंद पर मौन थे।

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी 2024 के चुनावों में भाजपा की 300 से अधिक सीटों की भविष्यवाणी कर गलत साबित हुए थे। समय के साथ, मतदानशास्त्र का काम अपनी विश्वसनीयता खोता जा रहा है, क्योंकि कई कंपनियां उभरी हैं, लेकिन उन्होंने अपने सर्वेक्षण के मापदंडों के बारे में पारदर्शिता नहीं दिखाई।

गुप्ता की भविष्यवाणी एक शर्त के साथ आई है कि भाजपा कम से कम 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी, बशर्ते उसके शासन का प्रदर्शन अचानक गिरावट न दिखाए। एक्सिस माय इंडिया के संस्थापक के अनुसार, 2014 में शुरू हुआ भाजपा का दबदबा कम से कम 20 साल तक रहेगा। लेकिन, वे चेतावनी देते हैं कि भाजपा को "सुपर प्रदर्शन" करना होगा, क्योंकि आगामी चुनावी मुद्दों का फोकस इस बिन्दु पर बढ़ता जाएगा कि संबंधित सरकारों के शासन का रिकॉर्ड कैसा रहा।

गुप्ता के अनुसार, कांग्रेस को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभिषेक बनर्जी को हाई कोर्ट से बड़ी राहत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान कथित उत्तेजक भाषणों को लेकर अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बिधाननगर साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। इस शिकायत में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी नाम शामिल है और इसमें उकसाने वाले बयान, धमकियों और सार्वजनिक शांति भंग करने के प्रयासों का आरोप लगाया गया है।

- भड़काऊ भाषण देने के मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने उन पर दंडात्मक कार्यवाही करने से पुलिस को पाबंद कर दिया है, यह सुरक्षा 31 जुलाई या मामले के खत्म होने तक जारी रहेगी।

कोलकाता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को सुरक्षा प्रदान की है और पश्चिम बंगाल पुलिस को चुनाव रैलियों के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणियों के संबंध में उनके खिलाफ कोई भी दण्डात्मक कार्रवाई करने से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल में ''भाईपो'' (भतीजा) टैक्स व्यवस्था खत्म

यह असल में हाईवे पर बने अनाधिकृत चेक पोस्टों के जरिए तृणमूल का अवैध वसूली का तंत्र था

- बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने घोषणा की थी कि वह सत्ता में आने पर ''भाईपो टैक्स'' खत्म कर देगी। भाजपा का आरोप था, यह पिशी-भाईपो (बुआ-भतीजे) यानि ममता बनर्जी व अभिषेक बनर्जी की सांठगांठ से बना तंत्र था, जिससे अवैध वसूली चलती थी।
- तृणमूल ने हालांकि लगातार इस आरोप का खंडन किया। पर, बंगाल के हाईवे से गुजरने वाले ट्रंक चालकों का आरोप था कि उनसे जबरन वसूली की जाती है, पैसा नहीं देने पर डराया धमकाया जाता है, जबर्दस्ती देरी कराई जाती है, जिससे भारी नुकसान होता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। 'भाइपो टैक्स' शब्द बंगाल की राजनीतिक चर्चाओं में काफी लंबे समय से चल रहा है, लेकिन हाल के विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ अपने अभियान में इस शब्द का आक्रामक रूप से इस्तेमाल किया। इस शब्द का मतलब था –राज्य के प्रमुख हाईवे पर बने गैर सरकारी चेकपोस्टों पर ट्रकों और व्यावसायिक वाहनों से कथित अवैध वसूली।

चुनाव प्रचार के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वादा किया था कि भाजपा सरकार बनने पर बंगाल के परिवहन मार्गों पर चल रहे तथाकथित 'भाइपो टैक्स' सिस्टम को खत्म कर दिया जाएगा। यह शब्द जल्द ही भारतीय जनता पार्टी का एक प्रमुख राजनीतिक नारा बन गया, जिसका इस्तेमाल ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ किया गया।

बंगाली भाषा में भाइपो का मतलब होता है – भतीजा। विपक्षी दलों, खासकर भाजपा, ने इस शब्द का इस्तेमाल अक्सर अप्रत्यक्ष रूप से अभिषेक बनर्जी को निशाना बनाने के लिए किया। अभिषेक ममता बनर्जी के भाई के पुत्र तथा और टीएमसी के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक हैं। भाजपा नेताओं ने बार-बार आरोप लगाया कि हाईवे पर सक्रिय वसूली गिरोहों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था, हालांकि टीएमसी ने इन आरोपों से लगातार इनकार किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह अक्सर "पिशी-भाइपो" (बुआ-भतीजा) गठजोड़ का जिक्र करते थे। यह ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी पर किया गया एक राजनीतिक तंज था। भाजपा ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और जबरन वसूली की संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। भाजपा नेताओं का कहना था कि पड़ोसी राज्यों से बंगाल में आने वाले ट्रांसपोर्टरों को हाईवे पर कई जगह अनौपचारिक टैक्स देना पड़ता था।

यह मुद्दा तब और चर्चा में आया, जब हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि बंगाल से गुजरने वाले ट्रक ऑपरेटरों को नियमित रूप से "अभिषेक टैक्स" देना पड़ता है। परिवहन संघों के अनुसार, झारखंड, असम और बंगाल को जोड़ने वाले मार्गों पर ट्रक चालकों को अक्सर बांस की बैरिकेडिंग वाले अस्थायी चेकपोस्ट मिलते थे, जहां स्थानीय दबंग तैनात रहते थे।

ड्राइवरों का आरोप था कि पैसे देने से इनकार करने पर उन्हें डराया-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब महाराष्ट्र में शुरु होगा प्रशांत किशोर का नया टास्क

एनसीपी की अध्यक्ष सुनेत्रा पवार तथा सांसद पार्थ पवार के साथ हुई लम्बी बैठक

- सूत्रों ने बताया कि अगले एक-दो दिन में कानूनी औपचारिकताए पूरी हो जाएंगी और एक जून से प्रशांत किशोर काम शुरु कर सकते हैं
- अपने नेता अजित पवार के निधन के बाद एनसीपी मुश्किल दौर से गुज़र रही है, भारी आतंरिक असंतोष है।
- प्रशांत किशोर के आने की संभावना से पार्टी का एक वर्ग नाराज़ है, जिनमें प्रफुल्ल पटेल व सुनील तटकरे प्रमुख हैं, ये नेता नरेश अरोड़ा के करीबी हैं, जो इस समय पार्टी का काम देख रहे हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर को एक नया और बड़ा दायित्व मिल सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बिहार चुनावों में हुई हार के बाद, किशोर सुनेत्रा पवार की अगुवाई वाली नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संपर्क में हैं, ताकि इस क्षेत्रीय पार्टी को नया रूप दिया जा सके।

सुनेत्रा पवार द्वारा किशोर को सथ लेने के फैसले ने पार्टी के कुछ हिस्सों में नई चर्चा और असंतोष को जन्म दिया है, खासकर उन नेताओं के बीच, जिन्हें निवर्तमान रणनीतिकार नरेश अरोड़ा के करीब माना जाता है।

सूत्रों के अनुसार, इस हफ्ते की शुरुआत में एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार, सांसद पार्थ पवार और प्रशांत किशोर के बीच दो घंटे की बैठक हुई, जिसमें नयी राजनीतिक व्यवस्था के व्यापक पहलुओं पर चर्चा हुई।

किशोर के क्लाइंट्स की सूची में राजनीतिक दुनिया के बडे नाम शामिल हैं, जिनमें 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीतने वाला अभियान भी शामिल हैं। सफल क्लाइंट्स की सूची में अरविंद केजरीवाल, अमरिंदर सिंह (तब कांग्रेस में), ममता बनर्जी, एमके स्टालिन आदि शामिल हैं। लेकिन, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के साथ उनका सहयोग विफल रहा।

सूत्रों के अनुसार, कानूनी औपचारिकताएँ अगले दो दिनों में पूरी हो जाने की संभावना है, जिसके बाद किशोर की टीम 1 जून से औपचारिक रूप से पार्टी के लिए काम शुरू कर सकती है।

यह घटनाक्रम एनसीपी के लिए संवेदनशील समय पर हुआ है, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल, सोनिया, प्रियंका व खड़गे ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 21 मई । पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर आज यहां वीर भूमि में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वीर भूमि पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, सांसद और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव

- राहुल ने एक्स पर पिता के साथ अपनी एक पुरानी फोटो शेयर की और लिखा आपने जिस समृद्ध भारत का सपना देखा था, उसे मैं पूरा करुँगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोजतबा की दो टूक, ईरान अपना यूरेनियम नहीं देगा

अमेरिकी सीनेट के ट्रंप की शक्तियां सीमित करने के प्रस्ताव के तुरंत बाद मोजतबा ने यह घोषणा कर ट्रंप की मुश्किल बढ़ा दी

- ट्रंप पर इज़रायल का भारी दबाव है कि ईरान से यूरेनियम बाहर निकाल लिया जाए। इज़रायल का कहना है, वह तब तक किसी शांति समझौते को नहीं मानेगा, जब तक ईरान यूरेनियम नहीं दे देता और उग्रवादी संगठनों को समर्थन देना बंद नहीं करता, साथ ही इज़रायल ने ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता खत्म करने की शर्त भी रखी है।
- इधर ईरान की शर्त है कि कभी भी हमला नहीं करने की गारंटी दी जाए, इसके बाद ही ईरान वार्ता करेगा।
- आईएईए का अनुमान है कि ईरान के पास 440.09 किलोग्राम, 60 प्रतिशत ''एनरिच्ड'' यूरेनियम था, जब अमेरिका व इज़रायल ने उसके परमाणु संयंत्रों पर हमला किया था। उसमें से कितना बचा है, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध को फिर से शुरू करने की बार-बार दी जा रही धमकियों के बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने कथित रुप से अपनी सरकार को निर्देश दिया है कि देश का समृद्ध यूरेनियम (परमाणु अस्त्र बनाने के एकदम करीब पहुंच चुका) विदेश नहीं भेजा जाना चाहिए।

यह निर्देश उस समय आया है, जब अमेरिकी सीनेट ने वॉर पावर्स एक्ट में संशोधन प्रस्ताव पारित किया, जो राष्ट्रपति ट्रम्प को कांग्रेस की अनुमति के बिना ईरान पर सैन्य बल प्रयोग करने से रोक सकता है। इस कदम ने संघर्ष के बढ़ते प्रभावों के बीच तेहरान की स्थिति को और मजबूत कर दिया है, क्योंकि समृद्ध यूरेनियम अमेरिका की मुख्य मांगों में से एक है।

दो वरिष्ठ ईरानी सूत्रों ने कहा कि अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई का यह आदेश अमेरिकी राष्ट्रपति को और अधिक निराश कर सकता है और ईरान पर अमेरिका-इज़रायल युद्ध को समाप्त करने वाली बातचीत को जटिल बना सकता है। ईरान के सर्वोच्च नेता ने यह निर्देश एक सौदेबाजी के रूप में दिया है, क्योंकि ट्रम्प की स्थिति अपने देश में कमज़ोर है।

इस बीच, इज़रायली अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि ट्रम्प ने इज़रायल को आश्वासन दिया है कि ईरान का अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम, जो परमाणु हथियार बनाने के लिए आवश्यक है, ईरान से बाहर भेजा जाएगा और किसी भी शांति समझौते में इसे शामिल किया जाना अनिवार्य होगा।

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वे तब तक युद्ध को समाप्त नहीं मानेंगे, जब तक समृद्ध यूरेनियम ईरान से हटा नहीं दिया जाता, तेहरान अपने प्रॉक्सी मिलिशिया के समर्थन को खत्म नहीं करता, और उसके बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं को समाप्त नहीं किया जाता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजनलाल ने शिकायत पर तुरंत कार्यवाही की

जयपुर, 21 मई। बांसवाड़ा जिले के गांव चुड़ादा में मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान विभागीय कर्मचारियों ने कुशलगढ़ के खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गिरिश भाभोर के विरूद्ध वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

- कुशलगढ़ के खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी का एसीओ किया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (ग्रुप-2) विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डॉ. गिरिश भाभोर को एपीओ कर तत्काल प्रभाव से निदेशक, जन स्वास्थ्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, मुख्यालय जयपुर में उपस्थिति देने के आदेश जारी किए।

अवैध किडनी ट्रांसप्लांट मामले में अप्रूवर बने दो बांग्लादेशी नागरिकों को जमानत

अदालत ने कहा है कि मामले की जांच पूरी होने तक आरोपी निचली अदालत के समक्ष हाजरी देते रहेंगे

- आरोपियों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज होने के कारण पिछले 2 साल से अटकी है जांच।
- प्रमुख आरोपियों को पूर्व में मिल चुकी है जमानत, दोनों बांग्लादेशी पिछले 24 महीने से जेल में बंद थे।
- हैरानी की बात है कि गलत धाराओं में दर्ज एफआईआर कब और कैसे पूरी होगी, क्या तब तक दोनों बांग्लादेशी आरोपी भारत में ही रहेंगे? खुद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह टिप्पणी की है, "इस मामले की जांच निकट भविष्य में पूरी होने के आसार दुर्लभ हैं।"

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 21 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने किडनी ट्रांसप्लांट और मानव अंग तस्करी से जुड़े चर्चित मामले में अप्रूवर (सरकारी गवाह) बने दो आरोपी बांग्लादेशी नागरिकों –नुरूल इस्लाम व एमडी अहसानुल कोबिर – को जमानत दे दी है। न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने ये आदेश जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने दोनों आरोपियों को पाबंद किया है कि वह निचली अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान उपस्थित होंगे। हाईकोर्ट ने यह आदेश एंबेसी के इमिग्रेशन ऑफिसर को भी पहुंचाने के लिए कहा है। हाईकोर्ट ने आरोपियों को आदेश दिए हैं कि वे 5-5 लाख रु. के बॉण्ड तथा ढाई-ढाई लाख रु. की गारंटी जमा करवाएं।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में इन दोनों बांग्लादेशियों ने अपनी किडनी बेची थी, हालांकि मामले में दर्ज एफआईआर में इन पर धोखाधडी और कूटरचित दस्तावेज बनाने के आरोप दर्ज किए गए हैं।

अदालत ने इस मामले पर जांच एजेंसियों की ढिलाई पर नाराजगी जताई और कहा कि निचली अदालत मामले पर जल्द अपने निष्कर्ष पर पहुंचे, जो कछुए की चाल चल रही है।

गौरतलब है कि इस मामले में धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों पर डॉक्टर रश्मि गुप्ता द्वारा जवाहर सर्किल थाने में वर्ष 2024 में एफआईआर दर्ज करवायी गयी थी। परंतु पाठकों को यहां बताना आवश्यक है कि मानव अंग की तस्करी से संबंधित आरोप भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) तथा भारतीय न्याय संहिता दोनों में ही उल्लेखित नहीं है।

दरअसल मानव अंग तस्करी से जुड़े मामले "ट्रांसप्लांट ऑफ ह्यूमन आर्गन एंड टिस्यूज एक्ट" (टोहो) के अंतर्गत आते हैं। इस अधिनियम के तहत केवल हाईकोर्ट के समक्ष ऐसे मामले की जांच के लिए सिर्फ शिकायत दर्ज हो सकती है। इसके आधार पर ही अदालत पुलिस को जांच के आदेश दे सकती है।

उल्लेखनीय है कि जो अपराध किसी अधिनियम में परिभाषित ही नहीं हो, उस अधिनियम के तहत दोषी पर कैसे आरोप प्रमाणित हो सकेंगे?

प्रदेश में चर्चित किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट में आरोपियों पर दस्तावेज की धोखाधड़ी करने और कूट रचित दस्तावेज बनाने के आरोप लगाए गए है, परंतु यह आरोप सिद्ध करना इसलिए मुश्किल है, क्योंकि जिन व्यक्तियों ने वीज़ा लिया था, उन्हीं व्यक्तियों का ऑपरेशन भी हुआ है। जिन बांग्लादेशियों ने बयान दिए हैं कि उनकी किडनी ली गई है, उन्हीं ने किडनी दी भी है।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि जिस डॉक्टर को हाईकोर्ट के समक्ष शिकायत दर्ज करवानी थी, उसने पुलिस थाने में एफ.आई.आर गलत धाराओं में दर्ज क्यों करवायी? दूसरी ओर बड़ा सवाल यह भी है कि पुलिस किन धाराओं और अपराधों के लिए इस मामले की जांच करेगी? उससे भी बड़ा सवाल यह है कि, अभियोजन पक्ष ने किन तथ्यों और तर्कों के आधार पर इन बांग्लादेशियों को गवाह बनाया?

दरअसल सीआरपीसी की धारा 306 से लेकर 308 में केवल उन्हीं आरोपियों को गवाह बनाया जा सकता है, जो एफआईआर में दर्ज आरोपों को सिद्ध करने के लिए तथ्य प्रस्तुत कर सकें और यह भी बता सकें कि वे घटनाक्रम में कैसे जुड़े हुए थे। हैरानी की बात यह है कि जब पुलिस ने ही एफ.आई.आर में गलत धाराओं में मामला दर्ज किया है तो गवाह उसे कैसे सत्यापित कर पाएगा?

इस मामले की पेचीदगी की देखते हुए न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने वरिष्ठ अधिवक्ता वी.आर.एस. बाजवा को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फाल्टा में लगभग 87.73 प्रतिशत मतदान

कोलकाता, 21 मई। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर गुरुवार को हुआ पुनर्मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, शाम पांच बजे तक 86.11 प्रतिशत मतदान

- भारतीय निर्वाचन आयोग ने कहा कि मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ, आयोग ने सुरक्षा के भारी इंतजाम किए थे। हर बूथ पर केन्द्रीय सुरक्षा बल के आठ जवान तैनात थे।

दर्ज किया गया। वैसे वोटिंग शाम 7:00 बजे तक हुई है इसलिए यह आंकड़ा और अधिक बढ़ने की संभावना है। अनुमान है कि 87.73 प्रतिशत मतदान हुआ।

फलता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केन्द्रों पर पुनर्मतदान कराया गया। इनमें 261 मुख्य और 24

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जैसे जीने के लिए मृत्यु का अस्वीकरण ज़रूरी है वैसे ही सृजनशील बने रहने के लिए प्रतिष्ठा का अस्वीकरण ज़रूरी है। -डॉ. रघुवंश

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान से सुधरेगा राजस्थान

वर्तमान भारतीय सार्वजनिक विमर्श में 'वंदे गंगा' का नारा केवल एक भावनात्मक प्रतिध्वनि नहीं रहना चाहिए। यदि यह अभियान वास्तविक परिवर्तन के रूप में काम करना है तो उसे भव्य नारे से आगे बढ़कर जमीन पर टिकाऊ नीतियों, प्रभावशीलता और स्थानीय स्वामित्व का रूप लेना होगा। यह सत्य राजस्थान जैसे राज्य के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ प्रकृति की कठोरताओं ने पीढ़ियों को जल-संरक्षण की लोक-ज्ञान पर निर्भर होने के लिए मजबूर किया है, परन्तु नवीनतम दशकों में अपर्याप्त नीतिगत प्राथमिकता और सामुदायिक हिस्सेदारी के अभाव ने उन संसाधनों को कमजोर कर दिया है जिन पर जीवन निर्भर है। राजस्थान के संदर्भ में वंदे गंगा केवल किसी नदी का संरक्षण नहीं; यह राज्य की सामाजिक-आर्थिक संरचना, ग्रामीण आजीविका और सांस्कृतिक आत्मसम्मान का प्रश्न है।

सबसे पहले, हमें यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि राजस्थान का जल संकट केवल जल की कमी का सरल रूपांतरण नहीं है। यह संकट भूजल के निरंतर गिरते स्तर, कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था की निर्भरता, शहरीकरण के दबाव और जल-प्रबंधन की संस्थागत अपरिपक्वता का संगम है। इन कारणों से जल-क्षेत्रीय असमानता बढ़ी है: कुछ जिलों में अत्यधिक जल है और अन्य में अति-शुष्कता। नीति निर्माताओं का दायित्व है कि वे इस बहुआयामी संकट को समेकित रूप से समझें और समाधान को भी समेकित रखें। पारंपरिक समाधानों बावड़ी, तालाब, कुंआ और जोहड़ की बहाली को आधुनिक जल-प्रौद्योगिकी और नियामक सुधारों के साथ जोड़ना होगा। केवल पुनरुद्धार से हासिल सफलता अस्थायी होगी जब तक कि संचालन, अनुरक्षण और समुदायों को अधिकार नहीं मिलते।

राजस्थान में जल-संरक्षण की ठोस रूपरेखा के लिए चार क्रियात्मक दिशाएँ स्पष्ट दिखती हैं: संरक्षण और बहाली, वर्षा-जल संचयन, कृषि-क्रांति का जल-क्षम रूपांतरण, और सामाजिक-नियामक पुनर्गठन। संरक्षण और बहाली का अर्थ है न केवल सूखे तालाबों की खुदाई या बावड़ियों की मरम्मत, बल्कि जल-स्त्रोतों का मानचित्रण, उनकी कायाकल्प योजनाएँ और दीर्घकालिक रखरखाव निधि सुनिश्चित करना। राज्यों और केंद्र को मिलकर उन तालाबों व नालों की सूची बनानी चाहिए जिनका पुनरोद्धार तत्कालिक है; साथ ही बजटीय मदों में स्थिरता लानी होगी ताकि मरम्मत और रखरखाव कार्य मुहैया रह सकें। यह काम केवल सरकारी एजेंसियों पर ही निर्भर नहीं रह सकता। स्थानीय पंचायतों और समुदायों को निर्णय और निष्पादन दोनों में भागीदार बनाया जाना चाहिए। इसके अभाव में मरम्मत की लागत बार-बार लगाने के बावजूद संसाधन बार-बार बिगड़ते रहेंगे।

वर्षा-जल संचयन को राजस्थान में रणनीतिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राज्य के भौगोलिक वास्तविकताओं को देखते हुए छोटी-छोटी संरचनाओं जैसे चेकडैम, नहरों पर रोक, खेतों में पानी रोकने वाली संरचनाएँ और छत-स्तरीय संचयन प्रणालियाँ अधिक प्रभावी हैं। वर्षा-जल संचयन केवल भौतिक निर्माण नहीं है; यह एक सामाजिक प्रक्रिया भी है। इसलिए इन परियोजनाओं में स्थानीय श्रम का समावेश, पारदर्शी कार्यप्रणाली और संचयनित जल के उपयोग के स्पष्ट नियम आवश्यक हैं। कुछ ग्रामों में तालाबों का सामुदायिक प्रबंधन सफल हुआ है जब गाँवों ने स्वयं निधि जुटाई और नियमित रखरखाव का जिम्मा लिया ऐसे मॉडल को प्रोत्साहित करना चाहिए। स्कूलों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक भवनों के छतों पर संचयन टैंक बनाकर शहरी-ठाामीण दोनों क्षेत्रों में पीने के पानी की उपलब्धता सुधारी जा सकती है।

> **सबसे पहले, हमें यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि राजस्थान का जल संकट केवल जल की कमी का सरल रूपांतरण नहीं है। यह संकट भूजल के निरंतर गिरते स्तर, कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था की निर्भरता, शहरीकरण के दबाव और जल-प्रबंधन की संस्थागत अपरिपक्वता का संगम है। इन कारणों से जल-क्षेत्रीय असमानता बढ़ी है: कुछ जिलों में अत्यधिक जल है और अन्य में अति-शुष्कता। नीति निर्माताओं का दायित्व है कि वे इस बहुआयामी संकट को समेकित रूप से समझें और समाधान को भी समेकित रखें।**

कृषि में जल-क्षम बदलाव करना राजस्थान के दीर्घकालिक हित में है। यहाँ की कृषि परंपरागत रूप से जल-गहन फसलों पर निर्भर रही है लेकिन अब जल-संवर्धन और किसान-आय सुरक्षा दोनों को संतुलित करना आवश्यक है। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसे सिंचाई तकनीकों का प्रसार, सूखा-प्रतिरोधी फसल-प्रजातियों का विकास और कृषि-प्रशिक्षण अनिवार्य हैं। पर यह तभी चलेगा जब किसानों को बाज़ार और मूल्य-सुरक्षा मिले। केवल प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं; किसानों को एमएसपी, बाज़ार पहुँच और फसल-बदल के आर्थिक प्रोत्साहन चाहिए ताकि वे जोखिम उठाकर जल-कुशल विकल्प अपना सकें। राज्य को इन सबके लिए वित्तीय सहायताएँ और सब्सिडी मॉडल सोचने होंगे, पर साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ये प्रोत्साहन दीर्घकालिक व्यवहार परिवर्तन लाएँ, न कि केवल अस्थायी टेकओवर बनकर रह जाएँ।

सामाजिक और संस्थागत पुनर्गठन इस अभियान का निर्णायक पक्ष है। पानी का प्रबंधन केवल इंजीनियरिंग का प्रश्न नहीं; यह शासन, अधिकार बाँटने और जवाबदेही का विषय है। ग्राम स्तरीय वाटर यूज़ कमेटियाँ, महिला-प्रमुख समितियाँ और युवा निगरानी समूहों को अधिकारात्मक रूप से न केवल सलाहकार बल्कि निर्णय-कर्ता बनाया जाना चाहिए। महिलाओं को विशेष स्थान देना जरूरी है, क्योंकि घरेलू जल-प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ अक्सर उन्हीं पर केंद्रित रहती हैं और वे व्यवहारिक सुधारों को धरातल पर लाने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। इसके साथ ही, डिजिटल निगरानी स्थानीय स्तर पर जल-स्तर सेंसर, मोबाइल रिपोर्टिंग और पारदर्शी सार्वजनिक डैशबोर्ड निगरानी और जवाबदेही में मदद कर सकते हैं। डेटा-संचालित दृष्टिकोण से नीति-निर्माता बेहतर संसाधन आवंटन कर पाएँगे और भ्रष्टाचार या अनियमितताओं पर बेहतर नियंत्रण होगा।

नीति-निर्माता और राजनीतिक नेतृत्व का रुख निर्णायक होगा। वंदे गंगा जैसे अभियानों के लिये दीर्घकालिक बजट आवंटन, पारदर्शी निगरानी तंत्र और स्थानीय समुदायों को वास्तविक प्रशासनिक अधिकार देना आवश्यक है। नीति केवल प्रोजेक्ट-आधारित अनुदान नहीं होनी चाहिए बल्कि संस्थागत बदलाव पर केन्द्रित हो उदाहरणत: जल-स्त्रोतों का अधिकारिक मानचित्रण, जल-उपयोग पर कर या शुल्क के संरचित मॉडल, और सार्वजनिक-निजी भागीदारी का सुव्यवस्थित ढाँचा। और निजी निवेश को भी लोकहित के छोटे-स्तरीय जल-परियोजनाओं से जोड़ा जा सकता है, बशर्ते उनकी निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित हो।

संस्कृति और भावनात्मक जुड़ाव को भी नीति के साथ जोड़ा जाना चाहिए। 'वंदे गंगा' का भावनात्मक अपील एक सामाजिक मंच प्रदान करता हैयह लोक-मानस में जल के प्रति सम्मान का भाव जगाने का अवसर है। मंदिरों, मेलों और सार्वजनिक आयोजनों में जल-शुद्धता और संचयन के आदर्शों को प्रचारित कर व्यवहारिक बदलाव लाया जा सकता है। स्कूलों में जल-संरक्षण को पाठ्यक्रम का भाग बनाकर युवा पीढ़ी में यह संस्कार डाला जा सकता है कि पानी एक सीमित संसाधन है और उसकी हर बूंद महत्वपूर्ण है।

अन्ततः, राजस्थान के लिए वंदे गंगा केवल एक अभियान नहीं; यह एक अवसर है अपनी पारंपरिक जल-प्रबंधन परम्पराओं को पुनर्जीवित करने, आधुनिक विज्ञान और स्थानीय लोकतंत्र को जोड़ने और राज्य को जल-लचीलापन प्रदान करने का अवसर। अगर राज्य सरकार, नीति-निर्माता, स्थानीय समुदाय, वैज्ञानिक और निजी क्षेत्र मिलकर दीर्घकालिक, पारदर्शी और समावेशी रणनीति बनाते हैं, तो राजस्थान न केवल अपने जल संकट से उबर सकता है बल्कि वह देश के अन्य शुष्क क्षेत्रों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रथा का मॉडल भी बन सकता है। यह सफर कठिन होगा, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता की माँग करेगा, पर विकल्प सीमित हैं: या तो हम जल को अनदेखा कर समाज और अर्थव्यवस्था दोनों पर गहरा प्रभाव देखने के लिए तैयार रहें, या हम अब सक्रिय होकर अपनी नदियों, तालाबों और भूमिगत जल-स्त्रोतों की रक्षा करें। 'वंदे गंगा' का असली अर्थ तब समझेगा कि जब यह केवल नारे न रहकर हर गाँव की तालाब-दीवार, हर खेत की नाली और हर घर की छत पर नज़र आए।

-अतिथि सम्पादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

डिजिटल परीक्षा, सुरक्षित भविष्य : नीट परीक्षार्थियों के लिए सीबीटी प्रणाली की व्यवहार्यता

प्रोफेसर अशोक कुमार

भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता और निष्पक्षता बनाए रखना देश के भविष्य के लिए अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय है! हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा यह घोषणा की गई कि अगले वर्ष से मेडिकल प्रवेश परीक्षा को पेन-पेपर मोड से बदलकर कंप्यूटर आधारित परीक्षा मोड में आयोजित किया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इस कदम से परीक्षा की शुचिता बढ़ेगी, पेपर लीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगेगा और मूल्यांकन प्रक्रिया तेज होगी। तकनीकी दृष्टि से यह एक प्रगतिशील कदम प्रतीत होता है! नीट परीक्षा में लगभग 25 लाख छात्र बैठते हैं। वर्तमान में यह परीक्षा ऑफलाइन (पेन-एंड-पेपर और ओएमआर शीट) मोड में एक ही दिन, एक ही समय पर आयोजित की जाती है। इतनी विशाल संख्या में भौतिक प्रश्नपत्रों की छपाई, उनका परिवहन और देश भर के हजारों सुदूर केंद्रों पर उनकी सुरक्षा करना पेपर लीक के जोखिम को अत्यधिक बढ़ा देता है।

यदि हम जेईई की तर्ज पर नीट को भी कंप्यूटर आधारित परीक्षा सीबीटी प्रणाली में परिवर्तित कर दें, तो 25 लाख छात्रों की शुचिता पूर्ण (पारदर्शी और सुरक्षित) परीक्षा न केवल संभव है, बल्कि यह वर्तमान संकट का सबसे वैज्ञानिक समाधान भी है। नीचे विस्तार से विश्लेषण किया गया है कि इसे कैसे और किन चरणों में पूरी तरह सुरक्षित रूप से लागू किया जा सकता है:-

1. बहु-सत्र और बहु-दिवसीय प्रारूप : 25 लाख छात्रों की ऑनलाइन परीक्षा एक ही दिन में कराना तकनीकी और बुनियादी ढांचे के लिहाज से असंभव है। इसके लिए परीक्षा को 10 से 12 दिनों के चक्र में विभाजित करना होगा।

यदि परीक्षा 10 दिनों तक चलती है और प्रतिदिन 2 शिफ्ट (सुबह और शाम) आयोजित की जाती हैं, तो कुल 20 सत्र होंगे। 25 लाख छात्रों को 20 सत्रों में बांटने पर प्रति सत्र केवल 1.25 लाख छात्र परीक्षा देंगे। भारत के पास वर्तमान में टीसीएस आयन और अन्य सरकारी व निजी केंद्रों को मिलाकर प्रति शिफ्ट 2 से 3 लाख कंप्यूटर नोड्स की क्षमता आसानी से उपलब्ध है।

2. प्रश्नपत्रों का विविधीकरण और साइकोमेट्रिक नॉर्मलाइजेशन : जब परीक्षा 20 अलग-अलग सत्रों में होगी, तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या सभी छात्रों को एक जैसा पेपर मिलेगा? और यदि पेपर अलग होंगे, तो निष्पक्षता कैसे तय होगी?

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को विषय विशेषज्ञों की मदद से एक विशाल, कूटबद्ध और अत्यंत सुरक्षित क्वेश्चन बैंक तैयार करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एल्गोरिदम का उपयोग करके परीक्षा शुरू होने से मात्र आधा घंटा पहले हर सत्र के लिए एक नया प्रश्नपत्र स्वचालित रूप से तैयार होगा। इसमें प्रश्नों के कठिनाई स्तर का अनुपात (सरल, मध्यम, कठिन) हर पेपर में समान रखा जाएगा। चूंकि अलग-अलग शिफ्ट के प्रश्नपत्रों के कठिनाई स्तर में आंशिक अंतर हो सकता है, इसलिए अंकों के बजाय परसेंटाइल स्कोर का उपयोग किया जाएगा, जैसा कि वर्तमान में जेईई में होता है। इसे यूनीफाइड नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूला कहते हैं।

3. सीबीटी प्रणाली में पेपर लीक का पूर्ण उन्मूलन कैसे होगा? : पारंपरिक परीक्षा में पेपर लीक इसलिए होता है क्योंकि भौतिक प्रश्नपत्र परीक्षा से कई दिन पहले छपकर ट्रक, ट्रेजरी और स्ट्रांग-रूम के रास्ते केंद्रों तक पहुंचते हैं। सीबीटी इस पूरी शृंखला को ही समाप्त कर देता है। कोई प्रिंटिंग प्रेस नहीं होगी, कोई बक्से नहीं होंगे और न ही कोई गाड़ी पेपर लेकर सड़क पर जाएगी। लीक होने का मुख्य जरिया ही खत्म हो जाएगा। प्रश्नपत्र पूरी तरह से एंड-टू-एंड एनक्रिप्टेड सर्वर पर रहेगा। परीक्षा शुरू होने से ठीक 15-30 मिनट पहले केंद्र के लोकल सर्वर पर इसे डाउनलोड करने की अनुमति मिलेगी। यदि किसी केंद्र पर कोई अनधिकृत प्रयास करके पेपर देख भी लेता है, तो कंप्यूटर स्क्रीन पर हर छात्र के लिए प्रश्नों का क्रम और विकल्पों का क्रम पूरी तरह अलग होगा।

4. डिजिटल युग के अनफेयर मीन्स और छद्मवेष पर रोक : ऑनलाइन परीक्षा में हैकिंग, स्क्रीन शेयरिंग और डमी कैंडिडेट के रूप में नई चुनौतियां आती हैं। इन्हें रोकने के लिए निम्नलिखित आधुनिक तकनीकी कवच आवश्यक हैं:

परीक्षा के लिए उपयोग होने वाले कंप्यूटरों में आइसोलेटेड लोकल एरिया नेटवर्क का उपयोग होना चाहिए, जिसका बाहरी इंटरनेट से कोई संबंध न हो। परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर आधार-कार्ड से लिंक फिंगरप्रिंट स्कैनर और फेसिअल रिकग्निशन (चेहरे की पहचान) प्रणाली अनिवार्य हो। परीक्षा के बीच में कंप्यूटर स्क्रीन पर अचानक एक पॉप-अप आए, जो छात्र को दोबारा अपना अंगूठा लगाने या वेबकैम के सामने चेहरा दिखाने को कहे। मेडिकल कॉलेज में दाखिले के समय परीक्षा केंद्र पर लिए गए बायोमेट्रिक डेटा का पुन: मिलान किया जाए। प्रत्येक परीक्षा हॉल के सीसीटीवी कैमरों का लाइव फीड एक केंद्रीय राष्ट्रीय कमांड सेंटर (जैसे नई दिल्ली) से जोड़ा जाए। एआई सॉफ्टवेयर छात्रों की संदिग्ध गतिविधियों (जैसे बार-बार नजरें चुराना, आपस में फुसफुसाना या स्क्रीन से ध्यान हटाना) को ट्रैक करके तुरंत स्थानीय इनविजीलेटर के पास रेड अलर्ट भेजेगा।

5. ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए चुनौतियां और समाधान : नीट परीक्षा में एक बड़ा वर्ग ग्रामीण पृष्ठभूमि से आता है, जिन्हें कंप्यूटर चलाने का पूर्व अनुभव नहीं होता या उनके क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की कमी होती है। इस संवेदनशीलता को दूर करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाने होंगे:-

सरकार को देश के हर ब्लॉक और तहसील स्तर पर सरकारी स्कूलों या कॉमन सर्विस सेंटर्स में मुफ्त मॉक टेस्ट सेंटर स्थापित करने चाहिए। यहाँ ग्रामीण छात्र परीक्षा से 3-4 महीने पहले जाकर कंप्यूटर पर टेस्ट देने का अभ्यास कर सकें। सीबीटी का सॉफ्टवेयर इतना सरल होना चाहिए कि छात्र को केवल, 'Next', 'Save' और माउस से क्लिक करना हो।

निष्कर्ष :-25 लाख छात्रों की संख्या विशाल जरूर है, लेकिन आधुनिक भारत की तकनीकी क्षमता को देखते हुए यह असंभव नहीं है। जब देश में करोड़ों लोग एक ही दिन में डिजिटल भुगतान कर सकते हैं और एनटीए सफलतापूर्वक जेईई, सीयूईटी जैसी परीक्षाएं सीबीटी मोड में करा सकता है, तो नीट के लिए भी इसे पूरी तरह अपनाया जा सकता है। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था के मुखिया के लिए सीबीटी प्रणाली एक ऐसा अभेद्य किला प्रदान करती है, जहां मानवीय भूल या भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म हो जाती है। नीट को कंप्यूटर आधारित मोड में ले जाना न केवल चिकित्सा शिक्षा की शुचिता और गरिमा को बचाएगा, बल्कि देश के लाखों ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्रों के भविष्य को भी सुरक्षित और अंधकारमुक्त करेगा।

-प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

चमकती स्क्रीन, बुझते चेहरे : सोशल मीडिया पर 'परफेक्ट' दिखने का दबाव

अभिलाषा गर्ग

दिल्ली की मेट्रो हो, जयपुर का कोई कैफे या किसी कॉलेज का कैंपस – एक दृश्य अब हर जगह समान दिखाई देता है। चार दोस्त एक ही टेबल पर बैठे होते हैं, लेकिन बातचीत कम और मोबाइल स्क्रीन पर उंगलियां ज्यादा चल रही होती हैं। खाना सामने ठंडा हो जाता है, पर उसकी तस्वीर पहले इंटरनेट पर पहुंचती है। आज की युवा पीढ़ी एक ऐसे दौर में जी रही है, जहां जिंदगी को महसूस करने से ज्यादा उसे पोस्ट करना जरूरी समझा जाने लगा है। सुबह उठते ही मोबाइल स्क्रीन देखना और रात को आखिरी बार नोटिफिकेशन चेक करके सोना अब आदत नहीं, जीवनशैली बन चुका है। सोशल मीडिया ने हमारे रोजमर्रा के व्यवहार, सोच और आत्मविश्वास तक को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। अब खुशी भी निजी एहसास कम और सार्वजनिक प्रदर्शन ज्यादा बनती जा रही है।

सोशल मीडिया कभी लोगों को जोड़ने और संवाद आसान बनाने का माध्यम था, लेकिन अब यह एक ऐसी प्रतिस्पर्धा में बदल चुका है, जहां हर व्यक्ति अपनी जिंदगी का सबसे सुंदर हिस्सा ही दिखाना चाहता है। इंस्टाग्राम पर मुस्कुराते चेहरे, महंगी यात्राएं, ब्रांडेड कपड़े और परफेक्ट लाइफ की तस्वीरें लगातार हमारी स्क्रीन पर दिखाई देती हैं। समस्या तस्वीरों में नहीं, बल्कि उनसे पैदा होने वाली तुलना में है। देखने वाला व्यक्ति अनजाने में अपनी जिंदगी की तुलना दूसरों के "edited moments" से करने लगता है। उसे लगने लगता है कि बाकी सब लोग उससे ज्यादा खुश, सफल और संतुष्ट हैं। धीरे-धीरे यही तुलना आत्महीनता और मानसिक दबाव का कारण बनती है।

आज युवाओं के बीच FOMO यानी Fear Of Missing Out तेजी से बढ़ रहा है। अगर कोई पार्टी में नहीं जा पाया, किसी ट्रेंड का हिस्सा नहीं बन पाया या उसकी पोस्ट पर कम लाइक्स आए, तो उसे लगता है कि वह पीछे छूट रहा है। यह डर धीरे-धीरे बेचैनी और असुरक्षा में बदल जाता है।

मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स लोगों की भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करते हैं। लाइक्स और कमेंट्स कुछ समय के लिए उत्साह देते हैं, लेकिन वही प्रतिक्रिया कम होते ही व्यक्ति खुद को अनदेखा महसूस करने लगता है। सबसे खतरनाक बात यह है कि आत्मविश्वास अब भीतर से नहीं, बल्कि स्क्रीन पर मिलने वाली प्रतिक्रिया से तय होने लगा है। आज सोशल मीडिया पर दुख से ज्यादा खुश दिखना जरूरी हो गया है। कई लोग मानसिक तनाव से गुजरते हुए भी ऐसी तस्वीरें पोस्ट करते हैं, जिनमें वे पूरी तरह खुश नजर आएं। मानो उदासी दिखाना कमजोरी हो।

यह धीरे-धीरे टॉक्सिक पॉजिटिविटी का रूप ले रहा है, जहां हर हाल में मुस्कुराना और सकारात्मक दिखना एक सामाजिक दबाव बन चुका है। जबकि सच्चाई यह है कि थकान, असफलता, अकेलापन और टूटन भी इंसानी जीवन का हिस्सा हैं। हर समय मजबूत दिखने की कोशिश इंसान को भीतर से और कमजोर बना सकती है।

विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहा है। लगातार तुलना करने की आदत कई युवाओं को अपनी उपलब्धियां छोटी लगने लगती है। उन्हें लगता है कि उनकी जिंदगी दूसरों जितनी रोमांचक नहीं है। यही वजह है कि आज कई युवा भीड़ में रहकर भी अकेलापन महसूस कर रहे हैं। विडंबना यह है कि कनेक्टेड दिखने वाली पीढ़ी भीतर से सबसे ज्यादा डिस्कनेक्ट होती जा रही है।

सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली दुनिया पूरी सच्चाई नहीं होती। वहां लोग अपनी जिंदगी के संघर्ष नहीं, केवल चमकदार हिस्से दिखाते हैं। कैमरे के पीछे की बेचैनी, असफलताएं और निजी संघर्ष अक्सर स्क्रीन तक पहुंचते ही नहीं। हमें यह समझना होगा कि डिजिटल पहचान और वास्तविक व्यक्तित्व अलग चीजें हैं। हर वायरल तस्वीर के पीछे खुश जिंदगी हो, यह जरूरी नहीं। सोशल मीडिया से पूरी तरह दूर होना शायद आज संभव नहीं, लेकिन उसके प्रभाव को नियंत्रित करना जरूर संभव है। परिवार के साथ बिना मोबाइल समय बिताना, दोस्तों से आमने-सामने बातचीत करना, किताबें पढ़ना, प्रकृति के बीच समय बिताना और खुद के साथ कुछ शांत पल बिताना मानसिक संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। सबसे जरूरी बात- हर पल को इंटरनेट पर साबित करना जरूरी नहीं होता। जिंदगी कैमरे के फ्रेम से कहीं बड़ी होती है। और शायद इस दौर की सबसे सच्ची बात यही है –

आज लोग दुखी होने से ज्यादा, दुखी दिख जाने से डरते हैं।

आखिर में एक जरूरी सवाल

सोशल मीडिया एक माध्यम है, जीवन नहीं। किसी इंसान की पहचान उसके फॉलोअर्स, लाइक्स या वायरल पोस्ट से तय नहीं हो सकती। असली संतोष स्क्रीन की चमक में नहीं, बल्कि मन की शांति में मिलता है। अगली बार जब आप कोई तस्वीर पोस्ट करें, तो खुद से एक सवाल जरूर पूछिए –क्या मैं सच में खुश हूं, या सिर्फ खुश दिखाई देना चाहता हूं?

-अभिलाषा गर्ग, पत्रकार

राजस्थानी भाषा और राजस्थान को मिला न्याय : ऐतिहासिक निर्णय

राजेन्द्र जोशी

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करता है और देश की न्यायिक व्यवस्था उन अधिकारों की रक्षा का सर्वोच्च माध्यम है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय केवल न्याय देने वाली संस्था ही नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा और लोकतंत्र की मर्यादा का भी संरक्षक है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा को लेकर दिया गया निर्णय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक है, बल्कि राजस्थानी भाषा व संस्कृति के संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। लंबे समय से राजस्थानी भाषा प्रेमी यह मांग कर रहे थे कि राजस्थान के बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा दी जाए तथा राजस्थानी भाषा को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। इस मांग के समर्थन में सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी स्तर पर निरंतर संघर्ष किया गया। अंतत: यह संघर्ष सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और न्यायालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा देने को अनिवार्य मानते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार है और इस अधिकार की उपेक्षा नहीं की जा सकती। यदि कोई बच्चा अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करता है, तो उसका मानसिक, बौद्धिक और भावनात्मक विकास अधिक प्रभावी ढंग से होता है। न्यायालय ने यह भी माना कि बच्चों को उनकी समझ की भाषा में शिक्षा देना केवल एक शैक्षिणक आवश्यकता नहीं, बल्कि संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पहले ही यह स्पष्ट कर चुकी है कि प्राथमिक स्तर तक शिक्षा मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में दी जानी चाहिए। इसके बावजूद राजस्थान सरकार अब तक यह तर्क देती रही कि राजस्थानी भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं है, इसलिए उसे विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल करना आवश्यक नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि केवल आठवीं अनुसूची का हवाला देकर किसी भाषा को शिक्षा व्यवस्था से दूर नहीं रखा जा सकता। यदि किसी भाषा का व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक आधार है तथा वह लाखों लोगों की मातृभाषा है, तो उसे शिक्षा में उचित स्थान मिलना चाहिए। न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह राजस्थानी भाषा को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल करने की दिशा में ठोस कदम उठाए और निर्धारित समय सीमा में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करे। राजस्थान सरकार के लिए यह कार्य कठिन नहीं है, क्योंकि राजस्थानी भाषा पहले से विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ाई जा रही है।

राजस्थानी भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं, इतिहास और सामाजिक चेतना की वाहक भी है। शिक्षाविदों का भी मानना है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने से बच्चों की समझने की क्षमता बढ़ती है। वे कठिन विषयों को सरलता से ग्राहण कर पाते हैं और शिक्षा उनके लिए बोझ नहीं बनती।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय केवल राजस्थानी भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की सभी मातृभाषाओं और लोकभाषाओं के सम्मान का प्रतीक है। भारत विविध भाषाओं और संस्कृतियों का देश है। यहाँ की प्रत्येक भाषा अपने भीतर एक इतिहास, संस्कृति और जीवन दृष्टि समेटे हुए है। यदि इन भाषाओं को शिक्षा और प्रशासन में उचित स्थान नहीं मिलेगा, तो हमारी सांस्कृतिक विविधता कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह निर्णय भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाएगा। राजस्थानी भाषा को विद्यालयी शिक्षा में शामिल करने की मांग करोड़ों राजस्थानी वर्षों से करते आ रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय ने उन सभी लोगों की आशाओं को नया बल दिया है, जो लंबे समय से राजस्थानी को उसका उचित सम्मान दिलाने के लिए प्रयासरत थे। अब आवश्यकता इस बात की है कि राज्य सरकार इस निर्णय को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखे, बल्कि गंभीरता के साथ लागू करे। सरकारी और निजी दोनों प्रकार के विद्यालयों में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में प्रारंभ किया जाए। प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति हो, गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें तैयार की जाएँ और बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने का वास्तविक अवसर मिले।

निस्संदेह, सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय राजस्थान की भाषा, संस्कृति और शिक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे न केवल बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी जड़ों, परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर से भी जुड़ी रहेंगी। यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र की उस संवेदनशीलता का उदाहरण है, जिसमें न्याय केवल कानून की व्याख्या तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज की वास्तविक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक अधिकारों की भी रक्षा करता है।

-राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार,
लेखक हिंदी-राजस्थानी के
वरिष्ठ साहित्यकार हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 22 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 2:08 तक, वृद्धि योग प्रात: 8:19 तक, तैतिल करण प्रात: 6:25 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 2:08 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सप्तमी तिथि का क्षय हुआ है। आज से राष्टीय ज्येष्ठ मास आरम्भ होगा। आज राजा राममोहन राय जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:21 तक, लाभ-अमृत 7:21 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:04 तक, चर 5:26 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:07

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

आर.ए.एस. पिंकी मीणा के निलंबन आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे निर्माण कंपनी के प्रतिनिधि से 10 लाख रुपए की डिमांड से जुड़ा मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे निर्माण कंपनी के प्रतिनिधि से 10 लाख रुपए की डिमांड से जुड़े मामले में बांदीकुई की तत्कालीन एसडीओ पिंकी मीणा को निलंबन करने वाले 15 जनवरी 2021 के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने याचिका सह आरोपी पुष्कर मित्तल की याचिका के साथ सूचीबद्ध करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश पिंकी मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता का मामला सह आरोपी पुष्कर मित्तल से अलग नहीं है और उसके निलंबन आदेश पर गत 17 जुलाई को रोक लगाई जा चुकी है। इसके अलावा रिव्यू कमेटी की गत 16 दिसंबर की बैठक के विवरण में याचिकाकर्ता का निलंबन रद्द नहीं करने का कारण नहीं बताया गया है। ऐसे में समानता बनाए रखने के लिए याचिकाकर्ता के निलंबन आदेश पर रोक लगाई जाती है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता का मामला सह आरोपी पुष्कर मित्तल से अलग नहीं है और उसके निलंबन आदेश पर गत 17 जुलाई को रोक लगाई जा चुकी है। इसके अलावा रिव्यू कमेटी की गत 16 दिसंबर की बैठक के विवरण में याचिकाकर्ता का निलंबन रद्द नहीं करने का कारण नहीं बताया गया है। ऐसे में समानता बनाए रखने के लिए याचिकाकर्ता के निलंबन आदेश पर रोक लगाई जाती है।

याचिकाकर्ता के बताया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दौसा के तत्कालीन एसडीओ पुष्कर कुमार मित्तल और याचिकाकर्ता के खिलाफ जनवरी 2021 में एफआईआर दर्ज की गई थी और मामले में गिरफ्तारी के बाद अलग-अलग आदेशों से दोनों को निलंबन कर दिया गया था। वहीं पुष्कर मित्तल के निलंबन आदेश को हाईकोर्ट गत 17 जुलाई को स्टे कर चुका है। मामले में एसीबी की ओर से आरोप पत्र भी पेश किया जा चुका है, लेकिन उसके बाद केस में कोई प्रगति नहीं हुई है। ऐसे में उसके निलंबन आदेश पर रोक लगाई जाए। जिसका विरोध करते हुए अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता ने कहा कि याचिका पेश होने के बाद दोनों आरोपियों को गत 30 दिसंबर को विभागीय आरोप पत्र दिया जा चुका है। रिव्यू कमेटी की ओर से याचिकाकर्ता के निलंबन को लेकर समीक्षा की गई थी, लेकिन गत 16 दिसंबर की बैठक में निलंबन रद्द करने की सिफारिश नहीं की गई।

सरकारी पक्ष की ओर से यह भी कहा गया कि रिव्यू कमेटी की गत 12 मई को भी बैठक हुई थी, लेकिन उसके विवरण की जानकारी उन्हें नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता के निलंबन पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि हाईवे निर्माण कंपनी ने एसीबी में शिकायत दी थी कि आरोपी एसडीओ काम में रुकावट नहीं डालने की एवज में रिश्वत मांग रहे हैं। इस पर एसीबी ने 13 जनवरी 2021 को पुष्कर मित्तल को पांच लाख रुपए लेते गिरफ्तार किया था। वहीं एसडीओ पिंकी मीणा को 10 लाख रुपए मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

मुख्यमंत्री ने दी वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान राशि में वृद्धि को मंजूरी

पत्रकार कल्याण और सम्मान के लिए राज्य सरकार का अहम निर्णय

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पत्रकार कल्याण, सम्मान एवं सुरक्षा के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने राज्य के पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों के लिए सम्मान राशि को 15 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रति माह करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शर्मा द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) ने राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना में संशोधन कर पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि में वृद्धि करते हुए इसे 18 हजार रुपये करने की अधिसूचना जारी कर दी है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने जारी की अधिसूचना, बजट घोषणा के अनुरूप अब मिलेगी 18 हजार रुपये प्रतिमाह सम्मान राशि

डीआईपीआर द्वारा जारी राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना (संशोधन) नियम-2026 के अनुसार ऐसे पूर्णकालिक अधिस्वीकृत पत्रकार, जिन्होंने दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, स्वतंत्र पत्रकार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी में कम से कम 20 वर्षों तक सेवायोजन कार्य किया हो (दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी के संपादक, प्रकाशक व मालिक सहित) और जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, वे प्रतिमाह 18 हजार रुपये सम्मान राशि के पात्र होंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वित्तीय वर्ष बजट 2026-27 में अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये करने की घोषणा की थी। इस बजट घोषणा की अनुपालना में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने यह अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के बाद वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना के तहत लाभार्थी दिवगंत पत्रकार की पत्नी को मिलने वाली सम्मान निधि की राशि भी 7 हजार 500 रुपये से बढ़कर 9 हजार रुपये हो गई है।

आचार्य बालकृष्ण को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सम्मान

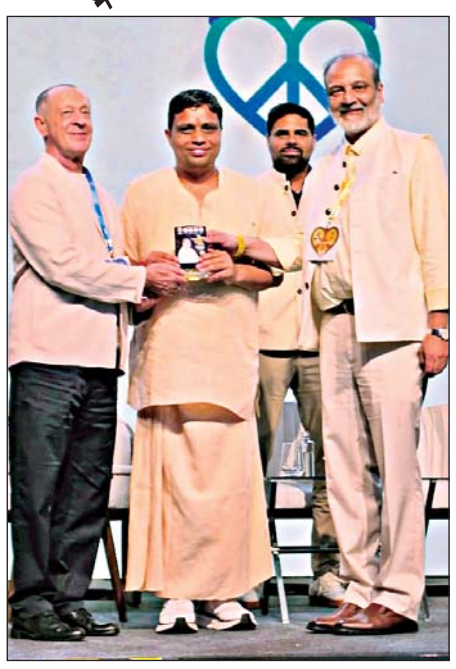

हरिद्वार। योग, आयुर्वेद और भारतीय ज्ञान परंपरा के पथ-प्रदर्शक आचार्य बालकृष्ण को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आज एक और प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया गया। मुंबई में आयोजित वैश्विक "बिलियनर्स फॉर पीस कॉन्क्लेव 2026" में उन्हें "आई एम पीसकीपर-चैंपियन हैल्थ अवार्ड 2026" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान विश्व शांति, मानवता, स्वास्थ्य सेवा और वैश्विक कल्याण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। आचार्य बालकृष्ण को यह सम्मान ऐसे समय में प्राप्त हुआ है जब आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा पद्धित को पूरी दुनिया में अभूतपूर्व स्वीकार्यता मिल रही है। उन्होंने अपने अनुकरणीय शोध, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैश्विक प्रयासों के माध्यम से आयुर्वेद को केवल पारंपरिक चिकित्सा पद्धित तक सीमित नहीं रहने दिया, अपितु उसे आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान और समग्र स्वास्थ्य के साथ जोडकर नई दिशा प्रदान की है। उनके नेतृत्व में पतंजलि द्वारा भारतीय पौराणिक ग्रन्थों में समाहित ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साक्ष्य-आधारित परिणामों में माध्यम से विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि एक स्वस्थ मानव ही शांतिपूर्ण समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा पद्धित नहीं, अपितु सम्पूर्ण मानवता को संतुलित, निरोग और सकारात्मक जीवन की दिशा प्रदान करने वाला विज्ञान है।

रास्ता पूछने के बहाने बुजुर्ग से लूट

जयपुर। जामडोली इलाके से बुजुर्गों की सुरक्षा पर सवाल उठाने वाली एक वारदात सामने आई है। यहां रास्ता पूछने के बहाने बाइक सवार दो बदमाशों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग को लिफ्ट दी और फिर सुनसान जगह ले जाकर उनके साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। पीडित बुजुर्ग की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है। एएसआई शिवदयाल ने बताया कि रूपलाल मीणा (70) जगतपुरा निवासी बुधवार शाम करीब साढ़े 6 बजे तिलक हॉस्पिटल के पास से पैदल जा रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक उनके पास आए और रास्ता पूछने के बहाने उन्हें रोक लिया। बातचीत के दौरान बदमाशों ने बुजुर्ग को अपनी बातों में फंसाया और मदद करने व रास्ता बताने के बहाने उन्हें झांसा देकर अपनी बाइक पर बैठा लिया और रास्ते में एक सुनसान जगह देखकर बाइक रोक दी। वहां दोनों बदमाशों ने बुजुर्ग को डराया-धमकाया और जबरन उनके गले की सोने की चेन और जेब से पर्स छीन लिया।

आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा का चालक गिरफ्तार

सब इंस्पेक्टर भर्ती-2021 पेपर लीक का मामला

जयपुर (कासं)। एसआई भर्ती-2021 पेपरलीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के तत्कालीन सदस्य बाबूलाल कटारा के चालक नादान सिंह राठौड़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर अपने बेटे अजय प्रताप सिंह को परीक्षा में अवैध लाभ दिलाने के लिए पेपर और उत्तर उपलब्ध करवाने का आरोप है। एसओजी अजय प्रताप सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि नादान सिंह ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए बेटे को एसआई भर्ती परीक्षा में पास करवाने के लिए सुनियोजित साजिश रची। जांच में सामने आया कि उसने बेटे से एसआई भर्ती का फॉर्म भरवाया और तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा से परीक्षा में मदद सुनिश्चित करवाई। जांच के दौरान पता चला कि बाबूलाल कटारा ने परीक्षा से पहले तीनों दिन के प्रश्नपत्र और उत्तर अपने भांजे विजय कुमार डामोर को उपलब्ध करवाए थे। नादान सिंह ने विजय डामोर से प्रश्न और उत्तर लेकर अपने बेटे अजय प्रताप तक पहुंचाए।

एसओजी के अनुसार लीक पेपर पढ़कर परीक्षा देने वाले अजय प्रताप सिंह को हिंदी विषय में 200 में से 174.28 तथा सामान्य ज्ञान में 200 में से 150.2 अंक प्राप्त हुए थे, जिससे वह परीक्षा में सफल हो गया।

अजय प्रताप सिंह को एसओजी ने 18 अगस्त 2025 को गिरफ्तार किया था। अब एसओजी ने नादान सिंह को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 22 मई तक रिमांड पर भेजा गया है।

एसओजी उससे पूछताछ कर रही है कि उसे पेपर लीक की जानकारी कैसे मिली और पूरे नेटवर्क में उसकी क्या भूमिका रही।

एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान पुलिस में एसआई पदों पर भर्ती के लिए आरपीएससी द्वारा परीक्षा आयोजित की गई थी। इस पेपर लीक मामले में अब तक 141 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसओजी पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपी नादान सिंह राठौड मूल रूप से पदमपुरा (अजमेर) का निवासी है और फिलहाल अजमेर पुलिस लाइन के पास महादेव नगर में रह रहा था।

व्यापारी से 5 करोड़ रु. फिरौती मांगी

जयपुर। श्याम नगर थाना इलाके में एक बार फिर रंगदारी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक नामचीन व्यापारी से विदेशी नंबर से कॉल कर 5 करोड़ रुपये की मोटी फिरौती मांगी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया है। व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच-पडताल शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि श्याम नगर निवासी एक प्रतिष्ठित व्यापारी के बेटे के मोबाइल पर 18 मई दोपहर तीन से चार बजे के बीच विदेशी नंबर से कॉल आया। फोन उठाने पर सामने वाले ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया और पांच करोड रुपए फिरौती देने के लिए धमकाया। इस अचानक आई धमकी से घबराकर व्यापारी के बेटे ने फोन काट दिया।कॉल कटने के बाद भी आरोपी शांत नहीं हुआ। उसने पीडित के मोबाइल पर एक बेहद डरावना और धमकी भरा टेक्स्ट मैसेज भेजा। जिसके बाद पीडित व्यापारी का पूरा परिवार दहशत में आ गया।

वफादार नौकर ही निकला पिकअप चोर

जयपुर। आदर्श नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए मालिक की पिकअप चोरी करने वाले उसके ही नौकर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी गई पिकअप बरामद कर ली। वहीं एक अन्य मामले में दो स्कूटी चोरों को भी गिरफ्तार कर चोरी की एक्टिवा बरामद की गई है।जयपुर पूर्व की पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि परिवादी देशदीपक गर्ग ने 20 मई को आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 मई को उनके घर के बाहर खड़ी कमर्शियल पिकअप चोरी हो गई।

''जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास कर रही है सरकार''

बांसवाड़ा जिले में चन्दन वन विकसित कर 11 हजार चन्दन के पौधे लगाए जाएंगे : मुख्यमंत्री

बांसवाड़ा/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भरसक प्रयास कर रही है और इसमें कहीं कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र जनों तक पहुंचाने के साथ ही पूरी संवेदनशीलता के साथ दायित्वों के निर्वहन और सुशासन के संकल्पों को साकार करने की दिशा में समर्पित भाव से जुटने का आव्हान किया।

बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले के तीन दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने गुरुवार को बांसवाड़ा जिला कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, अभियानों तथा नवाचारों की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति पर समीक्षा की। उन्होंने प्रवृत्तिवार एवं क्षेत्र वार अब तक प्राप्त उपलब्धियों की जानकारी ली तथा इनके क्रियान्वयन में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने नहरों एवं तालाबों की उपयुक्त साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि नहरों में जल वितरण तथा वर्षा काल से पूर्व जिले के जलाशयों की सफाई पर गंभीरता बरतें। उन्होंने माही की एक-एक बूंद के सदुपयोग का आव्हान करते हुए कहा कि माही का पानी व्यर्थ न जाए। सिंचाई जल के साथ पेयजल के लिए भी माकूल प्रबन्ध सुनिश्चित रहने चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ तथा समय पर पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि जन-उपयोगी संसाधनों और सेवाओं का पूरा-पूरा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे फील्ड विजिट पर अधिक ध्यान देते हुए अपनी यात्रा के दौरान सभी क्षेत्रों की जरूरतों के प्रति सतर्क रहें और जहां कहीं कोई समस्या सामने आए, स्वत: संज्ञान लेकर इनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी ग्राम्यांचलों में भ्रमण, पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण का कार्य पूरी गंभीरता के साथ करें। उन्होंने अवैध धर्मान्तरण करवाने वालों तथा राजनैतिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि वर्तमान सत्र के दौरान विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने की दिशा में योजनाबद्ध रूप से पूरी तैयारी के साथ काम किया जाए ताकि बच्चों का स्कूलों में प्रवेश और ठहराव सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जिले में चन्दन वन विकसित किए जाने की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इनमें 11-11 हजार चन्दन के पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने वन विभागीय योजनाओं, वन विकास गतिविधियों, हरियालो राजस्थान आदि पर जोर देते हुए लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण के साथ ही वन संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हर स्तर पर प्रयास करने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री ने सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, सौर ऊर्जा आधारित तथा अन्य लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं, मौसमी बीमारियों से निपटने के ऐहतियाती प्रयासों, हीटवेव प्रबन्धन, चिकित्सा सेवाओं के आधुनिकीकरण आदि की प्रगति की जानकारी ली और हर स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांसवाड़ा में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली।

- मुख्यमंत्री ने बांसवाडा जिले की स्वस्थ आबोहवा को देखते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि बांसवाडा जिले में विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने यहां की स्वस्थ आबोहवा को देखते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश मीणा, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव, जिला कलैक्टर डॉ. इन्द्रजीतसिंह यादव, जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी सहित जनप्रतिनिधि एवं जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीगंगानगर में 46.5, बीकानेर में 44.8 डिग्री पहुंचा पारा

बीकानेर, (निसं)। जिले में गर्मी लगातार अपने तेवर दिखा रही है। दिन के साथ अब रातें भी लोगों को राहत नहीं दे रही हैं। गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा। वहीं रात का न्यूनतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.4 डिग्री ज्यादा रहा। खास बात यह रही कि दिन के मुकाबले रात में सामान्य दिनों की तुलना में अधिक गर्मी महसूस की गई। मौसम विभाग ने संभाग के चारों जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। ये अलर्ट 24 मई तक रहेगा। वहीं श्रीगंगानगर तो पिछले चौबीस घंटे में राज्य में सबसे ज्यादा गर्म जिला रहा है, जहां तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

- 25 मई से नौतपा शुरू होने से गर्मी से एक जून तक किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी

मौसम के मौजूदा रुख को देखते हुए राहत के कोई संकेत नजर नहीं आ रहे हैं। अनुमान है कि तापमान एक बार फिर 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। लगातार बढ़ती गर्मी और गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। भीषण गर्मी का असर अब शहर की दिनचर्या पर साफ दिखाई दे रहा है। दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आ रही हैं और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकलरहे हैं। तेज धूप और लू के कारण बाजारों और मुख्य मार्गों पर आवाजाही कम हो गई है। बीकानेर में पिछले कई दिनों से तापमान लगातार 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

लगातार ऊंचे तापमान के चलते गर्मी का असर बढ़ता जा रहा है और लोगों को दिन के साथ रात में भी राहत नहीं मिलरही। 25 मई से नौतपा शुरू होने के कारण गर्मी से एक जून तक किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने बीकानेर संभाग के बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू चारों जिलों में 24 मई तक के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। श्रीगंगानगर तो पिछले चौबीस घंटे में राज्य में सबसे ज्यादा गर्म जिला रहा है, जहां तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

कांडला हाईवे पर हुआ भीषण हादसा, तीन युवकों की मौत

रेवदर, (निसं)। रेवदर के कांडला हाईवे पर गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा डबानी मोड़ के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही अनादरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने तीनों शवों को अनादरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर भागने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर ट्रेलर को रुकवा लिया। हालांकि चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद हाईवे पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और करीब आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा। ग्रामीणों और युवाओं में हादसे को लेकर आक्रोश देखने को मिला। लोगों का कहना है कि कांडला हाईवे पर लगातार बढ़ते हादसों के बावजूद प्रशासन गंभीर नहीं है। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही क्षेत्र के लोगों ने लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर हाईवे जाम कर विरोध प्रदर्शन किया था और भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण की मांग उठाई थी। इसके बावजूद बड़ा हादसा होने से लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है।

- हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया

1100 करोड़ की सायबर ठगी, अनूपगढ़ का युवक गिरफ्तार

कम पढ़े-लिखे या अनपढ़ लोगों को निशाना बनाता था

अनूपगढ़, (निसं)। प्रेमनगर निवासी 28 वर्षीय सुनील कुमार को 1100 करोड़ रुपए की सायबर ठगी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। सायबर थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर सतवीर मीणा ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपी सुनील कुमार अनूपगढ़ में नवदीश टेलीकॉम, मुस्कान टेलीकॉम और संतोष टेलीकॉम के नाम से तीन सिम डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) चलाता था। वह कम पढ़े-लिखे या अनपढ़ लोगों को निशाना बनाता था। उन्हें वोडाफोन के मुफ्त सिम कार्ड जारी करने का लालच देकर उनकी केवाईसी का एक से ज्यादा बार उपयोग करता था। इस प्रक्रिया में वह हर बार उनके नाम से एक नया सिम कार्ड जारी कर उसे एक्टिवेट कर लेता था। इनमें से एक सिम संबंधित ग्राहक को दिया जाता था, जबकि शेष सिम आरोपी अपने पास रख लेता था। इस तरह एक्टिवेट किए गए सिम कार्ड वह अपने नेटवर्क के जरिए सायबर ठगी के गिरोह को बेच देता था। पुलिस अब आरोपी से उसके सहयोगियों और गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है। जांच अधिकारी ने बताया कि सुनील कुमार इस सायबर ठगी गिरोह की 'नींव की ईंट' है।

पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़कर गिरोह के बड़े सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। सायबर थाना पुलिस ने आरोपी को साथ लेकर अनूपगढ़ में उन स्थानों का नक्शा मौका बनाया, जहां उसने लोगों को धोखे में रखकर सिम जारी किए थे। आरोपी के घर और अन्य ठिकानों की भी तलाशी ली गई। इस मामले में उन दुकानदारों को भी गिरफ्तार किया जा सकता है, जिन्होंने अपने पीओएस का पासवर्ड आरोपी को देकर सिम बेचने की अनुमति दी और निगरानी नहीं की।

बच्ची से दुराचार, आरोपी फरार

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व में रहने वाली दस साल की बच्ची के साथ उसके पड़ौसी ने अश्लील हरकतें की। पीड़ित बच्ची रोते घर पहुंची और परिजन को जानकारी दी। इस पर परिजन पुलिस थाने पहुंचे और मामला दर्ज कराया। घटना के बाद आरोपी भाग गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल करवाए जाने के साथ मौका मुआयना किया है। मामले में जांच एडीसीपी सिकाउ की तरफ से की जा रही है। जिला पूर्व में दस साल की बच्ची से दुराचार और पॉक्सो का केस दर्ज हुआ है। बुधवार को पड़ौसी ने बच्ची को अपने पास बुलाया और कमरे में लेकर गया, जहां पर छेड़खानी की गई। पीड़ित बच्ची रोने लगी तो उसे छोड़ दिया। बच्ची ने घर आकर पड़ौसी के बारे में इस बारे में जानकारी दी। फिलहाल पुलिस ने परिजन की रिपोर्ट पर पॉक्सो में केस किया है।

फलोदी के मोडकिया गांव में चल रही अवैध सिंथेटिक ड्रग्स लैब पकड़ी

भारी मात्रा में एमडीएमए ड्रग्स, केमिकल और उपकरण जब्त, एक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिला स्पेशल टीम और बाप थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मोडकिया गांव के एक सुनसान ट्यूबवेल परिसर में चल रही अवैध सिंथेटिक ड्रग्स लैब का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में एमडीएमए ड्रग्स, केमिकल और उपकरण जब्त किए गए हैं।

फलोदी पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना और लगातार निगरानी के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने रात को मोडकिया क्षेत्र के भारूवा नगर स्थित एक टीनशेड वाले ट्यूबवेल पर दबिश दी। जांच में अंदर रासायनिक पदार्थों की तेज गंध महसूस हुई। छापेमारी के दौरान मौके से इलेक्ट्रिक हीटर, कांच के जार, मशीनें, रासायनिक तरल पदार्थ और एमडीएमए तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली कई सामग्रियां बरामद हुईं। पुलिस ने करीब 1.080 किलोग्राम अवैध एमडीएमए जब्त की, जिसकी बाजार कीमत लगभग एक करोड़ आठ लाख रुपए बताई जा रही है। मौके से ट्यूबवेल मालिक मोडकिया निवासी सुखराम पुत्र रेशमाराम गोदारा को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने सुनसान स्थान को इसलिए चुना ताकि गतिविधियों की भनक किसी को न लगे। पुलिस का कहना है कि बरामद केमिकल से आगे लगभग 30 किलोग्राम तक ड्रग्स तैयार की जा सकती थी। फिलहाल एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

- प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने सुनसान स्थान को इसलिए चुना ताकि गतिविधियों की भनक किसी को न लगे
- पुलिस का कहना है कि बरामद केमिकल से आगे लगभग 30 किलोग्राम तक ड्रग्स तैयार की जा सकती थी

उदयपुर में हुई लूट की वारदात का खुलासा

उदयपुर, (कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने तलवार दिखा कर बाइक चालक से मोबाईल व नकदी लूट की वारदात का तीन दिन में खुलासा करते हुए इस मामले में एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर दो विधी से संघर्षरत बाल अपचारी डिटेन कर इनके कब्जे से लूटा गया माल बरामद किया है।

खेरवाड़ा थानाधिकारी करनाराम जाट के नेतृत्व में टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर तीन दिन पूर्व पीड़ित बाइक सवार दो व्यक्तियों को तलवार दिखाकर मोबाइल व नकदी लूट की वारदात का खुलासा करते हुए इस मामले में आशीष पुत्र रामचन्द्र उर्फ चन्दुलाल निवासी बंजारिया फला उपला खेरवाड़ा को गिरफ्तार कर दो विधी से संघर्षरत बाल अपचारियों को डिटेन किया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर में समीक्षा बैठक ली

डूंगरपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार देर शाम डूंगरपुर पहुंचे, जहां बांसवाड़ा सीमा से जिले में प्रवेश करते ही उनका भव्य स्वागत किया गया। सागवाड़ा से लेकर तिजवड़ और कलेक्ट्रेट तक भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए। मुख्यमंत्री ईवी कार से डूंगरपुर पहुंचे। इसके बाद वे सभी कार्यक्रमों में ईवी कार में ही दिखाई दिए।

मुख्यमंत्री ने कलैक्ट्रेट पहुंचकर अधिकारियों के साथ बंद कमरे में समीक्षा बैठक ली और सरकार की योजनाओं व बजट घोषणाओं की प्रगति का फीडबैक लिया। इसके बाद विजयराजे सिंधिया ऑडिटोरियम में आयोजित नागरिक एवं स्वच्छता संदेश कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम चौरासी विधानसभा क्षेत्र के धंबोला ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री ठाकरडा के पास स्थित टोल प्लाजा पर कुछ देर के लिए रुकेे। यहां भी भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा महिला नेता चंद्रलेखा कलासुआ और बद्री कटारा ने मुख्यमंत्री को चांदी का कड़ा पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री कलैक्ट्रेट पहुंचे, जहां अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कलैक्ट्रेट के ईडीपी हॉल में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली। बंद कमरे में आयोजित इस बैठक में सरकार की विभिन्न योजनाओं, बजट घोषणाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री एवं अतिथियों द्वारा स्वच्छता को लेकर विशेष पोस्टर का विमोचन किया गया। वहीं, स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया। सीएम रात में चौरासी विधानसभा क्षेत्र के धंबोला ग्राम पंचायत पहुंचेंगे। जहां वे रात्रि चौपाल में हिस्सा लेंगे। यहां मुख्यमंत्री महिलाओं, किसानी, युवाओं से बातचीत करेंगे और लोगों की समस्याएं जानते हुए उन्हें समाधान के निर्देश देंगे।

- मुख्यमंत्री ने योजनाओं व बजट घोषणाओं की प्रगति का फीडबैक लिया

जमीन विवाद में भाई पर हमला

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा कस्बे के कुण्डाल गांव में जमीन विवाद को लेकर व्यक्ति व साथी ने धारदार हथियार से हमला कर अपने भाई सहित चार परिजनों को घायल कर फरार हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात में गोगुन्दा थाना क्षेत्र कुण्डाल गांव निवासी रूपा गमेती ने व साथी ने धारदार हथियार से हमला कर अपने भाई प्रेम गमेती, पिता भेलाराम चाचा अम्बालाल तथा दादी भवरी बाई पर हमला कर फरार हो गया। रूपाराम खेत में पूर्वज बावजी की स्थापना करना चाहता है तथा प्रेम अपने मकान के मार्ग में होने से एतराज करता आ रहा है। घटना वाली रात में रूपा व साथी खेत पर आए थे, जहां पूर्वज बिठाने को लेकर कार्यवाही कर रहे थे। इसका प्रेम उसके पिता, चाचा व दादी व परिजनों ने एतराज किया था।

जोधपुर के उचियारड़ा गांव में 27 लाख के जेवर चोरी

जोधपुर, (कासं) । शहर के निकट उचियारड़ा गांव में एक घर में रात में चोरी हो गई। घटना के समय परिवार के लोग घर में ही थे। कुछ अलग कमरें में तो कोई छत पर सो रहा था। गर्मी के चलते चोर तड़के 3-4 बजे के बीच घर में दाखिल हुए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह जाग होने पर घटना का पता लगा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक कार संदिग्ध नजर आई है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है। घर से 15 तोला सोना और डेढ़ किलो चांदी के जेवरात पार हुए है। एयरपोर्ट थाने में इस बाबत केस दर्ज कराया गया है।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि उचियारड़ा निवासी श्रवणराम पुत्र खिंयाराम प्रजापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि 20 मई की रात को परिवार के लोग घर में ही थे। तड़के तीन चार बजे के बीच में अज्ञात चोर घर में दाखिल हुए और एक कमरे में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर वहां से 15 तोला सोना और डेढ़ किलो के तकरीबन चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। सुबह घटना का पता लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज देखे गए हैं। कई गाड़ियां आती-जाती दिखी है, मगर एक संदिग्ध कार भी लगी है। फिलहाल इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है। नंबर भी साफ नजर नहीं आ रहे हैं। चोरी गए गहनों की अनुमानित तौर पर कीमत 25-27 लाख रुपये हैं।

- घर से 15 तोला सोना और डेढ़ किलो चांदी के जेवरात पार हुये
- घटना के समय परिवार के लोग घर में ही थे, सुबह जाग होने पर पता लगा

अजमेर : घर से लापता मदनलाल का तीन दिन से नहीं लगा सुराग

अजमेर, (निसं)। शहर के पीली खान क्षेत्र निवासी मदनलाल जेलिया पिछले तीन दिन से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हैं। परिवार द्वारा लगातार तलाश और रिश्तेदारों से संपर्क करने के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है। मामले को लेकर परिजनों ने सिविल लाइन थाना पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वहीं पुलिस भी सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से उनकी तलाश में जुटी हुई है।

परिजन के अनुसार मदनलाल हाल ही में धार्मिक यात्रा पर वृंदावन गए हुए थे। सोमवार को वे सकुशल अपने घर लौटे थे। परिवार के अनुसार यात्रा से लौटने के बाद वे सामान्य रूप से घर पर मौजूद थे और किसी प्रकार की परेशानी भी नजर नहीं आई, लेकिन मंगलवार सुबह करीब 10 बजे वे घर से बाहर निकले और उसके बाद वापस घर नहीं लौटे। शाम तक घर नहीं पहुंचने पर परिवार के लोगों ने पहले अपने स्तर पर उनकी तलाश शुरू की। परिजनों ने रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाई, लेकिन कहीं से भी कोई सूचना नहीं मिली। देर रात तक जब उनका कोई पता नहीं चला तो परिवार की चिंता बढ़ गई। लगातार खोजबीन के बावजूद कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। जांच के दौरान मदनलाल अंतिम बार शास्त्री नगर स्थित चुंगी चौकी के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में नजर आए। इसके बाद उनकी लोकेशन और गतिविधियों के संबंध में कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

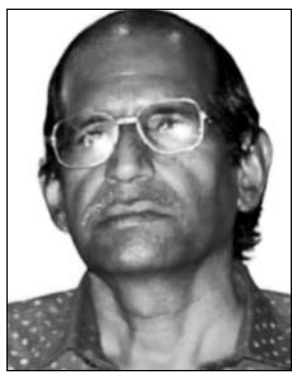
लापता मदनलाल।

- मदनलाल हाल ही में धार्मिक यात्रा पर वृंदावन गए हुए थे, सोमवार को ही घर लौटे थे
- शास्त्री नगर चुंगी चौकी के पास अंतिम बार सीसीटीवी में आए नजर, परिवार की बढ़ी चिंता

मदनलाल के अचानक लापता होने से परिवार गहरे सदमे और चिंता में है। परिजनों का कहना है कि वे पिछले तीन दिनों से लगातार उनकी तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। परिवार के सदस्य हर संभावित स्थान पर जाकर जानकारी जुटा रहे हैं। परिजनों ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मदनलाल के संबंध में कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या परिवारजनों को सूचना दें, ताकि उन्हें जल्द से जल्द सकुशल घर वापस लाया जा सके।

इधर पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं और संभावित स्थानों पर तलाश अभियान भी चलाया जा रहा है। परिवार को उम्मीद है कि पुलिस प्रशासन की मदद और आमजन के सहयोग से जल्द ही मदनलाल का पता चल सकेगा।

युवक को हनी ट्रेप में फंसाकर महिला ने 20 लाख रूपए ऐंठे

रूपयों की डिमाण्ड पूरी नहीं करने पर झूठा केस भी दर्ज करवा दिया

जोधपुर, (कासं)। शहर के कुड़ी भगतासनी सेक्टर चार में रहने वाले एक युवक को हनी ट्रेप में फंसाकर एक महिला ने 20 लाख रूपए ऐंठ लिए। बाद में रूपयों की डिमाण्ड पूरी नहीं करने पर झूठा केस भी दर्ज करवा दिया। अब मुकदमे में राजीनामा करवाने के नाम पर 15 लाख की डिमाण्ड की जा रही है। पीड़ित का बार बार धमकियां दी जा रही है। पुलिस ने युवक का केस दर्ज नहीं किया तो उसने कोर्ट की शरण ली और नामजद तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया। आरोपी पाली जिले की मां-बेटी और बेटा है। कुड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

कुड़ी भगतासनी पुलिस ने बताया कि सेक्टर 4 में रहने वाले एक युवक ने यह रिपोर्ट दी है। वह तीन साल से पाली जिले के एक युवती रतन के साथ जान पहचान हुई थी। बाद में उनके बीच में नजदीकियां बढ़ गई और संबंध मधुर हो गए। वह पाली से जोधपुर आती जाती थी तब उसे होटल कैफे में लेकर जाता था। रतन उससे अपनी जरूरतें बताकर रूपए लेती थी। कभी मां की बीमारी का बहाना बनाकर रूपए लेती तो कभी खरीदारी के बहाने रूपए लेती थी। मां की बीमारी का बताए जाने पर पीड़ित युवक ने अपना एटीएम कार्ड उसे दे दिया। फिर वह उसका दुरूपयोग करने लगी। उसकी मां और एक भाई भी एटीएम का दुरूपयोग कर जब मर्जी बैंक खाते से रूपए निकालने लगे थे। मगर वह फिर भी रूपयों की डिमाण्ड करती रहती थी। उसे हकीकत पता लगने पर रूपए देना बंद कर दिया तब वह उसे ब्लैकमेल करने लगी और झूठा मुकदमा भी उस पर करवा दिया। इस मुकदमे में वह राजीनामा के नाम पर 15 लाख की डिमाण्ड करने लगी। वह रूपए नहीं दिए जाने के एवज में जेल भिजवाने के लिए धमकाने लगी है।

पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि वह तीन साल तक उसकी मदद करता रहा, मगर वह अब ब्लैकमेल कर 15 लाख की डिमाण्ड कर रही है। साथ ही मां-बेटी और बेटा उसे धमकी दे रहे हैं। 26 फरवरी को पीड़ित कुड़ी थाने में केस दर्ज करवाने गया, मगर उसका केस दर्ज नहीं किया गया। इस पर अब उसने कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से मां-बेटी और बेटे का नामजद कर केस दर्ज कराया है।

पारिवारिक विवाद के बाद अधेड़ ने जान दी

डूंगरपुर, (निसं)। हाउसिंग बोर्ड में एक अधेड़ व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के चलते अपने घर में आत्महत्या कर ली। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। मृतक की पहचान तुलसीराम सेवक के रूप में हुई है।

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार, तुलसीराम का उनके दामाद हितेश शर्मा और महेश शर्मा के साथ उनकी दिवंगत पत्नी की ज्वैलरी और घर के कागजात को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते 19 मई को तुलसीराम के बेटे हिमांश और उनके जीजा के बीच कहासुनी और झगड़ा हुआ था, जिसमें हिमांश घायल हो गए थे। इस घटना के बाद हिमांश अपने मामा गोपाल सेवक के घर चले गए थे, जबकि तुलसीराम घर पर अकेले थे। अगले दिन, जब हिमांश शाम करीब 5 बजे घर लौटे तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था और सीढ़ियों वाले दरवाजे पर ताला लगा था। अनहोनी की आशंका होने पर हिमांश ने तुरंत कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी।

घर के बाहर खेल रही बच्ची को पडौसी महिला ने कार से रौंदा

एयरपोर्ट इलाके स्थित सिद्धार्थ नगर में गुरूवार शाम को हुआ दर्दनाक हादसा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । एयरपोर्ट थाना इलाके में गुरुवार शाम एक दर्दनाक हादसे में पन्द्रह माह की मासूम बच्ची की मौत हो गई। घर के बाहर खेल रही बच्ची को पडौस में रहने वाली महिला लेक्चरर ने कार बैक करते समय कुचल दिया। गंभीर हालत में बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया।

सहायक पुलिस आयुक्त विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि घटना सिद्धार्थ नगर इलाके की है। मासूम किट्टू के पिता दिनेश गुर्जर आबकारी थाना क्षेत्र के पास डेयरी संचालित करते हैं और परिवार सिद्धार्थ नगर में रहता है। गुरुवार शाम करीब पांच बजे किट्टू घर के बाहर सड़क किनारे खेल रही थी। इसी दौरान पडौस में रहने वाली महिला काजल ठाकुरिया अपनी कार को पीछे ले रही थी। कार का पिछला टायर बच्ची के ऊपर चढ़ गया। परिजनों ने घायल बच्ची को उसी कार से जवाहर सर्किल स्थित ईएचसीसी अस्पताल पहुंचाया, जहां करीब दो घंटे तक चले उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद महिला कार से बाहर निकलकर खड़ी रही। घटना के बाद अस्पताल में परिजनों और स्थानीय लोगों ने आक्रोश जताते हुए हंगामा किया।

- बच्ची की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया
- पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू की

एसीपी विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में रहने वाली पन्द्रह माह की बच्ची की सड़क हादसे में मौत हुई है। पड़ोस में रहने वाली महिला कार चला रही थी। कार बैक करते समय बच्ची नीचे आ गई। गंभीर घायल अवस्था में बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है। वहीं किट्टू के चाचा विक्रम सिंह गुर्जर ने आरोप लगाया कि घर के बाहर तीन-चार बच्चे खेल रहे थे। गली के आगे का हिस्सा बंद होने के कारण परिवार के सदस्य बाहर नहीं थे। इसी दौरान पडौसी महिला ने सामने से बच्ची को टक्कर मार दी और बाद में गाड़ी को पीछे ले लिया, जिससे हादसा और गंभीर हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शातिर हथियार तस्कर गिरफ्तार

- आरोपी के कब्जे से अवैध पिस्टल-दो जिंदा कारतूस जब्त

जयपुर (कासं)। राजधानी में अवैध हथियारों की तस्करी और अपराधियों के नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम और दौलतपुरा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक शातिर हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और तस्करी में प्रयुक्त लग्जरी कार जब्त की है।

पुलिस उपायुक्त अपराध संजीव नैन ने बताया कि जयपुर शहर में चलाए जा रहे ऑपरेशन 'आग' (एक्शन अगेंस्ट गन्स) के तहत सीएसटी टीम को सूचना मिली थी कि नेशनल हाईवे-48 पर अवैध हथियारों की डील होने वाली है। इस पर सीएसटी और दौलतपुरा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दौलतपुरा थाना क्षेत्र में ऋषभ ट्रांसपोर्ट कंपनी के सामने सर्विस रोड पर खड़ी एक संदिग्ध लग्जरी कार को घेर लिया। तलाशी के दौरान कार में बैठे युवक के पास से एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी हथियार संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। जिस पर सौमेश मीणा उर्फ दिनेश (34) निवासी दौसा हाल सांगानेर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लग्जरी कार भी जब्त कर ली है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हथियार किस सप्लायर से खरीदा गया और इसे जयपुर में किस गैंग या बदमाश को पहुंचाया जाना था।

सार-समाचार

'तकनीक से सशक्त होंगे विद्यार्थी'

जयपुर । मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा सी-एज टेक्नोलॉजीज प्रा.लि. के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहयोग से राजस्थान के कोटा एवं जोधपुर में दो सरकारी विद्यालयों में अत्याधुनिक डिजिटल कंप्यूटर लाइब्रेरी स्थापित कर शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इन डिजिटल लाइब्रेरियों का उद्घाटन शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जयपुर स्थित राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय से डिजिटल माध्यम से किया। जिन्होंने शिक्षा के डिजिटलीकरण और ग्रामीण विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोडने की दिशा में इस पहल को ऐतिहासिक कदम बताया। राजस्थान ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष मुकेश भारतीय ने बताया कि कोटा जिले के पीएम श्री हीराभाई पारेख राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामगंज मंडी तथा जोधपुर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पलासनी में इन डिजिटल लाइब्रेरियों की स्थापना की गई है। इस मौके पर सी-एज टेक्नोलॉजीज के सीईओ राहुल कुलकर्णी और ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक लाइब्रेरी में 21-21 आधुनिक कंप्यूटर, इंटरएक्टिव डिजिटल पैनल बोर्ड, एयर कंडीशनर, उच्च गुणवत्ता फर्नीचर, पंखे, एलईडी लाइट्स एवं अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे विद्यार्थियों को डिजिटल एवं तकनीकी शिक्षा का बेहतर वातावरण मिल सकेगा। जिसमें कुल 43.62 लाख की लागत आई है। इस अवसर पर निदेशक हरवंत पिल्लई, महाप्रबंधक धीरेन्द्र जीनगर, उपेन्द्र शेखावत, मनीष शर्मा और स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य, चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो.डॉ.राजीव सक्सेना मौजूद रहे।

फ्रांस में इवेंट मैनेजर्स-डे की गूंज

जयपुर । इंटरनेशनल इवेंट मैनेजर्स डे को इस बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। फ्रांस के प्रसिद्ध टूर सिटी में आयोजित फॉयरे डे टूर्स फेयर में करीब 20 वर्षों बाद भारत को गेस्ट ऑफ ऑनर चुना गया है। यह आयोजन भारतीय कला, संस्कृति और इवेंट इंडस्ट्री के लिए गर्व का विषय बन गया है। इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर अरशद हुसैन ने बताया कि इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मेले में इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर रईस भारती अपने प्रसिद्ध धोद बैंड के साथ राजस्थानी लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत और भारतीय कला की शानदार प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इस फेयर में लगभग 4 लाख लोग पूरी दुनिया से पार्टिसिपेट कर रहे हैं, जहां भारत की सांस्कृतिक झलक विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि भारतीय इवेंट इंडस्ट्री और कलाकारों की वैश्विक पहचान को मजबूत करने का भी अवसर है। प्रदेश की लोक धुनों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का संदेश दुनिया तक पहुंच रहा है।

किलकारी फॉर चिल्ड्रन्स वर्कशॉप शुरू

जयपुर। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की चिल्ड्रंस थिएटर विंग, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर और क्यूरियो चिल्ड्रंस थिएटर के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर के चार क्षेत्रों में शुरू हुआ कोलाज ऑफ किलकारी फॉर चिल्ड्रन्स एंड टिन्स वर्कशॉप का आगाज 17 मई से हुआ। यह वर्कशॉप जयपुर में एमपीएस जवाहर नगर, मालवीय कॉन्वेंट स्कूल मालवीय नगर, एम जी पी एस विधाधर नगर और ब्रह्मचारी रामानुजाचार्य बालिका विद्यालय जामडोली में हो रही है। इस बार किलकारी के लिए लगभग 550 बच्चों - किशोरों ने अप्लाई किया फिर किलकारी की क्रिएटिव टीम ने क्रिएटिव ऑडिशन के थ्रू लगभग 150 स्टूडेंट्स का चारों सेंटर के लिए सलेक्शन लिया किया। क्रिएटिविटि, इनोवेशन और इंटरेस्टिंग मेथड्स से भरी इस वर्कशॉप का मकसद है बच्चों की क्रिएटिविटी को निखारना और साथ ही उनकी पर्सनलिटी को ग्रूम करना। इस दौरान इन 22 दिनों में बच्चों को ड्रामा, माइम, कॉन्सन्ट्रेशन, कलाउनिंग थिएटर, जैसी कई एक्टिविटिज करवाई जाएगी । इस दौरान चित्रकला प्रतियोगिता और स्टूडियो विजिट, पैरेंट्स करियर काउंसिल जैसे कई इंपॉर्टेंट सेशंस भी इस वर्कशॉप का हिस्सा रहेंगे। क्यूरियो के क्रिएटिव डायरेक्टर गगन मिश्रा ने यह जानकारी दी।

आईडीएफसी बैंक का क्रेडिट कार्ड लॉंच

मुंबई । आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने फाउंडर्स, आंत्रप्रेन्योर्स और बिज़नेस ऑनर्स के लिए एफडी-समर्थित बिज़नेस मल्टीप्लायर मेटल क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। इस प्रीमियम मेटल कार्ड को बिज़नेस संबंधी हर दिन की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस पर बिज़नेस और कार्डहोल्डर दोनों के नाम प्रदर्शित होते हैं, जिससे बिज़नेस में इसके उपयोग को और भी अधिक मजबूती मिलती है। बिज़नेस खर्चों के लिए अलग क्रेडिट लिमिट के साथ यह कार्ड बिज़नेस और पर्सनल खर्चों को अलग-अलग रखने में मदद करता है। इस कार्ड का उपयोग ऑफिस सप्लाई, डिजिटल मार्केटिंग खर्च, सास (सॉफ्टवेयर एज़ ए सर्विस) सब्सक्रिप्शंस, बिज़नेस ट्रैवल, इक्विपमेंट खरीद, इन्वेंट्री प्रोक्योरमेंट, इंटरनेशनल वेंडर पेमेंट्स और कर्मचारियों के रीइम्बर्समेंट जैसे कई तरह के खर्चों के लिए किया जा सकता है। यह जानकारी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के हेड- काड्र्स (पेमेंट्स और लॉयल्टी) शिरीष भंडारी ने दी है।

संगीत संध्या में जुटे 27 म्यूजिकल ग्रुप

जयपुर । जेसीएस की "हम साथ-साथ हैं" संगीत संध्या में एक मंच पर आए 27 म्यूजिकल ग्रुप्स जयपुर कल्चरल सोसाइटी का कार्यक्रम हम साथ साथ हैं सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ । संस्था के 40 साल पूरे होने पर यह संगीत संध्या आयोजित की गयी। कत्थक गुरु और वरिष्ठ अभिनेत्री ऊषा श्री ने आए हुए सभी कलाकारों को आशीर्वाद दिया । इस कार्यक्रम में एक ही मंच पर 27 ग्रुप्स के फाउंडर, डायरेक्टर और एडमिन के साथ शहर के म्यूजिक लवर्स ने भाग लिया । जेसीएस अध्यक्ष कंचन आनंद ने बताया कि 60 गायक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी । जयपुर कल्चरल सोसाइटी के संरक्षक के के पारीक, उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राजोरा और अध्यक्ष कंचन आनंद ने सभी को माला और मेडल पहनाकर सम्मानित किया । टाइटल सॉन्ग "हम साथ साथ हैं" गीत को सभी ने मिलकर गाया । इस गीत पर जयपुर के होनहार सैक्सोफोन प्लेयर खालिद खान ने सैक्सोफोन बजाकर कार्यक्रम में जोश ला दिया । करीब 15 मिनट की ये प्रस्तुति एक मिसाल बन गई । सभी ने मिलकर गाने गाए,खाना खाया । संस्था का उद्देश्य यही था कि सभी लोग एकता के साथ मिल जुलकर कार्यक्रम आयोजित करें ।

राज्यपाल से मिले प्रशिक्षु अधिकारी

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से गुरुवार को लोक भवन में भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2025 के बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की। राज्यपाल ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारी आम जन के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करने को कृत संकल्पित रहे। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने के साथ ही जन समस्याओं के निराकरण की दृष्टि रखते हुए कार्य करें। उन्होंने पंक्ति के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति, गरीब और वंचित लोगों के कल्याण के लिए कार्य करने का आव्हान किया। राज्यपाल ने केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों और नीतियों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने में रुचि लेने का भी आव्हान किया। इस अवसर पर हरिश्चंद्र माथुर राज्य लोक प्रशासनिक संस्था की महानिदेशक श्रीमती श्रेया गुहा और राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

जयपुर के बिचून में माटीकला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेगा

- माटी कलाकारों को मिलेगा प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक भी सिखाई जाएंगी
- देश के माटी कलाकारों के आर्टिजन कार्ड बनेंगे, बोर्ड लगाएगा शिविर
- मुख्यमंत्री की घोषणाओं से माटी कला को मिली पहचान : प्रहलाद राय टांक

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणाओं से माटी कला को नई पहचान मिली है। बोर्ड को पिछले 2 वर्षों में पिछले 10 वर्षों से भी अधिक बजट मिला है। जयपुर के बिचून औद्योगिक क्षेत्र में माटी कला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक ने यह बात गुरुवार को उद्योग भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से माटी कलाकारों के लिए आधुनिक तकनीक के माध्यम से नए रोजगार के द्वार खुलेंगे। राज्य में माटी कला के सभी कलाकारों, कामगारों के आर्टिजन कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिए बोर्ड द्वारा शिविर लगाए जाएंगे।

टाक ने प्रजापत-कुम्हार समाज की आराध्या एवं कुलदेवी श्रीयादे माता का पैनोरमा बनाए जाने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इससे माटी कलाकार प्रजापति समाज में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। टांक ने बताया कि राज्य बजट घोषणा वर्ष 2026-27 के तहत 5000 विद्युत चालित चाक और मिट्टी गूंथने की मशीनों का वितरण किया जाएगा, इससे उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ेंगी। इस वर्ष माटी कला के 100 प्रशिक्षक तैयार करने का लक्ष्य है। इसके लिए राज्य से बाहर विभिन्न स्थानों पर विशेष ट्रेनिंग दिलवाई जाएगी। पिछले वर्ष 25 लोगों को उत्तर प्रदेश के खुर्जा से प्रशिक्षण दिलवाया गया है। प्रेस वार्ता के बाद श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने उद्योग भवन परिसर में परिण्डे लगाए और प्रदेशवासियों से भी परिण्डे लगाने का आ ान किया।

डॉ. एस.आर. मेहता का निधन

जयपुर। प्रसिद्ध चिकित्सक और पद्मश्री तथा डॉ. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित तथा सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एस.आर. मेहता का गुरुवार को लम्बी बीमारी से निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। डॉ. शीतल राज मेहता राष्ट्र के चिकित्सा जगत में पिछले सात दशकों के अपने गौरवशाली चिकित्सक जीवन में अपनी अद्वितीय रोग निदान क्षमता, संवेदनशील उपचार पद्धित तथा चिकित्सा उत्कृष्टता के प्रति समर्पण के माध्यम से अपनी पहचान बनाने में सफल रहे थे। वह मेडिकल काउन्सिल ऑफ इण्डिया, इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन, नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन्स, राजस्थान मेडिकल काउन्सिल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की सलाहकार समितियों तथा चिकित्सा शिक्षा एवं क्लिनिकल मानकों से सम्बन्धित अनेक राष्ट्रीय विशेषज्ञ समितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. शीतल राज मेहता, एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य तथा सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक एवं विभागाध्यक्ष भी रहे और उनके कार्यकाल में अस्पताल में आधुनिक उपकरण और कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सा और चिकित्सकीय क्षमता, शोध और नैतिक मूल्यों के कारण उन्हें डॉ. बी.सी. रॉय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गुरूवार को आदर्श नगर मोक्षधाम में उनके अन्तिम संस्थान में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, डॉक्टर्स तथा परिजन उपस्थित थे।

'प्रधानमंत्री दूर करें भ्रम और असमंजस की स्थिति'

जयपुर । "मिशन हम भारत के ब्राह्मण" समिति के संयोजक योगेश्वर शर्मा, कर्नल आर. एस. राजपुरोहित और संजय तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग करते हुए कहा है कि देश में लगातार फैल रहे असमंजस और भ्रम को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रेसवार्ता कर देश की जनता की विभिन्न समस्याओं का समाधान करें। समिति के संयोजकों ने भारत देश के प्रधानमंत्री से यह मांग करते हुए गुरुवार 21 मई को राजधानी जयपुर के चित्रकूट में गंगेश्वर महादेव मंदिर के समीप स्थित समिति के कार्यालय में प्रेस से रूबरू हुए। उन्होंने बताया कि विगत कुछ वर्षों से संस्कृति और संस्कारों के प्रणेता ब्राहम्णों पर हर तरफ से आक्रमण करके उन्हें अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर चारों जगदगुरू शंकराचार्यों, पाँचों वैष्णवाचार्यों को उपेक्षित, प्रताड़ित और आहत किया जा रहा है।

लोकतंत्र की रक्षक न्यायपालिका पर प्रदेश स्तर के अखबार ने मुखपृष्ठ पर पहली खबर छापी कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के एक लाख पैंतीस हजार निर्णय लागू होने को भटक रहे है। अदालतों में लगभग साढे पांच करोड केस लम्बित है। वहीं कर्ज के चलते लगभग 7 हजार लोगों ने आत्महत्या की। विगत 5 वर्षों में 40 हजार महिलाएं गायब हुई। अकेले राजस्थान से 7200 बच्चे लापता हुए, जिनमें 84 प्रतिशत नाबालिग लड़कियां हैं। अमेरिका की किन्ही एप्सटीन फाईल्स के कुत्सित पन्नों में केन्द्र सरकार के मंत्री का नाम आया है। सिस्टम पर अविश्वास के कारण और एजेंसियों की मनमानी के कारण कई वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। वर्ष 1990 में केन्द्र सरकार कर्मचारियों की संख्या एक करोड़ और देश की जनसंख्या 86 करोड़ थी। आज 140 करोड़ जनसंख्या पर केवल 50 लाख कर्मचारी है। अन्तर्राष्ट्रीय डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की कीमत बहुत ही दयनीय है। कश्मीर से धारा 370 और 35ए हटाने के बाद भी अपने ही देश में विस्थापित कश्मीरी पंडितों की घर वापसी नहीं हो पा रही।

संस्कार शिविर का अवलोकन

जयपुर। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं महिला अंचल के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर 2026 का श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर महावीर नगर में तत्त्वार्थ तत्वार्थ सूत्र जिसे राजेश गंगवाल द्वारा स्वाध्याय करवाया जा रहा है। इसमें महिलाओं ने विशेष जिज्ञासा दर्शाई है। तत्पश्चात महावीर साधना संस्थान, महावीर नगर में लग रही चार पाठ्यक्रमों का भी भली-भांति अवलोकन किया। शिविरार्थियों की संख्या 100 से भी अधिक थी, जो धर्म ज्ञान के प्रति रुचि इंगित करती है। शिविरों में ज्ञान के साथ-साथ जीवन जीने की कला भी सिखाई जाती है -ये विचार बच्चों ने स्वयं बताये। भाग चन्द जैन मित्रपुरा ने बताया कि अंचल अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, शकुंतला विंदायका महिला अंचल अध्यक्ष, सुनीता गंगवाल महिला अंचल मंत्री, उर्मिला जैन महिला कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष सुनील कुमार बज, मंत्री महावीर चांदवाड, शिविर संयोजक कैलाश चंद जैन मलैया, अनीता जैन, सुशीला बडजात्या द्वारा शिविर का अवलोकन किया। मंदिर कमेटी एवं इकाई अध्यक्ष राजेन्द्र जी पांड्या ,मंत्री राजेन्द्र पापडीवाल, संस्थान अध्यक्ष अनिल कुमार मंत्री, सुरेश काला, महावीर गोधा कोषाध्यक्ष, शिविर प्रभारी बाबूलाल जैन, सुशीला गोदिका ने आगंतुकों का स्वागत किया ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला फूंका

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर राहुल गांधी की टिप्पणी से फूटा आक्रोश

भाजपा कार्यकर्ताओं ने चौमूं हाऊस सर्किल पर विरोध प्रदर्शन किया।

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आमजन में भारी आक्रोश पनपा है। गुरुवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए और कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा कार्यालय से लेकर चौमूं हाउस सर्किल तक जूलूस निकाला और राहुल गांधी का पुतला जलाया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि महात्मा गांधी ने आजादी के बाद कांग्रेस को समाप्त करने की बात कही थी, परन्तु तत्कालीन नेताओं ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण उसे जीवित रखा। लेकिन आज राहुल गांधी अपने बायानों और कार्यशैली से कांग्रेस को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे है। राहुल गांधी के स्टेटमेंट कांग्रेस की कब्र खोदने का काम कर रहे है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस अब धीरे धीरे लुप्तप्राय स्थिति में पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री के लिए इस प्रकार की भाषा का उपयोग करना न केवल अशोभनीय है, बल्कि राष्ट्र के सम्मान के खिलाफ भी है। प्रधानमंत्री केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। राहुल गांधी को भारत की विदेश नीति, कूटनीति और वैश्विक स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा दिखाई नहीं देती।

कांग्रेस ने किया नीट पेपरलीक का विरोध

पुलिस ने संसार चंद्र रोड पर बैरिकेड्स लगाकर कार्यकर्ताओं को रोका

नीट-2026 पेपरलीक मामले को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरूवार को जयपुर में सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया।

जयपुर (कासं)। नीट-2026 पेपरलीक मामले को लेकर कांग्रेस ने गुरूवार को जयपुर में सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं की कथित मिलीभगत और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की घोर लापरवाही के कारण देश के 22 लाख छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ जो क्रूर खिलवाड़ हुआ है।

नीट के पेपर 3 वर्षों से लगातार लीक होने के मुद्दे पर जूली ने कहा कि यह देश के लाखों छात्रों के हितों पर कुठाराघात है। भाजपा के नेता केवल दोषियों को बचाने में लगे हुये हैं, जबकि असलियत में सबसे पहले कार्रवाई राजस्थान में होनी चाहिए थी, क्योंकि पेपरलीक होने की जानकारी सबसे पहले राजस्थान में ही आई थी लेकिन विडंबना है कि भाजपा की प्रदेश सरकार ने मामले को दबाने का प्रयास किया तथा एक भी एफआईआर दर्ज नहीं की, जो दर्शाता है कि भाजपा की सरकार किसी दोषी को बचाने के लिये ही कार्य कर रही थी। जूली ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ सड़कों पर उतरकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पुरजोर तरीके से उठाई और युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को तुरंत प्रभाव से भंग करने का पुरजोर आव्हान किया।

- नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि "इस कांड से 22 लाख युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हुआ"

उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक कांड में भाजपा का पदाधिकारी आरोपी है और सरकार उसे संरक्षण देने का काम कर रही है यह देश के लाखों युवाओं के सपनों के साथ विश्वासघात है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता हैं। सभा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के नेतृत्व में पैदल मार्च करते हुए संसार चंद्र रोड स्थित गवर्नमेंट हॉस्टल से पुलिस कमिश्नरेट की ओर रवाना हुए।

इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस कमिश्नरेट पहुंचने से पहले ही प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत बैरिकेड्स लगाकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया, जिसके चलते मौके पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति भी बनी रही। हालांकि पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच बातचीत के बाद स्थिति सामान्य रही। कांग्रेस नेताओं ने सरकार की नीतियों के विरोध में अपना प्रदर्शन जारी रखते हुए विभिन्न मांगों को लेकर आवाज उठाई।

राज्यपाल से नव नियुक्त कुलगुरु की भेंट

जयपुर । राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे से गुरुवार को लोकभवन में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के नव नियुक्त कुलगुरु प्रो. मदन सिंह राठौड ने मुलाकात की। कुलगुरु बनने के बाद प्रो. राठौड की राज्यपाल से यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

ARBiT it happens here...

Sherlock Holmes Day: Honouring Literature's Greatest Detective

Sherlock Holmes Day, celebrated on May 22, pays tribute to Sir Arthur Conan Doyle's iconic detective who has captivated readers for over a century. Known for his sharp intellect, keen observation, and logical reasoning, Holmes set the standard for modern detective fiction. From the foggy streets of Victorian London to countless film and television adaptations, his adventures continue to inspire mystery lovers worldwide. The day encourages fans to revisit classic stories, explore new interpretations, and celebrate the enduring legacy of a character who proved that careful observation and deductive thinking can solve even the most puzzling mysteries.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
22 May 2026
A-B

#BAHADUR SHAH ZAFAR

When the Mughal Emperor Imprisoned Delhi's Cows

To imprison cows to prevent violence sounds absurd to modern ears. But in 1857 Delhi, it was a rational response to an irrational situation

In 1857, as rebellion tore through north India, Delhi stood on the edge of total collapse. The East India Company was losing control, mutinous soldiers were flooding the old Mughal capital, and religious tensions simmered dangerously beneath the surface. At the center of this chaos sat an unlikely figure of authority: Bahadur Shah Zafar, the last Mughal emperor.

Eighty-two years old, a poet more than a ruler, Zafar commanded little real power. Yet, in one of the most extraordinary and revealing decisions of the uprising, he ordered Delhi's cows to be rounded up and imprisoned.

A City Ready to Ignite

Rumours were spreading rapidly through the city: Muslims, it was said, were preparing to sacrifice cows. In a city where the cow was sacred to Hindus and religious identity had become sharply politicized, such rumours were lethal. One act of violence, or even the belief that one was imminent, could trigger mass bloodshed.

Zafar understood this. Delhi was already stretched beyond breaking point. The rebellion had brought together Hindu and Muslim soldiers against British rule, but that unity was fragile. Religious violence within the city would not only destroy lives; it would shatter the rebellion from within.

Removing the Spark

Zafar's response was simple, drastic, and deeply symbolic. He ordered Delhi's cows removed from public life altogether. The animals were rounded up and placed under guard, effectively taken out of circulation.

The move was not about livestock management. It was about crowd control, rumour suppression, and religious peacekeeping. If cows could not be accessed, they could not be sacrificed. And if they could not be sacrificed, the rumours lost their power to incite. It was an act of governance born not of strength, but of desperation.

Authority Without Power

By 1857, the Mughal Empire existed largely in memory. Zafar's writ barely extended beyond the walls of Delhi, and even within them, his authority depended on persuasion rather than force. That he could still order such a city-wide action speaks to the lingering moral and symbolic weight of the Mughal throne.

At the same time, the decision exposes how precarious communal harmony had become. Religious identity once fluid and overlapping in Mughal India, was hardening under the pressures of colonial rule, military revolt, and rumour-fueled fear.

A Measure of Fragility

To imprison cows to prevent violence sounds absurd to modern ears. But in 1857 Delhi, it was a rational response to an irrational situation. Zafar was trying to prevent a second catastrophe inside an already unfolding one. The cows became stand-ins for something larger: the fear that the rebellion could turn inward, that neighbours could become enemies, and that the city itself might devour what little unity remained.

Buddhism Began In China With A Han Emperor's Dream

The Sutra of Forty Two Sayings was in most likelihood written by Kashyapa Matanga to explain the basics of Buddhism wherever he preached. Saunders, who studied the text in detail, said that it was more or less an explanation of Theravada principles. It made him wonder: how well monastic teachings that called for detachment would have been received in a country of "filial piety" like China? "But as if to disarm criticism, the Sutra goes on to suggest a sublimated family life; if the monk meets women, he is to treat the young as sisters or daughters, the old as mothers," Saunders said.

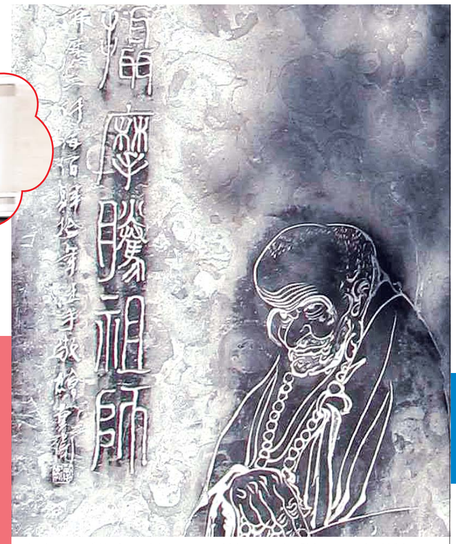

An image of Kashyap Matanga and his name in Chinese at the White Horse Temple in China.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

No cultural or historic sight in China links the great Indian and Chinese civilisations more than the White Horse Temple Complex in Luoyang in the country's Henan province. In 68 CE, during the reign of Emperor Ming of Han or Mingdi, this temple became the first Buddhist house of worship in China. It was also from here that Buddhism spread further to Vietnam, Japan and Korea.

A reminder of the temple complex's kinship with India is an Indian-style Buddhist temple inaugurated by Indian President Pratibha Patil in 2010. "Historically, it has the unique distinction of symbolising an inter-mingling of Indian and Chinese cultures," Patil said.

As per a widely believed legend, the temple's construction as well as the arrival of Buddhism in China began with a dream. In this story, Mingdi, the emperor of the Later Han or Eastern Han Dynasty, dreamt that a golden figure flew over his palace, with the sun and moon behind its head. The next morning, he discussed his dream with his ministers, who suggested it could have been the Buddha.

At that time, it was only the learned men of China who knew of Buddhism, since the message of the Buddha arrived with traders and travellers, while the dominant religion of the country was Confucianism.

"While Gotama was preaching in the Ganges Valley, Confucius and Lao-tse were grafting upon the ancient Chinese stock of Animism, or 'Universism,' their own distinctive teachings," American Buddhist scholar Kenneth Saunders wrote in the University of California, Berkeley's Journal of Religion in 1923. "And while in India and the adjoining countries, the exclusive Theravada Buddhism was being transmuted into the universalist Mahayana, this great parent-stem of Chinese religion was being shaped to receive the new graft."

Saunders believed that Mingdi's dream could not have come out of the blue. "There must have been some basis for the vision in thoughts already in the emperor's mind, and in some Buddhist image or Buddhist teachings already circulating in China," he said. "Indeed, an image is said to have been brought back by an expedition in 121 BC."

After consulting his ministers, Mingdi sent a delegation to India to learn more about Buddhism. Numbering 18, the group set off for India, travelling West and through modern-day Xinjiang. For the three years, it was away from Luoyang, the mission interacted widely with laymen and Buddhist monks.

The White Horse Temple in Luoyang, China.

#HISTORY

Mingdi, born Liu Zhang, became emporer of the later Han or Eastern Han Dynasty at the age of 30.

Perilous journey

It is believed that Mingdi's mission convinced two Indian monks to move to China. One of them was Kashyapa Matanga, who hailed from a Brahmin family in Central India and became well versed in the Mahayana sutras, and the other was the learned Dharmaratna.

Saunders believed that the monks were already missionaries in Central Asia and had tried to spread the word of the Buddha to the Yuezhi people, a nomadic community that lived in modern-day Afghanistan and parts of what is now Pakistan.

Travelling to China with Mingdi's delegation, the two monks took with them a white horse that carried a bundle of Buddhist sutras and images of the Buddha. The journey was long and arduous, taking a lot out of the monks, but it was more than made up for by the grand welcome they received in Luoyang.

"Weary with their long journey, they would enjoy the wide prospect over lake and river, and not far away were mountains dear to the Buddhist heart," Saunders said.

In the year 67 CE, they "settled in the capital, and the one work assigned to them, which has come down to us, was a handbook of moral teaching, which could give no great alarm either to Confucianists or to Taoists, and which might be claimed equally well by Theravada and by Mahayana Buddhists," Saunders said.

"In the Royal Library, they worked," Saunders said, "and their first apologetic is still an honoured classic, a proof of the tact and skill with which they approached the Chinese mind. An early record tells us that 'they concealed their deep learning and did not translate many books,' if they did nothing but give the Chinese this Sutra of Forty Two Sayings, their mission was amply justified."

This Sutra was in most likelihood written by Kashyapa Matanga to explain the basics of Buddhism wherever he preached. Saunders, who studied the text in detail, said that it was more or less an explanation of Theravada principles. It made him wonder: how well monastic teachings that called for detachment would have been received in a country of "filial piety" like China? "But as if to disarm criticism, the Sutra goes on to suggest a sublimated family life; if the monk meets women, he is to treat the young as sisters or daughters, the old as mothers," Saunders said.

According to a widely accepted story, within a year of the monks' arrival in Luoyang, Mingdi had the Temple of the White Horse built in the memory of the horse that accompanied the missionaries.

To be sure, there are some scholars who dispute this account. "We were puzzled by the fact that a Buddhist temple should be named after a white horse, a symbol that had no relation to ancient Buddhism in India," Godfrey Liu and William Wang wrote in the Chinese Journal of Linguistics in 1996.

They argued that the name of the temple came from the Sanskrit word for lotus (*padma*), adding that the Chinese word *bai ma* (white horse) was originally a transcription and the symbol of the white horse came about as a result of "folk etymology." Liu and Wang added, "This is a process whereby an expression in a source language X, being semantically opaque in a target language Y, gets associated with a phonetically similar expression in Y, which has a different meaning."

The explanation offered by Liu and Wang is quite possible. The lotus is an important symbol in Buddhism, and several older temples in China and other parts of Asia are named after the flower. Still, whatever the origins of the temple name, it is the story of the white horse that is accepted by most pilgrims and the temple management.

Finding respect

The white horse's companions on the journey did not live long. Chinese historians largely agree that Kashyapa Matanga, who was called Jia Yemoteng in Chinese, passed away in 73 CE. Dharmaratna, called Zhu Falan in Chinese, probably died a few years later.

"The two pioneers did not long survive their arrival at the capital, but they left a tradition of sound scholarship and earnest work, and their Monastery of the White Horse became the model for many of its successors," Saunders said. ""Toil on as the ox plods through deep mire, his eye fixed on the goals that lie ahead.' In these words of their Sutra, we may find perhaps an echo of their resolute endeavour, and their fitting epitaph."

Both Indian monks were buried in the White Horse complex, a rare honour for clergymen in China. Centuries later, the great scholar and traveller Xuan Zang, who returned to China after an epic India visit (629-645 CE), became the abbot of the White Horse temple.

After the death of Kasyapa Matanga and Dharmaratna, many other monks from India and Afghanistan began to undertake the arduous journey to Luoyang.

"Indian monks were no doubt motivated to travel to China, inspite of the difficulties of their journeys and the slim likelihood of ever returning to their homeland, because of the respect and warmth with which they were received in China," Madhavi Thampi, who taught Chinese history at Delhi University for 35 years, wrote in her book *Indians in China 1800-1949*. "From all accounts, the Indian missionaries to China were highly appreciated by their patrons, the Chinese emperors and princes, as well as other sections of society."

Indian Buddhist monks were regular travellers on the ancient Silk Road until the end of the 11th century, after which the decline of Buddhism in India was complete. As KM Panikkar, the writer-diplomat who served as independent India's first ambassador to China, pointed out: this millennium of contact between the two countries, that was facilitated by Buddhist missionaries, was one of the most important occurrences in Asian history.

rajeshsharma1049@gmail.com

An Indian style Buddhist temple in Luyang.

#TRANSPORTED

WHY ALFRED HITCHCOCK MOVIES GRAB EYES

"Many people have a feeling that we get lost in the story while watching a good movie and that the theater disappears around us."

The movies of Alfred Hitchcock have made palms sweat and pulses race for more than 65 years. Scientists now tell us why he grabs our attention. They explain how the Master of Suspense affects audience's brains.

Researchers measured brain activity while people watched clips from Hitchcock and other suspenseful films. During high suspense moments, the brain narrows what people see and focuses attention on the story. During less suspenseful moments, viewers devote more attention to their surroundings.

"Many people have a feeling that we get lost in the story while watching a good movie and that the theater disappears around us," says Matt Bezdek, a postdoctoral psychology researcher at Georgia Institute of Technology who led the study. "Now, we have brain evidence to support the idea that people are figuratively transported into the narrative."

They call it 'tunnel vision.' For the study, published in the journal Neuroscience, participants lay in an MRI machine and watched scenes from 10 suspenseful movies, including Hitchcock's *North by Northwest* and *The Man Who Knew Too Much*. As the movies played in the center of the screen, a flashing checker board pattern appeared around the edges.

There was an ebb and flow of brain activity in the calcarine sucus: the first brain area to receive and process most visual information. When the suspense grew, brain activity in the peripheral visual processing areas of the calcarine sulcus decreased and activity in the central processing areas increased. For example, during the famous North by Northwest scene, the brain narrowed its visual focus as the airplane bore down on Cary Grant. When he hid in the cornfield and suspense decreased, the neural activity reversed course and attention broadened.

Essentially, when suspense is the greatest, our brains shift in the calcarine sulcus to increase processing of critical information and ignore the visual content that doesn't matter. "It's neural signature of tunnel vision," says Eric Schumacher, associate professor of psychology. "During the most suspenseful moments, participants focused on the movie and subconsciously ignored the checker boards. The brain narrowed the participants' attention, steering them to the center of the screen and into the story."

The checker board pattern was used because neurons in the calcarine sulcus are typically attacked to that type of movement. By presenting the checker boards at all times, researchers tested the idea that suspense temporarily suppresses the neuron's usual response.

The calcarine sulcus wasn't the only part of the brain sensitivity to changes in suspense. The same was true for areas involved in higher-order visual areas involved in grouping objects together based on their colour and how they're moving.

What is the consequence of increasing processing during moments of high suspense? The researchers have additional research suggesting that it also leads to increased memory of story-related information.

THE WALL

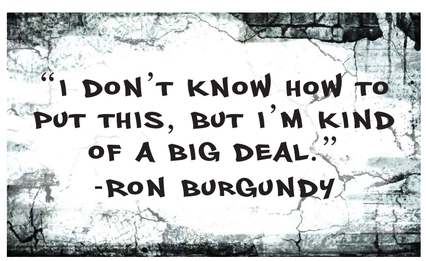

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

चोरी की जांच के लिए पुलिस तांत्रिक की शरण में पहुंची, हाईकोर्ट ने फटकार लगाई

हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि आपराधिक मामले की जांच किसी तांत्रिक के बताए गए इशारों पर नहीं चल सकती

- आदेश की प्रति मिलने के 15 दिन के भीतर जांच श्रीबालाजी थाने से हटाकर किसी अन्य थाने के सब-इंस्पेक्टर या उससे ऊंची रैंक के अधिकारी को सौंपी जाए - हाईकोर्ट

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर मुख्यपीठ ने नागौर जिले के श्रीबालाजी थाने से जुड़े गहने चोरी के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि आपराधिक मामले की जांच किसी तांत्रिक के बताए गए इशारों पर नहीं चल सकती। जस्टिस मुन्नुरी लक्ष्मण की सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता खेमी देवी (80) की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए नागौर एसपी को जांच अधिकारी बदलने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आदेश की प्रति मिलने के 15 दिन के भीतर जांच श्रीबालाजी थाने से हटाकर किसी अन्य थाने के सब-इंस्पेक्टर या उससे ऊंची रैंक के अधिकारी को सौंपी जाए।

जानकारी के अनुसार जांच अधिकारी पर इन्वेस्टिगेशन के लिए तांत्रिक की मदद लेने का आरोप है। नागौर जिले के श्रीबालाजी नगर स्थित उटवालिया निवासी खेमी देवी पत्नी भेराराम ने श्रीबालाजी थाने में 8 मार्च 2026 को एफ आई आर दर्ज करवाई थी। इस रिपोर्ट में बताया था कि 7 मार्च की रात को घर से उनके और उनकी बहू के सोने-चांदी के गहने चोरी हो गए। इनमें डेढ़ तोला सोना, 300 तोला चांदी और 24 हजार कैश सहित करीब 12 लाख से ज्यादा कीमत का माल चोरी हुआ था। एफ आई आर दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने जांच अधिकारी हैड कॉन्स्टेबल रतिराम को चोरी में शामिल कुछ संदिग्ध लोगों के नाम भी दिए थे, लेकिन पुलिस न तो आरोपियों को ट्रेस कर पाई और न ही चोरी हुए जेवर बरामद कर सकी। इसके बाद खेमी देवी की ओर से 8 मई को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। जांच अधिकारी पर आरोप है कि उसने इन्वेस्टिगेशन को तांत्रिक के इशारे पर आगे बढ़ाया।

याचिकाकर्ता के वकील मनोहर सिंह राठौड़ ने कोर्ट को बताया कि जांच अधिकारी रतिराम ने सबूत जुटाने की बजाय अंधविश्वास का सहारा लिया। आरोप है कि जांच अधिकारी चोरी का सुराग लगाने के लिए याचिकाकर्ता की बहू के पिता और गांव के कुछ अन्य बुजुर्गों को अलवर जिले में रहने वाले एक तांत्रिक के पास ले गया। वकील ने बताया कि तांत्रिक ने इशारा किया कि चोरी में खुद बहू का पिता ही शामिल है। तांत्रिक के इशारे के बाद पुलिस ने बिना कोई सबूत जुटाए बहू के पिता को ही संदिग्ध मान लिया। उसी आधार पर जांच को आगे बढ़ाया और बहू के पिता को फंसाने की कोशिश करने लगी।

दूसरी ओर, राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक विक्रम सिंह राजपुरोहित ने नागौर एसपी से मिली स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में पेश की। उन्होंने बचाव करते हुए कहा कि जांच अधिकारी ने सभी संदिग्धों से पूछताछ की है और कई जगहों पर गया है। स्टेटस रिपोर्ट के हवाले से उन्होंने स्वीकार किया कि जांच अधिकारी अलवर जिले में उस जगह भी गया था, जहां तांत्रिक रहता है। हालांकि उन्होंने इस बात से इनकार किया कि अधिकारी ग्रामीणों को अपने साथ वहां ले गया था।

कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और सरकारी स्टेटस रिपोर्ट देखने के बाद पाया कि जांच अधिकारी के अलवर में उस तांत्रिक के स्थान पर जाने की पूरी संभावना है। जस्टिस मुन्नुरी लक्ष्मण ने कहा कि किसी भी सूरत में मामले की जांच को किसी तांत्रिक के इशारे पर आधारित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच अधिकारी वहां गया था, इसलिए इस बात की आशंका है कि यह पूरी जांच तांत्रिक की राय से दूषित और प्रभावित हो चुकी है। कोर्ट ने कहा कि मामले में असल आरोपियों की पहचान के लिए तांत्रिक के प्रभाव से मुक्त होकर स्वतंत्र जांच होना जरूरी है। इन्हीं आधारों पर अदालत ने वर्तमान जांच अधिकारी को हटाने का अंतिम आदेश दिया है।

22 दिन से बिजली नहीं आने से परेशान ग्रामीण धरने पर बैठे

- निवाई उपखण्ड क्षैत्र की रानोली ग्राम पंचायत स्थित मोग्या ढाणी का मामला
- ग्रामीणों ने बिजली चालू नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है

टोंक, (निसं)। निवाई उपखण्ड क्षैत्र की रानोली ग्राम पंचायत स्थित मोग्या ढाणी में 22 दिन से बिजली बंद होने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने रानोली उपतहसील कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने बताया कि 29 अप्रैल को आई आंधी से ट्रांसफार्मर पोल समेत उखड़ गया था, जिसके बाद ढ ाणी में बिजली बन्द हो गई थी, जिसे लेकर शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद सभी ग्रामीण उप तहसील ऑफिस पहुंचे और धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने बिजली चालू नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों ने कई बार पीपलू बिजली निगम कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिए, टोल फ्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई तथा अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से भी गुहार लगाई, लेकिन अब तक बिजली बहाल नहीं हो सकी। करीब तीन महीने पहले ही ढाणी में बड़ी मुश्किल से बिजली कनेक्शन हुए थे, बिजली आने से लोगों में खुशी थी, लेकिन आंधी में ट्रांसफार्मर गिरने से फिर अंधेरा छा गया। कई बार शिकायतों के बावजूद बिजली निगम ने समस्या का समाधान नहीं किया। जिसके बाद ग्रामीणों सोमवार को भी वे उपतहसील कार्यालय पहुंचे थे। उस दौरान नायब तहसीलदार राजेश चौधरी ने बिजली निगम के अधिकारियों से बात कर उसी दिन बिजली चालू कराने का आश्वासन दिया था। आश्वासन के बाद ग्रामीण वापस लौट गए, लेकिन चार दिन बाद भी बिजली बहाल नहीं हुई।

अजमेर के सूने मकान में चोरी

अजमेर, (निसं)। शहर के क्लॉक टावर थाना क्षेत्र स्थित तोपदड़ा इलाके में माथुर के भट्टे के पास स्थित एक मकान में अज्ञात चोरों ने अलसुबह चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर मकान से सोने-चांदी के जेवरात, करीब 40 हजार रुपये की नकदी तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार चोर देर रात या अलसुबह मकान में घुसे और घर में रखी अलमारी तथा अन्य सामान को खंगालकर जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए। सुबह परिवार के लोगों को घटना की जानकारी मिलने पर हड़कंप मच गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया, जहां टीम नें घटनास्थल से साक्ष्य जुटाये हैं। सूचना मिलने पर क्लॉक टावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने घर और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों का सुराग लगाया जा सके। पुलिस के अनुसार पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लगी, परिवार के 15 लोग झुलसे

घर के अंदर और बाहर बैठे बच्चे और बुजुर्ग आग की लपटों में घिर गए

- थानागाजी (टहला) क्षेत्र के दाता खोदरी (खोहरीबा) गांव में बंजारा परिवार कच्चे कमरे और पास ही बनी झोपड़ी में हादसा हुआ
- सिलेंडर से गैस का तेजी से रिसाव शुरू हो गया, जैसे ही गैस जलाने के लिए माचिस की तीली जलाई तो आग लग गई

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के थानागाजी (टहला) क्षेत्र के दाता खोदरी (खोहरीबा) गांव में गुरुवार सुबह एक हादसा हो गया। यहां एक कच्चे घर में खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर लीक होने के बाद आग लग गई। इस भीषण आग में एक ही परिवार के 15 से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए।

जानकारी के अनुसार थानागाजी (टहला) क्षेत्र के दाता खोदरी (खोहरीबा) गांव में यह दर्दनाक हादसा गुरुवार सुबह करीब दस बजे राधेश्याम बंजारा के घर पर हुआ। रोज़ाना की तरह सुबह बंजारा परिवार के लोग घर के कच्चे कमरे और पास ही बनी झोपड़ी में मौजूद थे। परिवार की महिलाएं रसोई में खाना बनाने के लिए अंदर थी, जबकि कुछ लोग पास में ही बैठकर खाना खाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर से गैस का तेजी से रिसाव (लीक) शुरू हो गया। जैसे ही गैस जलाने के लिए माचिस की तीली जलाई तो आग लग गई। जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक गैस ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते कुछ ही सेकंड में आग पास की झोपड़ी में फैल गई। आग लगाने की आवाज सुनकर पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घर के अंदर और बाहर बैठे मासूम बच्चे और बुजुर्ग आग की लपटों में घिर गए। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। गांव वाले तुरंत मौके की तरफ दौड़े और मिट्टी-पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। ग्रामीणों ने मुस्तैदी दिखाते हुए आग में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और टहला थाना पुलिस को भी सूचित किया गया।

गंगनहर में मरी हुई मुर्गियां आईं, पानी दूषित हुआ

श्रीगंगानगर, (निसं)। गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे जिले में प्रशासन स्वच्छ पानी मुहैया कराने के बड़े-बड़े दावे कर रहा है, लेकिन नहर में मुर्गियां बहती नजर आईं। सुबह से शाम तक यह सिलसिला जारी रहा। किसानों का कहना है कि इससे पानी पूरी तरह दूषित हो चुका है। ऐसा पानी पीने लायक भी नहीं रह गया है। कुछ किसानों ने जब नहर में मृत मुर्गियां देखीं तो आस-पास के किसान मौके पर जमा हो गए। किसान नेता अमर सिंह बिश्नोई ने तुरंत एडीएम को सूचना दी, लेकिन सूचना मिलने के बावजूद कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

किसान नेता अमर सिंह बिश्नोई ने बताया कि साधुवाली से खक्खा हैड तक इस पूरे क्षेत्र में कोई पोल्ट्री फार्म नहीं है। साफ है कि ये मरी हुई मुर्गियां पंजाब के किसी पोल्ट्री फार्म से नहर में फेंकी गई हैं। पंजाब में भारी संख्या में मुर्गियों की मौत के बाद फार्म संचालक ने उन्हें बोरियों में भरकर गंगनहर में फेंक दिया। मुर्गियां कालूवाला हैड से गुजरकर आगे बढ़ गई। किसानों का कहना है कि जिस तादाद में मुर्गियां पानी में बहकर आई हैं।

बांसवाड़ा-डूंगरपुर यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क पर आम खरीदे और आमजन के साथ इनका स्वाद लिया तो नजारा ही बदला हुआ नजर आया। मुख्यमंत्री के हाथों से आम पाकर हर कोई खास हो गया। बच्चों के चेहरों पर छायी मुस्कानों ने मानों मुख्यमंत्री की सादगी और अपनत्व का मिठास ही अलग घोल दिया। गौरतलब है कि वागड़ क्षेत्र के आम प्राचीनकाल से देश और दुनिया में अपने स्वाद की धाक जमाते आये हैं।

उदयपुर में जमीन के विवाद में भाइयों में झगड़ा, छह लोग घायल

- घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद कुछ घायलों को उदयपुर रेफर किया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में जमीन विवाद को लेकर भाइयों ने एक दूसरे पर लाठी और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में छह लोग घायल हो गए, जबकि झगड़े में बीच-बचाव करने आया एक पड़ोसी भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार घटना झाड़ोल थाना क्षेत्र के गोराणा गांव के गोडवा फला की है। गुरुवार सुबह खेत में मेड़ बनाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। पहले कहासुनी हुई, फिर कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। पड़ोसी भी गंभीर रूप से घायल हो गया। पहले कहासुनी हुई, फिर कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। सूचना पर झाड़ोल पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को पुलिस जीप और निजी वाहनों से झाड़ोल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल मोहनलाल, हीरालाल, टीपू बाई और गोपी बाई को उदयपुर रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

थानाधिकारी फेलीराम ने बताया कि ज़मीनी विवाद को लेकर दो भाइयों और उनके परिवार में आपस में मारपीट हुई है। घायलों का इलाज जारी है। लिखित रिपोर्ट मिलने पर कानूनी कार्रवाई शुरू की।

जानकारी के अनुसार, बड़े भाई भंवर लाल पिता केशुलाल तेली का छोटे भाई मोहनलाल पिता केशुलाल तेली के बीच खेत को लेकर कई सालों से विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले भी इनके बीच झगड़ा हुआ था। तब भी मामला झाड़ोल थाने तक पहुंचा था।पुलिस ने दोनों को समझाइश कर मामला शांत कराया था। आज सुबह खेत पर मेड़ बनाते समय दोनों भाइयों में कहासुनी हो गई। बात बढ़ी तो दोनों में मारपीट शुरू हो गई। दोनों भाइयों का परिवार भी मौके पर पहुंचा और दोनों परिवारों के बीच लठ्ठ और कुल्हाड़ी से हमले हुए। घटना में भंवरलाल (65), उसकी पत्नी टीपू बाई (61), बेटा हीरालाल (30) घायल हो गए। वहीं, दूसरे परिवार में भाई मोहनलाल (63) और उसकी पत्नी गोपी बाई (60) घायल हो गए। वहीं, बीच बचाव करने आया पड़ोसी नरेश पिता केशुलाल कसौटियां (22) निवासी चांगला भी घायल हो गया। सूचना पर झाड़ोल पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया।

दस्तावेज सत्यापन 25 और 26 मई को

अजमेर, (निसं)। रेलवे भर्ती बोर्ड अजमेर ने एनटीपीसी स्नातक भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सकीय जांच का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बोर्ड द्वारा 25 और 26 मई को कुल 102 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया है। दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया नेहरू मार्ग स्थित अंबेडकर सर्किल के पास रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर सभी मूल दस्तावेजों एवं उनकी दो-दो प्रतियों के साथ उपस्थित होना होगा। कार्यक्रम के अनुसार 25 मई को सुबह 9 बजे से 43 अभ्यर्थियों का एक चरण में दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा। वहीं 26 मई को सुबह 9 बजे से 59 अभ्यर्थियों का सत्यापन दो चरणों में संपन्न होगा। बोर्ड के अनुसार दस्तावेज सत्यापन के बाद अभ्यर्थियों की चिकित्सकीय जांच अगले दिन रेलवे अस्पतालों में कराई जाएगी।

खेतड़ी तहसील कार्यालय के सामने पुराने पेड़ों की कटाई से आक्रोश

- ग्रामीणों का कहना है कि इन पेड़ों से वर्षों से लोगों को छाया और पर्यावरणीय संतुलन का लाभ मिल रहा था, लेकिन बिना किसी ठोस कारण के इन्हें काट दिया गया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी तहसील कार्यालय के सामने वर्षों पुराने पेड़ों की कटाई किए जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। पेड़ काटने की सूचना पर गुरूवार को काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए तथा धरना देकर विरोध जताया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक पुराने छायादार पेड़ों को काट दिया गया, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। ग्रामीणों का कहना है कि इन पेड़ों से वर्षों से लोगों को छाया और पर्यावरणीय संतुलन का लाभ मिल रहा था, लेकिन बिना किसी ठोस कारण के इन्हें काट दिया गया।

घटना के विरोध में ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पेड़ काटने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों ने कहा कि लगातार बढ़ते तापमान और पर्यावरण संकट के दौर में पेड़ों की कटाई बेहद चिंताजनक है। इससे क्षेत्र के पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ आमजन को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पर्यावरण प्रेमी गोपाल कृष्ण ने बताया कि वह पिछले काफी समय से सरकारी संस्थाओं में पेड़ लगाकर उनका पालन-पोषण करते हैं तथा कुछ लोग अपने निजी फायदे के लिए पेड़ों की कटाई कर रहे हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धरने के दौरान लोगों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही कटे हुए पेड़ों के स्थान पर नए पौधे लगाने और हरियाली बचाने के लिए ठोस कदम उठाने की भी मांग की गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

घटना की सूचना पर तहसीलदार सुनील कुमार मील, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन प्रणव कुमार मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर गोपाल कृष्ण, पारस वर्मा, डॉ. रामकुमार सिराधना, डॉ. राघवेंद्र पाल, पवन कुमार, दिनेश कुमार, बलवीर सैनी, मोहनलाल कुमावत, पवन शर्मा, मंजीत जलंद्रा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

बाडमेर के गिरल लिग्नाइट माइंस पर श्रमिकों और ग्रामीणों का धरना जारी

बाडमेर, (कासं)। जिले के गिरल लिग्नाइट माइंस में स्थानीय श्रमिकों, ड्राइवरों और ग्रामीणों का आंदोलन अब लगातार 40 दिनों से अधिक समय से जारी है। वहीं शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी का धरना भी 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है।

भीषण गर्मी, कठिन परिस्थितियों और लगातार जारी संघर्ष के बावजूद विधायक भाटी लगातार धरनास्थल पर डटे हुए हैं और श्रमिकों के साथ मिलकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। धरनास्थल पर लगातार बढ़ती भीड़ और प्रदेशभर से मिल रहे समर्थन के बीच अब यह आंदोलन केवल मजदूरों की मांगों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि स्थानीय अधिकारों, रोजगार सुरक्षा, श्रमिक सम्मान और प्रशासनिक जवाबदेही का बड़ा जनआंदोलन बनता जा रहा है। धरनास्थल को संबोधित करते हुए शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि जब तक श्रमिकों और ग्रामीणों की वाजिब मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक वे आंदोलनकारियों के बीच ही डटे रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल मजदूरों की नौकरी की नहीं, बल्कि उनके सम्मान, अधिकार और भविष्य की लड़ाई है। पिछले 40 दिनों से मजदूर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर बैठे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला। जब तक इन लोगों की मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक मैं भी धरनास्थल नहीं छोड़ूंगा। भाटी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मजदूरों और स्थानीय लोगों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने धरनास्थल से ही जनसुनवाई शुरू की।

उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं को दबाया गया और उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया। गिरल आंदोलन के बीच शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने अब धरनास्थल पर ही जनसुनवाई शुरू कर दी है।

गुरुवार को बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग अपनी विभिन्न समस्याओं और मामलों को लेकर धरनास्थल पहुंचे, जहां विधायक भाटी ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, जनता ने मुझे केवल विधानसभा में बैठने के लिए नहीं चुना, बल्कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए चुना है। मैं धरनास्थल पर हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि क्षेत्र की बाकी समस्याओं को नजरअंदाज किया जाएगा। मैं यहां रहते हुए भी अपने विधायक होने के सभी दायित्व पूरे करूंगा।

हादसे में बाइक सवार युवक मौत

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं-सोनासर मार्ग पर गुरुवार दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया। इशरपुरा के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनासर निवासी 24 वर्षीय मनोज सोनी पुत्र लालचंद सोनी के रूप में हुई है। हादसे के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे मनोज अपने माता-पिता और भाई के साथ किसी काम से झुंझुनूं आने वाला था। परिवार के चार सदस्य एक ही मोटरसाइकिल पर सुरक्षित सफर नहीं कर सकते थे। ऐसे में मनोज ने जिम्मेदारी निभाते हुए माता-पिता और भाई को बस में बैठाकर रवाना किया और खुद पीछे से बाइक लेकर झुंझुनूं के लिए निकल पड़ा। जैसे ही मनोज इशरपुरा के पास पहुंचा, सामने से तेज गति में आ रही बोलेरो ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनोज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि मनोज अविवाहित था।

अजमेर के रात्या गांव में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष

कैम्पर गाड़ियों में आए 50-60 बदमाशों ने तलवार और लाठियों से हमला किया, कई लोग घायल

अजमेर, (निसं)। अजमेर जिले के सावर थाना क्षेत्र के रात्या गांव में गुरुवार सुबह जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। खेत पर तारबंदी के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

जानकारी के अनुसार एक पक्ष खेत पर तारबंदी का कार्य कर रहा था। इसी दौरान कैम्पर गाड़ियों में सवार होकर पहुंचे करीब 50 से 60 लोगों ने अचानक हमला बोल दिया। हमलावरों के हाथों में तलवारें, लाठियां और धारदार हथियार थे। हमले में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने किसी तरह जान बचाकर मौके से भागकर स्वयं को सुरक्षित किया। सूचना मिलने पर सावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है तथा हमलावरों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

हमले में हुये घायलों का अस्पताल में उपचार कराया गया।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन प्रवेश शुरू

कोटपूतली। यहां के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में शैक्षिणक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक प्रथम सेमेस्टर की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। प्राचार्य प्रो. आर.के. सिंह ने बताया कि बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. (गणित व जीव विज्ञान), और नए शुरू हुए कोर्स में ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 22 मई तय की गई है। इसके बाद लेट फीस के साथ भी फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। प्राचार्य ने बताया कि कॉलेज में इसी सत्र (2026-27) से कोर्स की शुरुआत की जा रही है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को मैनेजमेंट, बिजनेस, बैंकिंग, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट सेक्टर में रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करेगा। वहीं पिछले सत्र से चल रहे कोर्स के अंतिम वर्ष में छात्रों को 12 हजार प्रतिमाह स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की सुविधा भी मिलेगी। नोडल अधिकारी डॉ. देशराज यादव ने बताया कि आवेदन फॉर्म भरने के लिए फिलहाल टी.सी. (स्थानांतरण प्रमाण पत्र) की जरूरत नहीं है। सभी मूल दस्तावेज प्रवेश के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय जमा कराने होंगे। इसके साथ ही राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के छात्रों को फॉर्म भरते समय अंकतालिका अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है; वे केवल अपने रोल नंबर की मदद से आवेदन कर सकते हैं। जाति प्रमाण पत्र और जरूरी दस्तावेज आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए यह ध्यान रखना जरूरी है कि उनका जाति प्रमाण पत्र 03 वर्ष से अधिक पुराना नहीं होना चाहिए।

जनसुनवाई में बार-बार पहुंचने वाले परिवादियों के मामलों की मौके पर जांच के निर्देश

'पात्र व्यक्ति को खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित नहीं रखा जाए'

दौसा (निसं.)। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में गुरुवार को जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने विभिन्न प्रकरणों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पात्र व्यक्ति को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जाए तथा लंबित मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जनसुनवाई में रास्तों से अतिक्रमण हटाने, भूमि संबंधी विवादों के निस्तारण, सीमा ज्ञान करवाने, बिजली कनेक्शन दिलवाने, पेयजल समस्याओं के समाधान, पेंशन शुरू करवाने, खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ दिलाने, सिलिकोसिस कार्ड बनवाने तथा दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करवाने सहित अन्य समस्याओं से जुड़े प्रकरण प्रस्तुत किए गए। जिला कलेक्टर ने इन प्रकरणों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों से चर्चा की और निर्देश दिए कि जो प्रकरण नियमानुसार तत्काल निस्तारित किए जा सकते हैं, उनका शीघ्र समाधान कर परिवादियों को राहत प्रदान की जाए। उन्होंने उपखंड अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए कि जो परिवादी बार-बार जनसुनवाई में पहुंच रहे हैं, ऐसे मामलों में स्वयं मौके

जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने विभिन्न प्रकरणों की गंभीरता से सुना।

की स्थिति का अवलोकन कर तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त करें और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई प्रकरण नियमानुसार किया जाना संभव नहीं हो तो परिवादी को स्पष्ट रूप से कारणों से अवगत कराया जाए। साथ ही यदि अधीनस्थ कार्मिकों की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही बरती गई हो तो उसके संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई करते हुए परिवादी को राहत प्रदान की जाए। जिला कलक्टर ने अतिक्रमण हटाने से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए उपखंड अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां पुलिस जाप्ते की आवश्यकता महसूस हो, ऐसे स्थानों को चिन्हित कर जिला स्तर पर भिजवाया जाए, ताकि पुलिस अधीक्षक के माध्यम से आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा सके।

शर्तों का पालन नहीं करने वाली प्लेसमेंट एजेंसी का प्रकरण श्रम विभाग को भेजें : बांदीकुई पंचायत समिति क्षेत्र में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को वेतन नहीं मिलने के मामले को भी जिला कलक्टर ने गंभीरता से लिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े पंचायत समिति विकास अधिकारी से तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त की तथा निर्देश दिए कि यदि कोई प्लेसमेंट एजेंसी अपनी शर्तों एवं दायित्वों का पालन नहीं करती है तो ऐसे प्रकरण श्रम विभाग को भी भेजे जाएं, ताकि नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा सके। साथ ही संबंधित कार्मिकों को वेतन दिलाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

खाद्य सुरक्षा योजना में नए आवेदन के लिए पोर्टल पुनः चालू हुआ : राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जुड़वाने के मामलों पर जिला कलक्टर ने जिला रसद अधिकारी एवं संबंधित उपखंड अधिकारियों से चर्चा की। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल पूर्व में बंद था, जिसे अब पुनः चालू कर दिया गया है और पात्र आवेदक अब आवेदन कर सकते हैं। इस पर जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि किसी भी पात्र व्यक्ति को खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित नहीं रखा जाए तथा अपात्र व्यक्तियों को स्पष्ट रूप से कारणों से अवगत कराया जाए। जनसुनवाई में अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा अरविंद शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, नगर सुधार न्यास सचिव मूलचंद लूनिया, उपखंड अधिकारी दौसा संजू मीणा सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी एवं अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

■ जनसुनवाई में रास्तों से अतिक्रमण हटाने, भूमि संबंधी विवादों के निस्तारण आदि पर दिशा निर्देश दिए

सार-समाचार

छात्रा वैष्णवी शर्मा ने ओलंपियाड में की जीत हांसिल

कोटपूतली । प्रतियोगिता व शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी ऑरेंज एज्युकेशन संस्था की ओर से आयोजित ऑरेंज ग्लोबल ओलंपियाड परीक्षा में दिल्ली पब्लिक वर्ल्ड स्कूल की कक्षा 09 वीं की छात्रा वैष्णवी शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करके क्षेत्र एवं विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य शिल्पा सिंह ने बताया कि फरवरी 2026 में यह परीक्षा आयोजित हुई थी। जिनमें छात्रा वैष्णवी शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन दिखाया। जिसके बाद संस्था की ओर से दिल्ली स्थित चिन्मय गार्डन में आयोजित समारोह में छात्रा को मैमंटो, प्रमाण पत्र व 11 हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर साईबर विषय में आयोजित हुई इस परीक्षा में देश भर के हजारो बच्चों ने हिस्सा लिया था। स्कूल मैनेजमेंट के अंकुर गुप्ता, विष्णु मित्तल, आनंद मित्तल ने कहा कि प्रतिभाये राष्ट्र का गौरव होती है। इसलिए प्रतिभाओं का सम्मान समय-समय पर होना जरूरी है। प्रधानाचार्य शिल्पा सिंह ने कहा कि बच्चों को उनकी प्रतिभा को सामने लाने के लिए उचित मंच उपलब्ध करवाया जा रहा है, ताकि प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने का अवसर मिल सके। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने छात्रा वैष्णवी शर्मा को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 89 का चयन

सांभरझील, (निसं)। यहां रामगोपाल गोयल टाटी की पुण्य स्मृति में झूलेलाल मंदिर परिसर में टाटी परिवार के सानिध्य में एक दिवसीय मोतियाबिंद की निशुल्क जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की देखरेख का जिम्मा महेश कुमार गोयल, रामनारायण, सुरेश कुमार व राजेश कुमार गोयल ने संभाला तथा व्यवस्था को अंजाम दिया। आयोजक दीपक गोयल टाटी व नरेश आहूजा का कहना है कि समाज सेवा और जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह शिविर प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को आयोजित किया जाता है। शिविर में कुल 189 मरीजों की निशुल्क आंखों की जांच की गई, जिनमें से 89 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। निजी हॉस्पिटल जयपुर की 10 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम ने आधुनिक उपकरणों के माध्यम से मरीजों की आंखों की जांच की। जांच के बाद आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। 39 जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क चश्मे भी प्रदान किए गए। मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए 89 मरीजों का चयन लैंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन के लिए किया गया। इन मरीजों को विशेष बस के माध्यम से जयपुर स्थित अस्पताल भेजा गया है, जहां उनका निशुल्क ऑपरेशन और उपचार किया जाएगा। मरीजों ने आयोजकों और चिकित्सकों की इस पहल की सराहना की, उन्होंने ऐसे शिविरों को क्षेत्रों के लोगों के लिए बेहद फायदेमंद बताया। शिविर की व्यवस्थाओं में कन्हैयालाल सोढ़ी, मोतीलाल ब्राह्मण, प्रदीप गांधी, दामोदर मुखिया, कैलाश शर्मा, भोजराज तंवर, रामरतन अग्रवाल, अशोक गांधी, सोहन व तनु चावला, मोहम्मद गफ्फार सहित अनेक ने अपना सहयोग व योगदान दिया।

पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की

कोटपूतली । कोटपूतली-बहरोड़ जिला प्रशासन द्वारा भीषण गर्मी के दौरान पशु-पक्षियों के संरक्षण एवं जीव-दया की भावना को ध्यान में रखते हुए जिलेभर में दाना एवं पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। बढ़ते तापमान के कारण पशु-पक्षियों के सामने चारे व दाना एवं जल का गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा है, जिससे अनेक जीवों के जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता द्वारा जारी निर्देशों में समस्त विभागाध्यक्षों, उपखंड अधिकारियों, नगर परिषद, पंचायत समितियों एवं नगरपालिकाओं को अपने-अपने क्षेत्रों में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया है। निर्देशों के अनुसार सभी राजकीय कार्यालयों, विद्यालयों, चिकित्सालयों, ठााम पंचायत भवनों एवं सार्वजनिक पार्कों में छायादार स्थानों पर मिट्टी के परिंडे बांधने तथा बेसहारा पशुओं के लिए पानी की खेलियों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इन परिंडों एवं खेलियों में प्रतिदिन स्वच्छ जल भरने की जिम्मेदारी स्थानीय स्तर पर तय करने को कहा गया है। जिला प्रशासन ने सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापार मंडलों, धार्मिक ट्रस्टों एवं लायंस/रोटरी क्लबों से भी इस पुनीत कार्य में सक्रिय सहयोग की अपील की है। इसके अतिरिक्त आमजन को एक मुट्ठी दाना, एक कटोरा पानी अभियान से जोड़ते हुए अपने घरों की छतों, बालकनियों एवं आंगन में प्रतिदिन पक्षियों के लिए दाना एवं पानी रखने का संदेश दिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को अपने क्षेत्र में की गई कार्यवाही, चिन्हित स्थानों एवं लगाए गए परिंडों की संख्या की रिपोर्ट निर्धारित समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

'सीएम की मंशानुरूप बृज चौरासी कोस परिक्रमा में हों उत्कृष्ट व्यवस्थाएं'

डीग भरतपुर (निस)। गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने गुरुवार को डीग पंचायत समिति के सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर पुरुषोत्तम मास में आयोजित हो रही पावन बृज चौरासी कोस परिक्रमा की तैयारियों का जायजा लिया।

बैठक में जिला कलेक्टर मयंक मनीष सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में गृहराज्य मंत्री बेढ़म ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि परिक्रमा में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन संवेदनशीलता और समन्वय के साथ कार्य करे। उन्होंने परिक्रमा मार्ग पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, शुद्ध पेयजल, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं तथा श्रद्धालुओं के ठहराव हेतु उपयुक्त आश्रय स्थलों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

भीषण गर्मी को देखते हुए विश्राम स्थलों पर कूलर एवं अन्य राहत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने सभी प्रमुख पड़ावों और विश्राम स्थलों के बाहर प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः निषिद्ध है संबंधी सूचक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। साथ ही भंडारों एवं विश्राम स्थलों पर गैस सिलेंडरों की सुरक्षित आपूर्ति तथा लीकेज जांच सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा।

हनुतिया में पेयजल संकट

निवाई। गांव हनुतिया में पेयजल की समस्या गहरा गई है जिससे महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नर्मदा सिंह, इंदिरा खाती, अनोख शर्मा, सविता कंवर, प्रेम कंवर, माया कंवर, संतोष खाती, मनोज कंवर, नाथी खाती व रिंकू कंवर सहित कई महिलाओं ने बताया कि गांव में बीसलपुर परियोजना के तहत लगाए गए पॉइंट क्षितठास्त हो रखे हैं।

पीने के पानी की व्यवस्था के लिए अस्थाई रूप से मुख्य रास्ते से गुजर रही पेयजल पाइप लाइन से प्लास्टिक का पाइप रोड पर निकाल रखा है। जिससे गांव की सैकड़ो महिलाएं पानी भरने के लिए सुबह 5 बजे उठकर नल पर आकर बैठ जाती है और अपनी बारी का इंतजार करती रहती है।

कई बार तो नल ही नहीं आता है। जिससे महिलाओं को निराश होकर खाली बर्तनों को लेकर दूर दराज के कुएं से पानी लाना पड़ रहा है।

धार्मिक आस्था केन्द्र को बचाने के लिए धरना जारी

दूदू। निकटवर्ती बिचून की पहाड़ियों में स्थित भैराणा धाम की पवित्र भूमि धार्मिक आस्था केंद्र को बचाने के लिए सरकार के विरोध में रीको भगाओ भैराणा धाम बचाओ के आंदोलन को लेकर 36 वें दिन भी धरना स्थल पर साधु संतों का अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा । धरना स्थल पर मौजूद संत समाज ने कहा कि भैराणा धाम लाखों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था का केंद्र है तथा दादू संप्रदाय के लिए हरिद्वार के रूप में माना जाता है इसकी पवित्रता एवं पर्यावरण के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा श्रद्धालुओं एवं संतों ग्रामीणों का कहना है कि यह संघर्ष जमीन बचाने का नहीं है । संस्कृति धार्मिक आस्था की रक्षा करने का है 36 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर भारी आक्रोश व्याप्त है । धरना कमेटी ने आंदोलन को निर्णायक मोड़ पर देने के लिए आगामी 27म ई को भैराणा धाम में विशाल महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की है । महा पंचायत को लेकर गांव में घर-घर जाकर पहले चावल बांटकर अधिक से अधिक संख्या में लोगों को एकत्रित करने का न्योता दिया जा रहा है । महापंचायत में हजारों ग्रामीणों के साथ संत समाज मौजूद रहेगा।

■ दादू संप्रदाय की भूमि को रीको से बचाने के लिए साधु संत दे रहे है धरना

महायज्ञ में उमड़ रहे श्रद्धालु

निवाई। महाराष्ट्र के मालेगांव में मां बगलामुखी राष्ट्र रक्षा महायज्ञ का आयोजन संचालित हो रहा है। जिसमें प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड रही है। देशभर से लोग ज्योतिष चर्चा, धार्मिक अनुष्ठान एवं राष्ट्र रक्षा यज्ञ में भाग लेने पहुंच रहे हैं। महायज्ञ स्थल पर लगातार हवन, पूजा-अर्चना एवं वैदिक अनुष्ठान जारी हैं। साथ ही देशभक्ति गीतों और राष्ट्रवाद के संदेशों के माध्यम से लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की जा रही है। प्रतिदिन भारत माता की आरती भी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ की जा रही है। महायज्ञ के दौरान मिट्टी से निर्मित शिव परिवार की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पंडित राजकुमार शर्मा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढऩे का आ ान करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम की गई ।

औचक निरीक्षण

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हो रहे पीएम श्री योजनांतर्गत कक्षा 6 से 8 वीं के अभिरुचि शिविर का जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक जिला परियोजना समन्वयक शिवप्रसाद मीणा, रामजीलाल मीणा एवं जिला सलाहकार समठा शिक्षा शिवप्रकाश गुर्जर ने शिविर में चल रही विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया और छात्र-छात्राओं के कौशल विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

आम सूचना सर्वसाधारण को मेरे अभिभाष्य श्री नईमुद्दीन कुरैशी पुत्र श्री दिन मोहम्मद, निवासी सराय मोहल्ला, जोबनेर, जिला जयपुर (राज.) की ओर से सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र अजहरूद्दीन एवं पुत्रवधु सलमा बानो एवं उनका परिवार मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है पिछले एक साल से अलग रह रहे है तथा मनमर्जी करते व लड़ाई झगडा करते है जिस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र अजहरूद्दीन, पुत्रवधु सलमा बानो एवं उनके परिवार को सभी प्रकार के सामाजिक, आर्थिक सम्बन्ध समाप्त कर उसको अपनी जाति जिन्दगी, जायदाद एवं समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति मेरे अभिभाष्य के पुत्र अजहरूद्दीन, पुत्रवधु सलमा बानो एवं उनके परिवार से किसी प्रकार का कोई लेनदेन, व्यापार, संव्यवहार आदि करता है तो इसकी जिम्मेदारी स्वयं उसकी होगी, मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे। (जुल्फिकार अली) एडवोकेट, मो. 9829372540

खोया पाया

मेरी दुकान नम्बर 4 नियर जगतपुरा तिराहा, विजय कॉलोनी, बाल्मीकि बस्ती, जेडीए पट्टा मालवीय नगर योजना का मूल साइट प्लान मालवीय नगर में कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें- धन्वंतरी देवी 9587334025

मेरा Flat No.-MA-II/612 प्रताप अपार्टमेन्ट, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, संशोधित आवंटन पत्र, नो ड्यूज व आरक्षण पत्र कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें- 9461550883

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

विषम परिस्थितियों में प्रो रमेश बैरवा ने किया वजीरपुर महाविद्यालय का सफल संचालन

वजीरपुर। आज राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर में नोडल अधिकारी प्रो. रमेश बैरवा का सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। संकाय सदस्य और छात्राओं ने प्रो.बैरवा को माला एवं साफा पहनाकर भावी जीवन में स्वस्थ एवं सक्रिय रहने के लिए शुभकामनाएं दी। संकाय सदस्यों की ओर से लंच दिया गया। संकाय सदस्यों एवं छात्राओं ने विषम परिस्थितियों में डॉ.बैरवा द्वारा वजीरपुर कन्या महाविद्यालय के सफल संचालन के लिए तारीफ की। प्रवक्ता डॉ संपूर्णानंद गौतम ने संचालन एवं छात्रा साक्षी वर्मा ने छायांकन किया। सहायक कर्मी सोहनसिंह योगी, सुनील कुमार बैरवा, कन्हैया ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग किया। डॉ बैरवा ने महाविद्यालय के सफल संचालन में संकाय सदस्यों के पूर्ण सहयोग एवं स्नेह के लिए हार्दिक आभार जताया तथा महाविद्यालय की भावी प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी गई । प्रवक्ता डॉ

राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर में नोडल अधिकारी प्रो. रमेश बैरवा का सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया।

ऋषिकेश गुर्जर ने प्रो बैरवा के शिक्षा एवं सामाजिक कार्यों में किए योगदान को सराहा। श्री महेंद्र कुमार ने डॉ बैरवा को शोषित पीड़ित वर्ग के हकों के संघर्ष का योद्धा कहा। डॉ बैरवा के छात्र रहे डॉ.गिर्राज प्रसाद जोनवाल ने इन्हें प्रो रमेश बैरवा से मिले मार्गदर्शन के लिए सम्मान प्रकट किया। डॉ भूरसिंह गुर्जर ने प्रो बैरवा को छात्रों के लिए प्रेरणादायी एवं महाविद्यालय के सफल संचालक बताया। वरिष्ठ संकाय सदस्य मानसिंह मीणा ने आभार व्यक्त किया अंतिम सेमेस्टर की छात्रा रश्मि मीणा एवं खुशबू मीणा ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ.एस राधाकृष्णन, द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा ज्योति सोनी,रानी राजावत, चेल्सी मित्तल,वर्षा बंसल, भावना कुमारी बैरवा, कृष्णा सैनी, साक्षी वर्मा ने बाबा साहेब डॉ.अंबेडकर एवं संकाय सदस्यों ने शहीद भगतसिंह की तस्वीर भेंट कर सम्मान प्रकट किया।

छह विभागों के अधिकारी रहे नदारद, नोटिस दिये

खैरथल। जिला सचिवालय खैरथल तिजारा पर गुरुवार को जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में हुई त्रिस्तरीय जनसुनवाई में एक नहीं दो नहीं 6 विभागों के अघिकारी जब नदारद मिले तो कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर कर सभी नदारद अलग अलग विभागों के अधिकारीयों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जनसुनवाई में विवाह पंजीयन के लिए महीनों से चक्कर काट रहे फरियादी की शिकायत पर ग्राम विकास अधिकारी भोंकर मिंटू पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इस जनसुनवाई में 75 शिकायतें आईं, जिन पर त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए जनसुनवाई में नदारद रहने पर जिन विभागों के अधिकारियों को कलेक्टर की ओर से गंभीर लापरवाही मानते हुए नोटिस भेजा गया है उनमें जिला परिवहन अधिकारी भिवाड़ी तथा खैरथल राजीव चौधरी एवं सविता भारद्वाज, क्षेत्रीय अधिकारी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड अमित जुयाल, रीको प्रथम व द्वितीय के शिवकुमार एवं अखिल अग्रवाल, हाउसिंग बोर्ड के पीएल मीणा, श्रम विभाग की प्रज्ञा शर्मा और ईओ नगर पालिका किशनगढ़ बास राहुल है।

जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत हुए कुल 75 परिवादो में किसान सम्मान निधि, पथरगढ़ी, रास्ता खुलवाना, सफाई, राशन दुकान, आगजनी सहायता, बंटवारा, अवैध कब्जा, श्रमिक कल्याण योजना, जन आधार से नाम हटवाना, पट्टा, जोगीवाड़ा में शराब ठेका व आरा मशीन हटवाना, श्मशान घाट भूमि आवंटन, छात्रवृत्ति, पेयजल, नाका निर्माण, पीएम आवास जिओ टैगिंग, इंतकाल, भूमि अवाप्ति मुआवजा, सडक, नामांतरण और जमीन विवाद आदि जैसी शिकायत शामिल हैं।

नाम परिवर्तन

मैनें अपना नाम नाजीर से बदलकर नाजीर हुसैन पुत्र श्री बुन्दु खान निवासी 180, न्यू इन्द्रा कॉलोनी, गली नं.9 जलमहल जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे नाजीर हुसैन के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैने मेरा नाम कल्पनाबेन तेतरवाल से बदलकर कल्पना रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाएं। निवासी ढाणी बागा पडता पीथूसर जिला झुंझुनूं राजस्थान।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती मीना शर्मा पत्नी श्री महेन्द्र कुमार शर्मा उम्र 52 वर्ष निवासी प्लाट नं. ए-135 मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर का पुत्र विवेक शर्मा व पुत्र वधु मोनिका शर्मा एवं पौत्री गुन्नू मेरी अभिभाष्या के कहने में नहीं हैं तथा उनका व्यवहार मेरी अभिभाष्या व मेरी अभिभाष्या के प्रति से अच्छा नहीं होने, मानसिक व शारीरिक रूप से हैरान, परेशान व प्रताड़ित करना, भरण पोषण नहीं करने के कारण मेरी अभिभाष्या व मेरी अभिभाष्या के पति महेन्द्र कुमर शर्मा ने अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र, पुत्रवधु व पौत्री को बेदखल कर दिया हैं। इनके द्वारा किये गये किसी भी आपराधिक व सिविल कार्यवाही लेनदेन व संव्यवहार की जिम्मेदारी मेरी अभिभाष्या व उनके प्रति की नहीं होगी व पुत्र, पुत्रवधु व पौत्री को हिन्दू उत्तराधिकार व विधिक दायित्व से विधि अनुसार पृथक/बेदखल कर रहे हैं।
जयपुर दिनांक — नीरज शर्मा (अधिवक्ता) मो. 9024066317

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्लाट नम्बर 63/15, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान में स्थित जो सर्वप्रथम में राधेश्याम अग्रवाल पुत्र श्री विजय लाल के स्वामित्व अधिकार का था, तत्पश्चात् श्रृखलाबद्ध लगातार रजिस्ट्रर्ड दस्तावेजो के आधार पर वर्तमान स्वामी निखिल कुमार गोयल है। यह कि सर्व प्रथम आवंटन मय कब्जा पत्र क्रमांक 679 दिनांक 22/04/1993 ईस्वी को राधेश्याम अग्रवाल पुत्र श्री विजय लाल के नाम जारी हुआ था जो कई गुम हो गया है जिसकी रिपोर्ट एलआर नम्बर 3153189/2026 दिनांक 21-05-2026 को दर्ज करा दी गई है, उक्तप्लाट को खरीदने के लिये मेरी अभिभाष्या पुष्पा मीणा पत्नी श्री भरत लाल मीणा ने SBI Bank में लोन हेतु आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिवस में सम्पर्क करे।
सुनिल कुमार मीणा अधिवक्ता मो 9929558699

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 383 परिवाद दर्ज

टोंक। जिला कलेक्टर टीना डाबी की अध्यक्षता में गुरुवार को लगभग साढ़े सात घंटे जिला स्तरीय मासिक जन सुनवाई चली। इसमें जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने 383 परिवाद दर्ज कराकर व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को बताया। जिला कलेक्टर ने आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई करते हुए विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध रुप से समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पीडित को राहत व संतुष्टि भी मिलें। इस दौरान देवली उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर भी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने कहा कि जिन प्रकरणों का नियमानुसार समाधान किया जाना संभव नही है उसमें परिवादी को संबंधित अधिकारी द्वारा लिखित में जवाब दिया जाएं। जनसुनवाई में परिवादी बार-बार नहीं आए, इसके लिए परिवादी से दूरभाष पर बात कर समझाइश की जाएं। उन्होंने कहा कि सभी जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में आए प्रकरणों का स्वंय

टोंक जिला कलेक्टर टीना डाबी की अध्यक्षता में गुरुवार को लगभग साढ़े सात घंटे जिला स्तरीय मासिक जन सुनवाई का आयोजन किया।

रजिस्टर में संधारण करें। इससे प्रकरणों को ट्रेक किया जा सकेगा। अधिकारी प्रकरणों को अनावश्यक लंबित नहीं रखें। परिवादी को स्पष्ट एवं स्थाई समाधान देकर राहत प्रदान करें।

जिला कलेक्टर के समक्ष ब्लॉक उनियारा के ग्राम रघुनाथपुरा के ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराई की श्मशान भूमि के रास्ते पर अतिक्रमण हटाया जाएं। जिला कलेक्टर ने एसडीओ देवली, उनियारा बीडीओ ओर नगरफोर्ट तहसीलदार को आपसी समन्वय बनाकर अतिक्रमण बनाने के निर्देश दिए। निवाई ब्लॉक के ग्राम जामडोली में आम रास्ते पर बार-बार अतिक्रमण करने की शिकायत पर निवाई तहसीलदार नरेश गुर्जर ने बताया कि उनके द्वारा दो बार अतिक्रमण हटाया जा चुका है। जिला कलेक्टर ने उपखंड अधिकारी निवाई अजीत राठौड को अतिक्रमियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाने के निर्देश दिए। ग्राम वनस्थली से आए ग्रामीणों ने वनस्थली विद्यापीठ के पीछे स्थित बस्ती में बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई।

जिला कलेक्टर को ग्रामीणों ने बताया कि विगत बारिश में वहां बाढ़ जैसे हालात हो गए थे। जिला कलेक्टर ने एसडीओ निवाई को मौका देखकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई में बहीर टोंक निवासी कालूराम सैनी ने पेयजल समस्या, ग्राम छान निवासी शंकरलाल, कुहाडा के मनराज ने पटटा बनवाने, हथौना के रामकरण, पवालिया के विमला साहू एवं फतेहगंज के कृष्ण कुमार ने नामान्तरण खुलवाने, बिचपुडी के हरिनारायण ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए प्रार्थना पत्र दिए।

■ जिला कलेक्टर ने परिवादों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करने के निर्देश दिए

स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक का पद रिक्त

सिरस। राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरस में चिकित्सक का पद रिक्त होने से रोगियों को प्राथमिक उपचार के लिए भी बाहर जाना पड रहा है। जीएसएस के पूर्व अध्यक्ष श्यामलाल योगी, सरपंच शिवजीराम जाट, पूर्व उपसरपंच कैलाश प्रजापत, देवेंद्र चौधरी, परमेश्वर योगी, राम भजन जोगी व शिवचरण योगी ने बताया की सिरस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर दर्जनों गांव के रोगी उपचार करवाने के लिए आते हैं। स्वास्थ्य केंद्र पर तीन माह से चिकित्सक का पद रिक्त है। चिकित्सक के अभाव में रोगियों को उपचार के लिए निवाई व टोंक जाना पड रहा है। क्षेत्र के लोगों को लंबी दूरी तय करके उपचार के लिए बाहर जाने में समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक लगवाने के लिए जनप्रतिनिधियों व उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने के बाद भी ध्यान नहीं देने से लोगों में नाराजगी बनी हुई है।

कार्यालय- पीईईओ/प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भांकरी (पावटा) कोटपूतली बहरोड
क्रमांक-100 दिनांक-16.05.2026
नीलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भांकरी, पं.स. पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड में निष्क्रिय आईसीटी लैब प्रथम चरण एवं अन्य आईसीटी उपकरणों जिसका वास्तविक क्रय मूल्य 191800/- अक्षरे एक लाख इकरानवे हजार आठ सौ रूपये है को दिनांक 27.05.2026 को प्रात 10.00 बजे स्थानीय विद्यालय के प्रांगण में खुली बोली लगाकर नीलाम किया जायेगा। अतः सभी इच्छुक व्यक्ति/कबाडी/फर्म जो इस नीलामी प्रक्रिया में भाग लेना चाहें तो निश्चित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर भाग ले सकता है।
नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति/कबाडी/फर्म को धरोहर राशि 2000/- अक्षरे दो हजार रूपये नीलामी पूर्व कार्यालय में जमा करवाने होंगे। नीलामी की शर्ते नीलामी से पूर्व पढकर बताई जायेगी। अधिकतम बोलीदाता की बोली स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार नीलामी कमेटी का होगा। नीलामी बोली राशि पर नियमानुसार जीएसटी अतिरिक्त देय होगा जो क्रेता को जमा कराना होगा।
प्रधानाचार्य
रा.उ.मा.वि. भांकरी
(पावटा) कोटपूतली-बहरोड
संपर्क नं. 9660332771

कार्यालय- पीईईओ/प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़नगर (पावटा) कोटपूतली बहरोड
क्रमांक-1586 दिनांक-21.05.2026
नीलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़नगर, पं.स. पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड में निष्क्रिय आईसीटी लैब प्रथम चरण एवं अन्य आईसीटी उपकरणों जिसका वास्तविक क्रय मूल्य 231900/- अक्षरे दो लाख इकत्तीस हजार नौ सौ रूपये है को दिनांक 27.05.2026 को प्रात 11.30 बजे स्थानीय विद्यालय के प्रांगण में खुली बोली लगाकर नीलाम किया जायेगा। अतः सभी इच्छुक व्यक्ति/कबाडी/फर्म जो इस नीलामी प्रक्रिया में भाग लेना चाहें तो निश्चित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर भाग ले सकता है।
नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति/कबाडी/फर्म को धरोहर राशि 2000/- अक्षरे दो हजार रूपये नीलामी पूर्व कार्यालय में जमा करवाने होंगे। नीलामी की शर्ते नीलामी से पूर्व पढकर बताई जायेगी। अधिकतम बोलीदाता की बोली स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार नीलामी कमेटी का होगा। नीलामी बोली राशि पर नियमानुसार जीएसटी अतिरिक्त देय होगा जो क्रेता को जमा कराना होगा।
प्रधानाचार्य
रा.उ.मा.वि. बड़नगर
(पावटा) कोटपूतली-बहरोड
संपर्क नं. 9660332771

उत्तर पश्चिम रेलवे अधिसूचना सं. 01/2026 दि. 20.05.2026
जयपुर मंडल के स्वास्थ्य इकाई, अलवर मे सामान्य ड्यूटी चिकित्सा प्रेक्टिशनर के पद को पूर्ण कालिक संविदा के आधार पर भरने हेतु तत्काल साक्षात्कार।
उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल पर चिकित्सा विभाग में सामान्य ड्यूटी चिकित्सा प्रेक्टीशनर के कुल 01 पद (अनारक्षित = 01) को पूर्ण कालिक संविदा के आधार पर भरने हेतु इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार तत्काल साक्षात्कार हेतु **दिनांक 09.05.2026** को **प्रातः 08:00 बजे** मंडल कार्मिक अधिकारी, मंडल कार्यालय, उ.प.रे.-जयपुर को रिपोर्ट करें।
विस्तृत विवरण के लिए वेबसाइट "nwr.indianrailways.gov.in" पर जाए।
757-DE/26 मंडल कार्मिक अधिकारी, जयपुर
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

संक्षिप्त

कैलाश चौधरी ने की रात्रि चौपाल

भरतपुर (निस)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने रात्रि को रूपवास के ओडेलगद्दी गांव में रात्रि चौपाल कर किसानों से संवाद किया। जिसकी मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रदेश मंत्री भानूप्रताप राजावत एवं किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह पथैना, प्रदेष महामंत्री ओपी यादव, कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र त्यागी, जिला उपाध्यक्ष बृजेश अठावाल रहे। रात्रि चौपाल की अध्यक्षता किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष गौरव सरपंच ने जबकि रात्रि चौपाल की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं का संचालन जिला संयोजक आईटी कृष्णा जाट ने किया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने रात्रि चौपाल में किसानों से संवाद कर केन्द्र एवं राज्य सरकार की किसान कल्याण योजनाओं की जानकारी दी और आगे कहा कि राज्य सरकार किसानों के गेहूं का एक-एक दाना खरीदने के लिए संकल्पित है। जिला मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेन्द्र पचौरी ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व विधायक बच्चू सिंह बंशीवाल, पूर्व जिला किसान मोर्चा जिला महामंत्री अनुराग तमरौली, दौलत फौजदार, आकाश हथैनी, राकेश भातरा, सुनील चौधरी, खजान सिंह, चन्द्रमोहन शर्मा, सत्तू गौड, पवन चौधरी, सुनील पाराशर, गौरव, रामकुमार परमार, श्यामवीर, संजय गुर्जर, संतोष कुशवाह, नितिन कुशवाह, तुलसी कश्यप, कुंवर सिंह ततामड, नीरज चौधरी, राम जाटौली सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का भव्य स्वागत

टोंक। निवाई उपखण्ड के झिलाई क्षैत्र स्थित हरभांवता मोड़ पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का भव्य स्वागत किया गया, उपमुख्यमंत्री घाटा नैनवाडी स्थित श्री देवनारायण महायज्ञ में शामिल होने जा रही थीं। स्वागत हरभांवता के अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर के नेतृत्व में किया गया, इस दौरान उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को साफा और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। उनके आगमन पर जगह-जगह उनका अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने लोगों से पेट्रोल और डीजल की बचत करने तथा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर से कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा तैयार रहने और उनके कामकाज समय पर पूरे करने, ताकि उन्हें किसी प्रकार की समस्या न हो, यह सुनिश्चित करने को कहा।

दिशा की बैठक 22 मई को

दौसा (निसं.)। सांसद मुरारी लाल मीना की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम त्रैमासिक बैठक 22 मई को होगी।

मोहन सिंह अध्यक्ष नियुक्त

शाहपुरा। अखिल भारतीय क्षित्रय महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह सिंगोली ने राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर की सहमति से शाहपुरा निवासी एडवोकेट मोहन सिंह शेखावत को जयपुर जिला देहात अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। शेखावत के जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर महासभा के कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

टोकारावास पंचायत में पानी संकट से परेशान ग्रामीणों का प्रदर्शन

टोंक। टोकारावास पंचायत के ग्रामीणों ने पेयजल संकट को लेकर गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया तथा प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने कलेक्टर टीना डाबी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और जल्द समाधान की मांग की।

ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर टीना डाबी ने जनसुनवाई के दौरान ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को टोकारावास पंचायत में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को तुरंत सुधारने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को भीषण गर्मी में परेशानी नहीं हो।

जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की भारी किल्लत है, जिससे उनका रोजमर्रा का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। विशेषकर महिलाओं को पानी के लिए दूर-दराज के इलाकों में भटकना पड़ रहा है।

टोंक के टोकारावास पंचायत के ग्रामीणों ने पेयजल संकट को लेकर गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया ।

- ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की भारी किल्लत है, जिससे उनका रोजमर्रा का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर के त्वरित एक्शन और अधिकारियों को दिए गए सख्त निर्देशों के बाद उम्मीद जताई है कि लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का अब स्थाई समाधान हो सकेगा।

इसी क्रम में निवाई उपखंड की ग्राम पंचायत चैनपुरा में भी बिसलपुर पेयजल घर-घर योजना के बावजूद पिछले ग्रामीण पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। गुरुवार सुबह महिलाओं ने खाली बर्तन लेकर प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन से नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में कई दिनों तक पानी की सप्लाई बाधित रहती है। जब पानी आता भी है तो वह पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाता। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर जलदाय विभाग को कई बार शिकायतें दी जा चुकी हैं। रात्रि चौपाल के दौरान जिला कलेक्टर को भी इस स्थिति से अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है।

जलदाय विभाग के सहायक अभियंता रामसिंह ने इस संबंध में बताया कि विभाग द्वारा हर दिन निर्धारित मात्रा में पानी मुख्य लाइन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने गांव में पानी नहीं पहुंचने का मुख्य कारण बड़ी संख्या में अवैध कनेक्शन होना बताया।

सहायक अभियंता ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध कनेक्शन हटाने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की होती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर गांव में नियमित और सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

20 साल बाद बाजार में दिखी खिरनी

बयाना भरतपुर (निस)। गर्मी के मौसम में दुर्लभ और पौष्टिक मानी जाने वाली खिरनी फल ने गुरुवार को बयाना के बाजारों में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। लंबे समय बाद बाजार में खिरनी दिखाई देने पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पडी और कुछ ही देर में पूरा माल बिक गया। खास बात यह रही कि कई लोगों ने वर्षों बाद इस फल का स्वाद चखा और पुरानी यादें ताजा हो गईं। रोजाना की तरह ढकेल पर मौसमी फल बेचने वाले विजेन्द्र कोली गुरुवार सुबह गाजोली क्षेत्र से खिरनी लेकर बयाना पहुंचे। उन्होंने जैसे ही अपनी ढकेल पर खिरनी सजाई और बाजार में निकले, लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। देखते ही देखते खरीददारों की लाइन लग गई और कुछ ही समय में पूरा फल बिक गया। विजेन्द्र कोली ने बताया कि वह खिरनी को 200 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेच रहे थे। उन्होंने कहा कि यह फल केवल गर्मियों के सीमित समय में ही मिलता है, इसलिए इसकी मांग काफी अधिक रहती है।

पावटा उपजिला चिकित्सालय में बीपीएचयू लैब का लोकार्पण

पावटा। क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बुधवार को पावटा स्थित उप जिला चिकित्सालय में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट लैब का विधिवत लोकार्पण किया गया।

इस अत्याधुनिक लैब के प्रारंभ होने से अब क्षेत्र के आमजन को 122 प्रकार की विभिन्न चिकित्सा जांचें पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध हो सकेंगी।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय कार्य विभाग, विधि एवं विधिक कार्य तथा न्याय विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने फीता काटकर एवं पट्टिका का अनावरण कर लैब का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों से अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश भी प्रदान किए।

- लैब के प्रारंभ होने से आमजन को 122 प्रकार की विभिन्न चिकित्सा जांचें पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध हो सकेंगी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-ढाणी तक सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आमजन को बेहतर उपचार, जांच एवं दवाइयों की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हों, ताकि किसी भी व्यक्ति को आर्थिक अभाव के कारण उपचार से वंचित नहीं रहना पड़े। उन्होंने कहा कि बीपीएचयू लैब का शुभारंभ इसी सोच का परिणाम है, जिससे अब पावटा एवं आसपास के ठाामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राजकीय अस्पतालों में नि:शुल्क जांच एवं दवा योजनाओं को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना एवं राजस्थान सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से लाखों परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार चिकित्सा संस्थानों में आधुनिक उपकरण, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, आधारभूत ढांचे के विस्तार एवं डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता केवल भवनों और मशीनों से नहीं, बल्कि चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की संवेदनशीलता और सेवा भावना से तय होती है। उन्होंने चिकित्सा कार्मिकों से मरीजों के साथ मानवीय व्यवहार रखते हुए समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि राजकीय अस्पतालों में आने वाले प्रत्येक मरीज को यह विश्वास होना चाहिए कि उसे बेहतर चिकित्सा सुविधा एवं सम्मानजनक व्यवहार मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ठाामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, टीकाकरण कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए विशेष अभियान चला रही है। बीपीएचयू लैब जैसी सुविधाएं गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक जांच एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

पावटा में नवीन न्यायालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास

पावटा। जिले के न्याय क्षेत्र पावटा में नवीन न्यायालय भवन के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय संजीव प्रकाश शर्मा, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर नवीन न्यायालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में माननीय संरक्षक न्यायाधिपति, जिला कोटपूतली-बहरोड़ एवं न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर श्री आशुतोष कुमार की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति श्री संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि नवीन न्यायालय भवन का निर्माण न्यायिक आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि सरकार एवं न्याय विभाग के समन्वित प्रयासों से यह कार्य संभव हो पाया है तथा लगभग 3 करोड़ 29 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह भवन भविष्य में न्यायिक व्यवस्थाओं को और अधिक सशक्त एवं सुविधायुक्त बनाएगा।

पावटा में नवीन न्यायालय भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया।

- आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित भवन से आमजन को मिलेगा सुलभ एवं समयबद्ध न्याय - कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति संजीव प्रकाश शर्मा

उन्होंने कहा कि आधुनिक संसाधनों एवं सुविधाओं से युक्त यह भवन न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं सुचारू बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इसका प्रमुख उद्देश्य आमजन को समयबद्ध, सुलभ एवं निष्पक्ष न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं से समन्वय एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए आमजन को पारदर्शी न्याय दिलाने का आ ान किया। साथ ही युवा महिला अधिवक्ताओं को न्यायिक क्षेत्र में आगे आने एवं अन्य महिलाओं को भी प्रेरित करने का संदेश दिया। माननीय संरक्षक न्यायाधिपति श्री आशुतोष कुमार ने अपने संबोधन में अधिवक्ताओं एवं क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवीन भवन के निर्माण से बार एवं बेंच के साथ-साथ आम नागरिकों को भी न्यायिक सेवाओं में अधिक सुविधा एवं सुगमता प्राप्त होगी।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश रवि वर्मा ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस नवीन भवन के निर्माण से तालुका स्तर की न्याय व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा न्यायिक कार्यों के संचालन में और अधिक दक्षता आएगी। पावटा सेशन न्यायालय न्यायाधीश पूजा धानिया ने धन्यवाद उद्बोधन देकर न्याय व्यवस्था को बेहतर और सुलभ बनाने का आव्हान किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में न्यायपालिका, प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर रजिस्ट्रार कम प्रिंसिपल सेक्रेटरी राजस्थान उच्च न्यायालय श्री अजय सिंह, जिला एवं सेशन न्यायाधीश जिला कोटपूतली-बहरोड़ श्री रवि शर्मा, डिम्पल जंडेल अपर जिला एवं सेशन न्यायालय क्रम संख्या-1 बहरोड़, राजेश कुमार अपर जिला एवं सेशन न्यायालय क्रम संख्या-2 कोटपुतली, डॉ. अंजुम ख़ान अपर जिला एवं सेशन न्यायालय क्रम संख्या-3 कोटपुतली, डॉ. सुरेश कुमार अपर जिला एवं सेशन न्यायालय क्रम संख्या-4, डॉ. अजय विश्नोई एससीजेएम क्रम संख्या 2 कोटपुतली, न्यायाधीश पावटा सेशन न्यायालय पूजा धानिया, जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता, पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, उपखंड अधिकारी पावटा साधना शर्मा, तहसीलदार पावटा लोकेंद्र मीणा सहित बार संघ पावटा के अध्यक्ष रामनिवास यादव, उपाध्यक्ष राजेश कुमार यादव, सचिव सुरेंद्र सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष मुकेश यादव तथा न्यायालय एवं प्रशासनिक विभागों के अधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के आदेश

दौसा (निसं.)। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदीचंद गंगवाल ने गुरुवार को जिला परिषद में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान की सभी गतिविधियों की प्रभावी, सुव्यवस्थित और समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि अभियान का शुभारंभ 25 मई से किया जाएगा। मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम 25 मई को गेटोलाव तालाब पर आयोजित होगा। इसी दिन सुबह शहर में जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता के उद्देश्य से प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न विभागों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर जनआंदोलन के रूप में संचालित होना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करे। बैठक में जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सहित अन्य विभागों की प्रस्तावित गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि विभाग को किसानों के बीच सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों, जल संरक्षण उपायों और जल के समुचित उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए। वहीं वन विभाग को पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों के साथ अभियान से जुड़ने के लिए कहा गया। अभियान के दौरान श्रमदान, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, तालाबों एवं जल संरचनाओं के संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए गए।

टोंक जिला परिषद सीईओ बिरदीचंद गंगवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिये।

- जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता के उद्देश्य से प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न विभागों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

डीग और भरतपुर के जिला कलेक्टरों ने देर रात लिया व्यवस्थाओं का जायजा

डीग भरतपुर (निस)। अधिक मास के अवसर पर आयोजित हो रही बृज 84 कोस परिक्रमा को श्रद्धालुओं के लिए सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।

मुख्यमंत्री राजस्थान भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार बुधवार देर रात जिला कलेक्टर डीग मयंक मनीष और जिला कलेक्टर भरतपुर कमर उल जमान चौधरी ने राजस्थान सीमा में आने वाले परिक्रमा मार्ग का संयुक्त रूप से सघन निरीक्षण किया।

दोनों जिला कलेक्टरों ने कौथरा गेट से निरीक्षण का शुभारंभ किया। इसके पश्चात उन्होंने सांवई स्थित आश्रय स्थल का निरीक्षण कर वहां साफ-सफाई, महिला शौचालयों की माकूल व्यवस्था और मार्ग दर्शन हेतु दिशा-सूचक लगाने के निर्देश दिए।

इस दौरान फायर स्टेशन डीग स्थित आश्रय स्थल, टांकोली पीडब्ल्यूडी विश्राम स्थल और गुहाना सहायता केंद्र का भी जायजा लिया।

रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ी जय भगवान का सम्मान

खैरथल। एशियन बीच गेम्स में कबड्डी प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर देश और क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले खिलाडी जय भगवान के स्वागत एवं सम्मान समारोह में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने अपने संसदीय क्षेत्र की विधानसभा मुंडावर के गांव जाट भगोला में शिरकत की। इस स्वागत कार्यक्रम में जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, विधायक ललित यादव, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, क्रीडा भारती से रामानंद चौधरी, खिलाडी दीपक निवास हुड्डा, महेश गुप्ता, करण सिंह, ईश्वर, अनूप यादव, इंद्र यादव, अमित, सरपंच देवेंद्र, अंजली यादव सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, जनप्रतिनिधि एवं ठाामीण मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित अतिथियों ने जय भगवान को साफा पहनाकर सम्मानित किया तथा उनकी उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि ठाामीण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है। जय भगवान की मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने क्षेत्र के युवाओं को खेलों के प्रति नई ऊर्जा और प्रेरणा दी है। उन्होंने ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल करियर और सम्मान का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन जीने की दृष्टि भी प्रदान करते हैं। खेल हमें संघर्ष, अनुशासन और हार कर भी दोबारा खड़े होकर प्रयास करने की भावना सिखाते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री की कविता की पंक्तियां -क्या हार में, क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं, कर्तव्य पथ पर जो भी मिला, यह भी सही, वो भी सही- का उल्लेख करते हुए कहा कि खेल शरीर में नई ऊर्जा भरते हैं और लक्ष्य प्राप्ति तक लगातार प्रयास करना सिखाते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए फिट इंडिया के संदेश के माध्यम से देशभर में खेलों को बढावा मिला है। भूपेंद्र यादव ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल संस्कृति को बढावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से खेलों में सक्रिय भागीदारी करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आ ान किया। उन्होंने ने अलवर सांसद खेल उत्सव का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों से आयोजित इस खेल उत्सव ने क्षेत्र की हजारों प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। विभिन्न खेलों में युवाओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए हॉकी के लिए एस्ट्रोटर्फ, कुश्ती स्टेडियम सहित कई विकास कार्य किए गए हैं। खैरथल क्षेत्र के बंबोरा गांव स्थित सद्भावना केंद्र में कुश्ती खेल को बढावा देने के लिए विशेष पहल की गई है। वहीं भिवाडी में बहुउद्देशीय खेल स्टेडियम के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा द्वितीय चरण का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे विभिन्न खेलों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने गांव स्तर पर ठाामीण के सहयोग से कबड्डी स्टेडियम एवं ट्रैक विकसित करने की भी बात कही। उन्होंने शिक्षा एवं तकनीक के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व में 101 ई-लाइब्रेरी स्थापित करने की घोषणा को पूरा करते हुए अब अलवर संसदीय क्षेत्र में 133 ई-लाइब्रेरी स्थापित की जा चुकी हैं।

सार-समाचार

बीएसएफ जवान विकास यादव को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई

पावटा। देश सेवा के दौरान बीमारी की चपेट में आए बीएसएफ जवान विकास यादव का मंगलवार शाम निधन हो गया। बुधवार को उनके पैतृक गांव ठीकरिया में पूरे राजकीय सम्मान और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी । जवान के निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई और अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ठाामीण व जनप्रतिनिधि शामिल हुए। जानकारी के अनुसार विकास यादव पुत्र मूलचंद यादव वर्ष 2023 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे। हाल ही में सम्पन्न हुए पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान उनकी ड्यूटी लगी हुई थी। इसी दौरान वह माइंड मलेरिया बीमारी से ठासित हो गए। तबीयत बिगड़ने पर 13 अप्रैल को कोलकाता के अपोलो अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां कुछ दिनों बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया। करीब एक महीने तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद मंगलवार शाम उनका निधन हो गया। बताया जा रहा है कि विकास यादव का विवाह नवंबर 2025 में पाथरेड़ी निवासी टीना यादव के साथ हुआ था। टीना यादव एमएससी कर चुकी हैं और शिक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। शादी के कुछ ही महीनों बाद जवान की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक जवान चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। बड़े भाई पवन यादव डॉक्टर हैं, जबकि उनसे छोटे मुकेश यादव निजी कंपनी में कार्यरत हैं। सबसे छोटे भाई रोहित यादव राजस्थान पुलिस में सेवाएं दे रहे हैं। परिवार में एक साथ सेना और पुलिस सेवा से जुड़े सदस्यों के होने के बावजूद विकास यादव की असमय मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। अंतिम संस्कार के दौरान बीएसएफ जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। ग्रामीणों ने विकास यादव को देशभक्ति, अनुशासन और सेवा भावना का प्रतीक बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

मनरेगाकर्मियों को विधिक जागरूकता की जानकारी दी

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने नगरपरिषद क्षेत्र में मनरेगाकर्मियों के मध्य नालसा योजना 2025, मानव-वन्यजीव संघर्ष के पीडितों को नि:शुल्क विधिक सेवा द्वारा शीध्र-न्याय एवं शीध्र मुआवजा योजनाओं की जानकारी से अवगत कराया। इस शिविर की अध्यक्षता नगरपरिषद मनरेगा प्रभारी पंकज शर्मा द्वारा की गई। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि वन्य क्षेत्रों में, या पहाड़ी क्षेत्र में हिंसक जीवों (शेर, बघेरा चीता,हाथी) के संघर्ष से आंशिक दुर्घटना में अपाहिज होने पर 2.50 लाख रूपये पीडित को प्रतिकर राशि का मुआवजा नालसा योजना 2025 के तहत दिया जाता है।अगर वन्य जीव के साथ संघर्ष की स्थिति मे मृतक के आश्रित को 10 लाख रूपये मुआवजा में दिये जाते है। वन्य जीवों से संघर्ष की सूचना सर्वप्रथम वन सुरक्षा प्रहरी को दी जानी चाहिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं पैरा लीगल वॉलिन्टियर के माध्यम से तत्काल निकटतम पुलिस थाना पर (प्राथमिक रिपोर्ट) दर्ज कराई जानी आवश्यक है। मेडिकल रिपोर्ट एवं दुर्घटना पीड़ित के संघर्ष की फोटोठाफी बनवाया जाना अनिवार्य है। वन सुरक्षा प्रहरी मौके पर उपस्थित होकर उसके द्वारा सत्यापित किया जाने पर ही दर्ज कराई जावेगी। नालसा जाग्रति योजना 2025 पीड़ित संवेदनशील वर्गों का संरक्षण के लिए तत्काल मुआवजा राशि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से मानव-वन्यजीव संघर्ष के दावे का निस्तारण किया जाकर पीड़ित परिवार को कानूनी सहायता दिलाने का सम्पूर्ण कार्य पैनल एडवोकेट, पैरा लीगल वॉलिन्टियर के द्धारा तत्काल इस प्रकरणों की सूचना मिलते ही मौके पर उपस्थित होकर साक्ष्य के साथ पत्रावली को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में भेजी जायेगी। इसी क्रम में नालसा वीर परिवार सहायता योजना के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त पैनल एडवोकेट, पैरा लीगल वॉलिन्टियर हमारे देश की सुरक्षा प्रहरी के परिवारों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराती है।

पेट्रोल/डीजल की नही है किल्लत : कलेक्टर

टोंक। जिलें में पैट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति को लेकर जिला कलेक्टर टीना डाबी ने तेल कम्पनी के सेल्स ऑफिसर के साथ बैठक ली। बैठक में सेल्स ऑफिसर ने बताया कि जिलें में कम्पनियों द्वारा पैट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त आपूर्ति की जा रही है किन्तु दर बढने की सम्भावनाओं एवं अफवाहों के कारण उपभोक्ता अधिक मात्रा में खरीद कर रहे है इसके कारण पिछले 2 दिनों में आपूर्ति वितरण व्यवस्था में बाधा उत्पन्न हुई थी। बैठक में जिला कलेक्टर द्वारा सेल्स ऑफिसर को निर्देशित किया गया कि प्रतिदिन की स्टॉक रिपोर्ट जिला रसद अधिकारी को देना सुनिश्चित करें एवं आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिलें में पैट्रोल व डीजल की आपूर्ति सामान्य है इसलिए पैनिक होकर आवश्यकता से अधिक खरीद नही करें। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि जिलें में कुल 209 पैट्रोलपम्प कार्यरत है एवं औसतन बिक्री से लगभग दोगुना खपत हुई है जबकि पम्पों को पहले की आपूर्ति से अधिक मात्रा में पैट्रोल व डीजल दिया जा रहा है। इसलिए कम्पनियों द्वारा एक उपभोक्ता को अधिकतम 50 लीटर पैट्रोल एवं 200 लीटर डीजल की आपूर्ति केवल वाहनों में करने की व्यवस्था की हुई है।

दौसा शहर फल-फूल रहा अवैध शराब व्यवसाय

दौसा (निसं.)। आबकारी विभाग के आला अधिकारियों की अनदेखी के चलते दौसा शहर एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में देर रात्रि तक शराब का गौरखधंधा धडल्ले से चल रहा है, इस गौरखधंधे से जुडे शराब व्यवसाय ग्राहकों से निर्धारित दरों से अधिक राशि वसूली कर चांदी कूट रहे है। वही दूसरी ओर विभाग द्वारा आवंटित अधिकांश दूकानों पर अनुज्ञाधारियों के नाम तथा अंग्रेजी एवं देशी शराब की दर की सूची तक नही लगा रखी है। उल्लेखनीय है कि आबकारी विभाग के आला अधिकारियों की अनदेखी के चलते दौसा शहर सहित आसपास के ग्रामीण इलाको में देर रात्रि तक अवैध रुप से शराब बेचने का गौरखधंधा जबरदस्त चल रहा है। विभाग द्वारा आवंटित दूकाने भी देर रात्रि तक खुली रहती है तथा उपभोक्ताओं ने निर्धारित दरों से अधिक राशि वसूल कर चांदी कूट रहे है। इधर इस गौरखधंधे पर नियंत्रण के लिए जिला मुख्यालय सहित बांदीकुई में आबकारी थाना तक खोल रखे है, लेकिन पिछले एक साल से इन थाना में तैनात पुलिस अधिकारियों ने एक भी कार्यवाही नही की है, जिसके चलते शराब व्यवसाइयों के हौंसले काफी बुलंद है।

नरेन की कसी हुई गेंदबाजी के कारण बल्लेबाज उनके खिलाफ बड़े शॉट खेलने से हिचकिचाते हैं। उनके पास विविधताएं और सटीकता भी है।
- आकाश चोपड़ा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, सुनील नरेन की गेंदबाजी की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **हार्दिक पंड्या**

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के बाद माना कि उनकी टीम लगभग 20 रन कम बना सकी। हार्दिक का मानना है कि अगर वह या तिलक वर्मा में से कोई एक बल्लेबाज थोड़ी देर और क्रीज पर टिक जाता, तो मुंबई के पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता। कोलकाता की पिच को लेकर हार्दिक ने कहा कि उन्हें ऐसी विकेट पर खेलना पसंद है, जहां गेंदबाजों को भी मदद मिले। उन्होंने कहा, मुझे ऐसी विकेट पर खेलने में कोई दिक्कत नहीं है, जहां गेंदबाजों को कुछ मदद मिलती हो।

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया ने कभी फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लिया है, लेकिन 1956 के ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल करना भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि है।

चेन्नई बाहर, गुजरात ने थमाई ऐतिहासिक हार

सुदर्शन, गिल और बटलर के अर्धशतक, 3 गेंदबाजों ने 3-3 विकेट लिये

अहमदाबाद, 21 मई। गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को आईपीएल 2026 के 66वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रनों से हराया। इस जीत के साथ गुजरात ने पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 में अपनी जगह बरकरार रखी है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल 2026 में सफर खत्म हो गया है। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाए, इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 13.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 140 रन ही बना सकी। चेन्नई के लिए शिवम दुबे ने सर्वाधिक 47 रन बनाए। गुजरात के लिए मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और राशिद खान ने 3-3 विकेट लिए। गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाए हैं। गुजरात के लिए साई सुदर्शन ने सर्वाधिक 84 रन बनाए। इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स को संजू सैमसन के रूप में पहला झटका लगा। वह खाता नहीं खोल सके। ऋतुराज गायकवाड़ 7 गेंद में 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कार्तिक शर्मा रन आउट हुए। शिवम दुबे 17 गेंद में 47 रन बनाकर पवेलियन लौटे। गुजरात टाइटंस को शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने दमदार शुरुआत दिलाई है। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी हुई।

संजू सैमसन की उंगली में लगी चोट

अहमदाबाद, 21 मई। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस की पारी के दूसरे ही ओवर में संजू सैमसन को चोट लगी। विकेट के पीछे गेंद रोकने के प्रयास में उन्हें ये चोट लगी। गेंद उनकी दस्ताने को छूकर बाउंड्री की तरफ चली गई। लेकिन गेंद लगने के कारण उनकी उंगली में सूजन थी, जिसके बाद दर्द के कारण उन्होंने बाहर जाने का फैसला किया। चेन्नई ने उनकी जगह उर्विल पटेल को ग्लव्स थमाया है। पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात टाइटंस को शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। पहले विकेट के लिए दोनों बल्लेबाजों के बीच 125 रन की साझेदारी हुई।

गुजरात टाइटंस की पारी के दूसरे ओवर में संजू सैमसन चोटिल हुए। स्पेंसर जॉनसन के ओवर की तीसरी गेंद लेग साइड की तरफ जाने के बाद लेट स्विंग हुई और संजू सैमसन की बाईं साइड से होते हुए बाउंड्री पर गई। संजू दाईं तरफ गेंद पकड़ने के लिए गए लेकिन गेंद ने विकेट को पार करने के बाद दिशा बदली और जब तक संजू गेंद की लाइन में आते गेंद उनके ग्लव्स को छूते हुए मैदान के बाहर चली गई। हालांकि इस दौरान संजू सैमसन को उंगली में चोट लगी और वह दर्द में दिखे, जिसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ से बात करके वह मैदान से बाहर चले गए। फील्ड पर मेडिकल टीम ने उनका इलाज किया लेकिन उन्हें आराम नहीं मिला। इसके बाद उर्विल पटेल ने विकेटकीपिंग की।

कार्तिक पर्पल कैप की दौड़ में पांचवें स्थान पर पहुंचे, भुवनेश्वर शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली, 21 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) जैसी बड़ी टीमों के लिए इस सीजन कोई बल्लेबाज या गेंदबाज लगातार सुर्खियों में नहीं रहा, लेकिन अब केकेआर के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने शानदार प्रदर्शन से पर्पल कैप की रेस में बड़ी छलांग लगा दी है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में कार्तिक त्यागी ने 2 विकेट लेकर पर्पल कैप तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने तिलक वर्मा का अहम विकेट लिया, जबकि पारी की आखिरी गेंद पर दीपक चाहर को आउट कर सीजन में अपने विकेटों की संख्या 18 तक पहुंचा दी। सीजन की शुरुआत में कार्तिक त्यागी का प्रदर्शन शांत रहा था, लेकिन अब वह केकेआर के लिए लगातार मैच जिताऊ गेंदबाजी कर रहे हैं। कोलकाता ने पिछले सात मुकाबलों में छह जीत दर्ज कर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत की हैं।

शतक से चूकने के बावजूद सुदर्शन ने सहवाग के दमदार क्लब में मारी एंट्री

// आईपीएल में सात साल बाद हुआ ऐसा //

अहमदाबाद, 21 मई। गुजरात टाइटंस के ओपनर साई सुदर्शन का आईपीएल 2026 में एक बार फिर बल्ला गरजा। वह गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 16 रनों से शतक से चूक गए। उन्होंने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 53 गेंदों में सात चौकों और चार छक्कों की बदौलत 84 रन बटोरे। यह उनका मौजूदा सीजन में सातवां और लगातार पांचवां पचास प्लस स्कोर था। उन्होंने 84 रनों की पारी से पहले नाबाद 53, 61, 55 और 57 रनों का योगदान दिया। 24 वर्षीय सुदर्शन एक शतक भी लगा चुके हैं। हालांकि, सुदर्शन ने सीजन में दूसरे शतक से चूकने के बावजूद कमाल कर दिया। उन्होंने पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के दमदार क्लब में एंट्री मारी है।

आईपीएल में 7 साल बाद हुआ ऐसा

दरअसल, सुदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार पांच पारियों में पचास प्लस रन बनाने वाले चौथे क्रिकेटर बन गए हैं। आईपीएल में सात सालों के बाद किसी खिलाड़ी ने यह कारनामा अंजाम दिया है। सुदर्शन से पहले ऐसा डेविड वॉर्नर ने किया था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर वॉर्नर ने आईपीएल 2019 में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से लगातार पांच पचास प्लस स्कोर बनाए। इंग्लैंड के विकेटीकपर जोस बटलर ने 2018 में ऐसा किया। वह तब राजस्थान रॉयल्स में थे। बटलर अब गुजरात टीम हिस्सा हैं। आईपीएल में सबसे पहले लगातार पांच पचास प्लस स्कोर सहवाग ने बनाए थे। उन्होंने 2012 में यह कमाल किया था। वह तब दिल्ली फ्रेंचाइजी में थे। आईपीएल में सबसे ज्यादा ओपनिंग पार्टनरशिप रन: 2220 - डेविड वॉर्नर, शिखर धवन, 1942 - शुभमन गिल, साई सुदर्शन, 1890 - विराट कोहली, फाफ डूप्लेसी, 1755 - अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, 1547 - रोहित शर्मा, ईशान किशन।

हॉकी इंडिया ने घोषित की अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय पुरुष टीम, केतन कुशवाहा होंगे कप्तान

भोपाल, 21 मई। हॉकी इंडिया ने जापान में होने वाले पुरुष अंडर-18 एशिया कप काकामिगाहारा 2026 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून तक खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन भोपाल स्थित उदय दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय साई केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के बाद किया गया। टीम के कोचिंग स्टाफ में पूर्व भारतीय कप्तान सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा शामिल रहे। टीम ने टूर्नामेंट की तैयारी के तहत ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीम के खिलाफ चार मैचों की एक्सपोजर सीरीज भी खेली। फॉरवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मुकाबला जीता, एक हारा जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। एशिया कप में भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 मई को कजाकिस्तान के खिलाफ करेगा। इसके बाद 31 मई को मेजबान जापान से मुकाबला होगा। भारतीय टीम 1 जून को दक्षिण कोरिया और 3 जून को चीनी ताइपे के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 5 जून को और फाइनल 6 जून को खेला जाएगा।

भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम:
गोलकीपर: सावन कुमार, आयुष रजक
डिफेंडर: अंश बहुत्रा, अरमान सोरेंग, आशीष तानी पूर्ति, अर्शदीप सिंह, अवि मानिकपुरी, रोमित पाल
मिडफील्डर: राहुल यादव, प्रेमचंद सोय, वरिंदर सिंह, करण गौतम, सिद्धार्थ बेन
फॉरवर्ड: केतन कुशवाहा (कप्तान), आकाश दीप, गाजी खान, शाहरुख अली, प्रह्लाद राजभर।

पांड्या पर लगा मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, 21 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2026-27/2367-81 | **निविदा सूचना /2026-27** | Date:20.05.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Construction of Of Dr. Shyama Prasad Mukharji Model Convention Centre at Nohar, Hanumangarh. UBN: RRC2627WSOB00180	370.37 Lakh	ई-102/26-27
Electrification work in Auditorium Building at University of Kota. UBN: RRC2627WSOB00176	293.45 Lakh	ई-103/26-27
Construction of Main Entrance Gate & Guard Room at Medical College, Dausa.UBN: RRC2627WSOB00174	240.00 Lakh	अल्पकालीन ई-104/26-27

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
महाप्रबंधक

Udaipur City Transport Services Limited
Regd. Off: Udaipur Municipal Corporation, Town Hall Udaipur-313001, Rajasthan, India
Tel. 0294 2421255, Email Id : uctsl2016@gmail.com, ceoudr.lsg@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- UCTSL/2026-27/15 दिनांक :- 18/05/2026

ई- बोली आमन्त्रण सूचना संख्या ई 01/2026-27

उदयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, उदयपुर में मंत्रालयिक कार्यों हेतु कार्मिक एवं बसों में राजस्व संग्रहण हेतु परिचालक (दो वर्ष के लिये) उपलब्ध कराने के कार्य हेतु प्लेसमेंट ऐजेन्सी/उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत राशि 638.04 लाख रु. है। बिड से संबंधित विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा की प्रारंभ तिथि 19.05.2026 अंतिम तिथि 03.06.2026 एवं निविदा खुलने की तिथि 03.06.2026 है। UBN : UNP2627SLOB00032

राज.संवाद/सी/26/3158 प्रभारी अधिकारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Municipal Council Dholpur

No. – 1700-03 Date- 19.05.2026

Notice Inviting Tender E- 06-13

N.I.T. is invited on behalf of Governor of Rajasthan by Municipal Council Dholpur for VAIRIOUS work from Registered Contractor the amount of work is between 3 lacs to 40 lacs and UBN No. are has under.
UBN No- DLB2627SSOB05139, DLB2627SSOB05143, DLB2627SSRC05132, DLB2627SSRC05140, DLB2627SSRC05144, DLB2627SSRC05145, DLB2627SSRC05146, DLB2627SSRC05147, DLB2627SLRC05150, DLB2627SLRC05151, DLB2627SLRC05152, DLB2627SLRC05153, DLB2627SLRC05155, DLB2627GSRC05157, DLB2627SLRC05158, DLB2627SLRC05159
For detail visit www.sppp.rajathan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in

Commissioner
Municipal Council Dholpur
Raj.Samwad/C/26/3252

डोपिंग गतिविधियों को अपराध की श्रेणी में लाने की तैयारी, खेल मंत्रालय ने मसौदा संशोधन पर मांगें सुझाव

नई दिल्ली, 21 मई। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने डोपिंग से जुड़ी संगठित गतिविधियों को अपराध घोषित करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रस्तावित कानून संशोधनों के मसौदे पर सार्वजनिक परामर्श जारी करके मंत्रालय ने खिलाड़ियों, खेल संगठनों और अन्य हितधारकों से 18 जून तक सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य खेलों में प्रतिबंधित प्रदर्शन बढ़ाने वाले पदार्थों और तरीकों की तस्करी, अवैध आपूर्ति, प्रशासन और व्यावसायिक वितरण से जुड़े संगठित नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई करना है। मंत्रालय के अनुसार नए प्रावधानों के तहत प्रतिबंधित पदार्थों और तरीकों की तस्करी, अवैध बिक्री और वितरण, खिलाड़ियों को डोपिंग के उद्देश्य से प्रतिबंधित पदार्थ देना, नाबालिग खिलाड़ियों को ऐसी सामग्री उपलब्ध कराना, डोपिंग से जुड़े संगठित अपराध और व्यावसायिक गतिविधियां, बिना निर्धारित लेबलिंग के प्रतिबंधित पदार्थों की बिक्री तथा डोपिंग को बढ़ावा देने वाले विज्ञापन और भुगतान आधारित प्रचार को अपराध की श्रेणी में लाया जाएगा। इन संशोधनों का मुख्य निशाना डोपिंग नेटवर्क से जुड़े तस्कर, अवैध सप्लायर, संगठित गिरोह और बेईमान सहयोगी स्टाफ होंगे।

खिलाड़ियों को आपराधिक कार्रवाई से संरक्षण - मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि केवल डोप टेस्ट में पॉजिटिव आने या एंटी-डोपिंग नियम उल्लंघन के आधार पर खिलाड़ियों को आपराधिक मामलों में आरोपी नहीं बनाया जाएगा। खिलाड़ियों से जुड़े एंटी-डोपिंग मामलों का निपटारा मौजूदा एंटी-डोपिंग ढांचे के तहत ही किया जाएगा। प्रस्तावित संशोधनों में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि स्वच्छ खिलाड़ियों के हित सुरक्षित रहें और खेलों का दुरुपयोग करने वाले आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो सके।

चिकित्सकीय छूट और आपातकालीन स्थिति को भी ध्यान में रखा गया - प्रस्तावित ढांचे में वैध चिकित्सकीय उपयोग छूट प्राप्त खिलाड़ियों और आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में प्रतिबंधित पदार्थों के वैध उपयोग करने वाले डॉक्टरों के लिए भी सुरक्षा प्रावधान शामिल किए गए हैं।

राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग
जिंक ने रॉयल एफसी को हराया

जयपुर, 21 मई। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में जयपुर स्थित राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड पर प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग के दूसरे दिन रॉयल फुटबॉल क्लब, जयपुर और जिंक फुटबॉल एकेडमी, उदयपुर के मध्य लीग मुकाबला खेला गया। गुरुवार को खेले गए एकमात्र मुकाबले में जिंक ने रॉयल एफ सी पर 2 - 0 से जीत दर्ज की। जिंक की तरफ से गोल 22 नंबर जर्सी मोना ने 64 वें तथा 19 नंबर जर्सी सविता ने 90 4 मिनट में गोल किया। प्लेयर ऑफ द मैच जिंक की मोना को चुना गया। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान फुटबॉल संघ पहली बार महिला फुटबॉल लीग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फुटबॉल संघ प्रदेश में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है तथा महिलाओं की फुटबॉल में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से इस लीग की शुरुआत की गई है। प्रतियोगिता में राज्य के पांच पेशेवर क्लब - जिंक फुटबॉल एकेडमी - उदयपुर, जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब जयपुर, रॉयल फुटबॉल क्लब जयपुर, मगन सिंह राजवी फुटबॉल एकेडमी बीकानेर, एवं रियल जयपुर फुटबॉल क्लब जयपुर, की टीम हिस्सा ले रहीं है। मैच में भैरुरतन ओझा ने मैच कमिश्नर की भूमिका निभाई, जबकि जावेद, पवन, आसिफ और नंदनी ने निर्णायक की जिम्मेदारी संभाली।

आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला प्रतियोगिता हेतु जिले की टीम का चयन ट्रायल 23 मई को

दौसा, 21 मई। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला प्रतियोगिता 02 जून से आयोजित की जाएगी जिसके लिए जिले की टीम का चयन ट्रायल दिनांक 23.05.2026 शनिवार को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर सुबह 8:00 बजे होगी और उनके दस्तावेज भी चेक जाएंगे इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 15 वर्ष से ऊपर की महिला खिलाड़ी हिस्सा ले सकती है। सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि दौसा जिले की महिला टीम ने गत वर्ष पुरुष वर्ग की टीम से तुलना में बेहतरिन प्रदर्शन किया गत वर्ष दोसा की टीम ने सीनियर महिला चैंपियनशिप में सेमीफाइनल तक जगह बनाई और बेटियों ने दौसा का नाम रोशन किया था इस वर्ष भी अच्छी टीम बनाने का जिला क्रिकेट संघ प्रयास करेगा जिले में महिला खिलाड़ी कम होने करण प्रोफेशनल खिलाड़ी लिए जाएंगे।

विश्व कप जीतने को आदत बनाना चाहती है भारतीय महिला क्रिकेट टीम : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, 21 मई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद महिला टी-20 विश्व कप से पहले बड़ा बयान देते हुए कहा है कि भारतीय टीम अब सिर्फ एक बार विश्व कप जीतकर संतुष्ट नहीं है, बल्कि वह विश्व कप जीतने को अपनी आदत बनाना चाहती है।

हरमनप्रीत ने कहा कि आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की जीत भारतीय महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक पल थी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक ट्रॉफी जीतना नहीं था, बल्कि इसने देश की युवा लड़कियों को यह भरोसा दिलाया कि वे भी दुनिया के सबसे बड़े मंच तक पहुंच सकती हैं।हरमन ने गुरुवार को आईसीसी के हवाले से कहा, 2025 विश्व कप की जीत ने हमें आत्मविश्वास दिया, लेकिन वह सिर्फ शुरुआत थी। अब हमारी कोशिश है कि जीत हमारी पहचान बने। उस सफलता के बाद जिम्मेदारियां और उम्मीदें दोनों बढ़ी हैं। दबाव जरूर है, लेकिन यह सकारात्मक दबाव है।

भारतीय कप्तान ने बताया कि टीम ने टी-20 विश्व कप की तैयारी विश्व कप 2025 जीतने के तुरंत बाद शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया टी20 श्रृंखलाओं ने टीम को अपनी कमियों और मजबूती को समझने का मौका दिया।हरमनप्रीत ने टीम प्रबंधन और बीसीसीआई की तैयारियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हुए प्रशिक्षण शिविरों से टीम को काफी फायदा मिला है। उन्होंने कहा, हमारी टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन संतुलन है। खिलाड़ियों में निडरता है और जीत की भूख भी। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) ने भारतीय महिला क्रिकेट को नई दिशा दी है। इस लीग ने नए खिलाड़ियों को बड़े मंच पर खेलने और दबाव झेलने का अनुभव दिया। हरमनप्रीत ने टीम के माहौल को भी खास बताया। सहयोगी स्टाफ ने ड्रेसिंग रूम में बेहद सकारात्मक वातावरण बनाया है, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है।

उन्होंने 2017 विश्व कप की यादों को भी साझा किया, जब इंग्लैंड में उनके 171 रन की पारी ने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाई थी।उन्होंने कहा, 2017 विश्व कप मेरे जीवन का अहम मोड़ था। उस टूर्नामेंट के बाद लोगों ने भारतीय महिला क्रिकेट को गंभीरता से लेना शुरू किया। तब से महिला क्रिकेट लगातार आगे बढ़ा है। अंत में हरमनप्रीत ने कहा कि टीम का लक्ष्य लगातार बेहतर प्रदर्शन करना और भारतीय महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड निवाई

क्रमांक- 576-85 दिनांक- 15.05.2026

निविदा सूचना संख्या- 05/2026-27 खण्ड निवाई

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड निवाई में सडक निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि मं पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए" "बी" "सी" "डी" श्रेणी के संवेदकों क समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE- PWD2627A0580, 1. PWD2627WSOB02634, 2. PWD2627WSOB02635

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड निवाई
DIPR/C/8864/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण जालोर

क्रमांक : एफ ()/ निविदा/2026-27/359 दिनांक-15.05.2026

NOTCE INVITING BID NIT NO 17/2026-27

Bids for NRM Works Under MJSA 2.2 project area in Raniwara of estimated Value INR 47.28 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 25-05-2026, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-17/2026-27	Rooftop Tanka (Raniwara)	WSC2627A0239	WSC2627WSRC00384

(Laxman Singh Sandu)
SE & PM WDSC, JALORE
DDO CODE NO. 28606
DIPR/C/8930/2026

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम) रणथम्भौर बाघ परियोजना, सवाई माधोपुर

क्रमांक-एफ ( ) स्टोर/उवसं/प्रथम/2026-27/3656 दिनांक-18.05.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 08/2026-27

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम) रणथम्भौर बाघ परियोजना, सवाई माधोपुर की ओर से राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अद्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से अभयारण्य क्षेत्र (रणथम्भौर बाघ परियोजना, प्रथम) के अन्तर्गत Construction of Ganeshdham entry gate Distt-Sawai Madhopur कार्य (अनुमानित लागत 100.00 लाख रू.) हेतु वर्ष 2026-27 के लिए ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदायें दिनांक 18.05.2026 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 04.06.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिन्हें दिनांक 05.06.2026 को नियमानुसार खोला जावेगा।
निविदा की शर्ते आदि का विवरण लोक उपापन/ई-टेण्डर की वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
NIB CODE- FOR2627A0299, UBN CODE- FOR2627WSOB00380

उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक
(प्रथम) रणथम्भौर बाघ परियोजना
सवाई माधोपुर
DIPR/C/8859/2026

अंडर-23 प्रतियोगिता को टी-20 फॉर्मेट में आयोजित किये जाने की रूपरेखा तैयार : डॉ. मोहित

जयपुर, 21 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार राजस्थान क्रिकेट संघ की एडहॉक कमेटी ने कुछ सप्ताह पूर्व ही अंडर-23 प्रतियोगिता को कलर्ड क्लोदिंग एवं व्हाइट बॉल के साथ टी-20 फॉर्मेट में आयोजित करने को लेकर गहन चर्चा करते हुए राज्य स्तरीय अंडर 23 प्रतियोगिता को टी 20 फ्रॉमेट में आयोजित करने की अंतिम रुपरेखा तैयार की जा रही थी व भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा पुरुष अंडर-23 प्रतियोगिता को टी-20 फॉर्मेट में आयोजित किए जाने की घोषणा के बाद आरसीए एडहॉक कमेटी की सोच और निर्णय को और मजबूती मिली है। आरसीएएडहॉक कमेटी सदस्य अरिष्ट सिंघवीके अनुसार क्रिकेट के बदलते स्वरूप और राष्ट्रीय ढांचे के अनुरूप अब आरसीए की अंडर-23 प्रतियोगिता कलर्ड क्लोदिंग एवं व्हाइट बॉल के साथ टी-20 फॉर्मेट में आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को आधुनिक घरेलू क्रिकेट के अनुरूप बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक अवसर प्रदान करना, भविष्य के लिए तैयार करना तथा राजस्थान से अधिक खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग एवं उच्च स्तर के क्रिकेट तक पहुंचाने में सहायता करना है।

आरसीए नागौर जिला (कॉल्विन शील्ड) टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल 23 को नागौर में आयोजित होगा

जयपुर, 21 मई। आरसीए करौली जिला (कॉल्विन शील्ड) टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल 24 मई को जयपुर में आयोजित होगा। आरसीए के तत्वाधान में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली नागौर जिला क्रिकेट संघ सीनियर कॉल्विन शील्ड टीम के चयन के लिए आरसीए द्वारा अधिकृत ओपन चयन ट्रायल आगामी 23 मई को प्रात: 10.00 बजे सेठ किशन लाल कांकरिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नागौर पर आयोजन किया जाएगा। आरसीए द्वारा नागौर जिला (कॉल्विन शील्ड) टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल के लिए अनिल सिन्हा व जाकिर हुसैन को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :- कंप्यूटर जनरेटेड जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य), बोनाफाइड प्रमाण पत्र (अनिवार्य), पिछले तीन वर्षो के स्कूल / कॉलेज की मार्क्स शीट, आधार कार्ड /वोटर आईडी/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/पैन कार्ड, आरसीए करौली जिला (कॉल्विन शील्ड) टीम की ऑफिशियल ओपन सिलेक्शन ट्रायल 24 मई को जयपुर में होगा। आरसीए के तत्वाधान में होने वाली आगामी स्टेट लेवल सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली करौली जिला क्रिकेट संघ सीनियर कॉल्विन शील्ड टीम के सिलेक्शन के लिए आरसीए द्वारा ऑफिशियल ओपन सिलेक्शन ट्रायल आगामी 24 मई को प्रात: 10.00 बजे आरसीए अकादमी पर आयोजन किया जाएगा। आरसीए द्वारा करौली जिला (कॉल्विन शील्ड) टीम की ऑफिशियल ओपन सिलेक्शन ट्रायल के लिए विजेंद्र यादव व शमशेर सिंह को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। सिलेक्शन ट्रायल में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को निम्नलिखित मूल डॉक्यूमेंट साथ लाना जरूरी है :- कंप्यूटर जनरेटेड बर्थ सर्टिफिकेट (अनिवार्य), बोनाफाइड सर्टिफिकेट (अनिवार्य), पिछले तीन साल के स्कूल/कॉलेज की मार्क्स शीट, आधार कार्ड/वोटर आईडी/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/पैन कार्ड।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक-अअ/सांचौर/2026-27/229 दिनांक-19.05.2026

निविदा सूचना संख्याः 02 वर्ष 2026-27

NIB NO. PWD2627A0602

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सड़क मरम्मत कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 204.62 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	25 मई 2026 9.30 बजे से 5 जून 2026 सायं 03.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकां को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.ए. संख्या निम्नानुसार है।
PWD2627WSOB02733, PWD2627WSOB02734, PWD2627WSOB02735, PWD2627WSOB02736, PWD2627WSOB02737, PWD2627WSOB02738

(प्रदीप पंवार)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर
DIPR/C/8869/2026

मुख्यमंत्री चुड़ादा गाँव की गलियों में घूमे व स्थानीय लोगों से बातचीत की

भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने पीपल के नीचे चौपाल लगाई और लोगों के अभाव अभियोग सुने

बांसवाड़ा/जयपुर, 21 मई। बांसवाड़ा जिले के सुदूर आदिवासी अंचल में स्थित चुड़ादा गाँव में रात्रि चौपाल लगाने के बाद मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह फिर से ग्रामीणों के बीच पहुँचे। उन्होंने गांव की गलियों में भ्रमण करते हुए स्थानीय लोगों से संवाद किया और जन-मन की बात जानी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को साकार करने के लिए कार्य कर रही है। ग्राम विकास चौपाल उसी अंत्योदय दर्शन का जीवंत स्वरूप है, जहां अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं और विकास का लाभ पहुंचाना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए उनकी कई मांगों का तुरन्त समाधान किया। उन्होंने ग्राम ठुम्मठ में माँ बाड़ी केन्द्र निर्माण के लिए 16-20 लाख रूपए, ठुम्मठ चौराहे पर सिंगल फेज़ ट्यूबवैल निर्माण के लिए 20 लाख रूपए, ग्राम चुडादा में मामा बालेश्वर दयाल मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग एवं सौंद्रर्यीकरण के लिए 7 लाख रूपए की तत्काल स्वीकृति जारी की।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांसवाड़ा के चुड़ादा गाँव में रात्रि चौपाल लगाने के बाद सुबह भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से चाय पर चर्चा करते हुए उनकी मांगों का समाधान किया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पीपल के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई और लोगों के अभाव-अभियोग सुने। इस दौरान उन्होंने पानी से जुड़े विभिन्न मामलों पर संज्ञान लेते हुए जिला कलक्टर को सिंचाई के लिए हीरन नदी पर एनिकट निर्माण एवं पेयजल स्रोतों के लिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जगह जगह रूककर बच्चों को उपहार स्वरूप चॉकलेट बाँटी तथा उन्हें पढ़-लिखकर उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी का कोई विकल्प नहीं है, इसलिए प्रत्येक बूंद को बचाना और उसका समुचित उपयोग करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से चाय पर चर्चा करते हुए उनकी मांगों का समाधान किया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गांव ठुम्मठ में मां बाड़ी केन्द्र निर्माण के लिए 16.20 लाख रुपये, ठुम्मठ चौराहा पर सिंगल फेज ट्यूबवैल निर्माण के लिए 20 लाख रुपये तथा ग्राम चुडादा में मामा बालेश्वर दयाल मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग एवं सौंदर्यीकरण के लिए 7 लाख रूपये की तत्काल स्वीकृति भी जारी कर दी गई।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने संत मामा बालेश्वर दयाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सभी हाईकोर्ट ऑनलाइन सुनवाई करें- मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 21 मई। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने देश भर के सभी उच्च न्यायालयों को ऑनलाइन सुनवाई करने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश ने दिल्ली की सभी अदालतों में ऑनलाइन सुनवाई की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही।

- **गत 15 मई को उच्चतम न्यायालय में सोमवार व शुक्रवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई करने का निर्णय लिया था।**

ऑनलाइन सुनवाई के आग्रह पर अधिकांश उच्च न्यायालयों ने इसे लागू भी कर दिया है।

उन्होंने कहा कि वकीलों और जजों दोनों के लिए ये एक स्वैच्छिक अभ्यास के रुप में शामिल करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने साफ किया कि जिला न्यायालय संबंधित उच्च न्यायालय के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में रहते हैं।

कॉक्रोच जनता पार्टी के एक्स अकांउट पर बैन लगा

संस्था के संस्थापक अभिषेक दिप्के ने अपने पर्सनल एक्स अकाउंट पर यह जानकारी दी और कहा यही उम्मीद थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। व्यंग्य करने वाले प्लेटफॉर्म "कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)" का एक्स अकाउंट भारत में रोक दिया गया है। इस मंच के संस्थापक अभिजीत दिपके ने गुरुवार को अपने निजी अकाउंट पर पोस्ट कर बताया कि सीजेपी का अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिया गया है।

दिपके ने एक्स पर "ब्लॉक" पॉप अप का स्क्रीन शॉट शेयर करते हुए लिखा, "जैसी कि उम्मीद थी, कॉकरोच जनता पार्टी का अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिया गया है।"

एक्स ने कहा कि अकाउंट को एक कानूनी मांग के जवाब में रोका गया है।

हालांकि सीजेपी का एक्स अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया है, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसका इंस्टाग्राम अकाउंट 1.34 करोड़ फॉलोअर्स के साथ सक्रिय था।

- **सीजेआई सूर्यकांत की बेरोजगार युवाओं को कॉक्रोच बताए जाने की टिप्पणी के विरोध स्वरूप बनाया गया यह एक "सटायर प्लेटफॉर्म" है, जिसे "आलसी और बेरोजगारों की आवाज़" करार दिया गया है।**
- **इसका इंस्टाग्राम एकाउंट अभी एक्टिव है, जिसमें फॉलोअर्स की तादाद निरंतर बढ़ रही है।**

एक सप्ताह से भी कम समय पहले सामने आया यह व्यंग्य प्लेटफॉर्म इंटरनैट पर छा गया है। यह खुद को "युवाओं का, युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए राजनीतिक मंच" बताता है। साथ ही खुद को "आलसी और बेरोज़गार लोगों की आवाज" भी कहता है।

इस वेबसाइट के फुटनोट में लिखा है कि यह व्यंग्य पर आधारित रचना है। इसे अभिजीत दिपके ने बनाया है, जो खुद को "कॉकरोच जनता पार्टी" का संस्थापक अध्यक्ष बताते हैं।

वेबसाइट पर एक फॉर्म भी है, जिसे भरकर लोग इस तथाकथित पार्टी से जुड़ सकते हैं। मंच का दावा है कि उसे अब तक 6 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन मिल चुके हैं।

सीजेपी ने एक घोषणापत्र भी जारी किया है, जिसमें कई मांगें रखी गई हैं। इनमें सेवानिवृत्ति के बाद मुख्य न्यायाधीशों को राज्यसभा सीट देने पर रोक, सदन की सदस्य संख्या बढ़ाए बिना महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण, और दल-बदल करने वालों के चुनाव लड़ने पर 20 साल की रोक लगाने की मांग की गई है।

उपराष्ट्रपति ने राजीव गांधी के योगदान को याद किया

नई दिल्ली, 21 मई। देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर गुरुवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केन्द्रीय मंत्रियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान और बलिदान को याद किया।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने आवास पर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में राजीव गांधी के योगदान और राष्ट्र सेवा में उनके बलिदान को सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाता है।

- **उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, स्पीकर ओम बिड़ला तथा कई वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्रियों ने राजीव गांधी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।**

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण नमन करते हुए देश के प्रति उनके योगदान को स्मरण किया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी और देश के लिए उनके योगदान को याद किया।

कलकता हाईकोर्ट ने आरजी कर मामले की दुबारा सीबीआई जांच के निर्देश दिये

अदालत ने सीबीआई के संयुक्त निदेशक के नेतृत्व में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल गठित करने को कहा

कोलकाता, 21 मई। आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए मामले की पुन: जांच कराने का निर्देश दिया। अदालत ने पीड़िता के परिवार की मांगों और आपत्तियों की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल गठित करने को कहा है। यह दल केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के संयुक्त निदेशक के नेतृत्व में काम करेगा।

न्यायमूर्ति शम्पा सरकार और न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की खंडपीठ ने कहा कि अपराध की प्रकृति और समाज की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए यह आदेश दिया जा रहा है।

अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह दोबारा घटनास्थल का निरीक्षण करे, पीड़िता के परिवार से बातचीत करे तथा मामले से जुड़े सभी दस्तावेज, साक्ष्य और रिकॉर्ड की गहन जांच करे।

- **हाईकोर्ट ने कहा है कि सीबीआई दोबारा घटनास्थल का निरीक्षण करे, पीड़िता के परिवार से बातचीत करे तथा मामले से जुड़े सभी दस्तावेज साक्ष्य व रिकॉर्ड की गहन जांच करें।**

हाई कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले की अगली सुनवाई 24 जून को होगी। उस दिन सीबीआई को अदालत में अपनी प्रगति रिपोर्ट पेश करनी होगी।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने जांच प्रक्रिया को लेकर सीबीआई से कई सवाल किए। न्यायालय ने पूछा कि जब जांच अभी पूरी नहीं हुई है, तब घटनास्थल पर लोगों का प्रवेश कैसे हो रहा है। अदालत ने निर्देश दिया कि सेमिनार कक्ष सहित अस्पताल के उन सभी हिस्सों को तुरंत सील किया जाए, जिन्हें सुरक्षित रखना आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि अगस्त 2024 में आर.जी. कर अस्पताल की एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। मामले में आरोपित संजय राय को अदालत पहले ही आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है। हालांकि पीड़िता के परिवार ने जांच की निष्पक्षता और कई पहलुओं पर सवाल उठाते हुए दोबारा अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

पुलवामा का मास्टर माइंड हमज़ा बुरहान पीओके के मुजफ्फराबाद में मारा गया

अज्ञात बंदूकधारियों ने स्थानीय कॉलेज के बाहर उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिसमें वह मारा गया

नई दिल्ली, 21 मई । जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड हमज़ा बुरहान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मुजफ्फराबाद में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में मारा गया। उसे कई गोलियां लगीं। हमले के बाद उसके साथियों ने उसे तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 27 साल का हमज़ा बुरहान भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल-बद्र से जुड़ा था। उसका पूरा नाम अरजुमंद गुलजार डार था, जिसे उसके सर्किल में डॉक्टर के नाम से भी जाना जाता था। पुलवामा के रत्नीपुरा इलाके के ग्राम खरबतपोरा में पैदा हुआ हमज़ा 2017 में उच्च शिक्षा के बहाने पाकिस्तान चला गया था। बाद में वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल-बद्र में शामिल हो गया और आखिरकार कमांडर के रैंक तक पहुंच गया। वह कश्मीर घाटी में कई आतंकी हमलों में शामिल था। हमज़ा 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा आतंकी हमले के मास्टरमाइंड में से एक था। उसे पीओके मुजफ्फराबाद में अज्ञात बंदूकधारियों ने मार गिराया। हमलावरों ने मुजफ्फराबाद स्थित एआईएमएस कॉलेज के बाहर उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की जिसमें वह गिर पड़ा।

- **पुलवामा के ग्राम खरबतपोरा में जन्मा हमज़ा उच्च शिक्षा के बहाने पाकिस्तान गया। वहाँ प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल बद्र में शामिल हो गया और कमांडर के रैंक तक पहुँच गया।**

गौरतलब है कि हमज़ा की मदद से आतंकियों ने पुलवामा के लाथपोरा में श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमला किया था, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान बलिदान हो गए थे। इस घटना के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए थे, वहीं भारत ने पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे।

'भाजपा अगले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"विरासत संबंधी मुद्दों" (लीगसी इश्यूज़) का सामना करना पड़ा, जो पिछले शासन की नकारात्मक धारणाओं से जुड़े थे, जिससे उसके राजनैतिक पुनरुत्थान के लिये लंबी प्रक्रिया आवश्यक हो गई। गुप्ता ने कहा, "यदि आप 2029 की बात करें, तो इसका मतलब है कि कांग्रेस सत्ता से 15 साल दूर रहेगी। मुझे लगता है कि पार्टी को पूरे देश को मनाने में कम से कम पांच साल और लगेंगे।" दीर्घकालीन राजनीतिक भविष्यवाणियाँ जटिल होती हैं और जोखिमों का सामना करती हैं। भाजपा के मामले में, सत्ता में बने रहना कई कारकों पर निर्भर करेगा, जैसे नरेन्द्र मोदी के बाद नेतृत्व के उत्तराधिकार का मुद्दा, सत्ता-विरोधी चक्रों की ताकत, विरोधी गठजोड़, क्षेत्रीय विघटन, आर्थिक झटके या सामाजिक परिवर्तन।

राहुल, सोनिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन। राहुल गांधी ने एक्स पर अपने पिता के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि पापा, आपने जिस कुशल, समृद्ध और मजबूत भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने की जिम्मेदारी मैं पूरी करूंगा। आपकी सीख, आपके संस्कार और आपकी यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

अदालत ने स्वयंभू धर्मगुरु को 26 मई तक ईडी हिरासत में भेजा

मुंबई, 21 मई। प्रवर्तन निदेशालय ने स्वयंभू धर्मगुरु अशोक कुमार एकनाथ खरात उर्फ कैप्टन को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है। ईडी ने आरोपी को 19 मई को गिरफ्तार किया था। इसके बाद मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने उसे 26 मई तक सात दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया।

ईडी ने यह जांच नासिक शहर के सरकारवाड़ा थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। अशोक कुमार एकनाथ खरात और अन्य आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, महाराष्ट्र मानव बलि एवं अन्य अमानवीय, अघोरी तथा काला जादू प्रथा उन्मूलन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में शिर्डी थाना और राहाता थाना, अहिल्यानगर में दर्ज प्राथमिकी को भी जांच में शामिल किया गया।

हाईकोर्ट आज उमर खालिद की अंतरिम जमानत पर सुनवाई करेगा

नई दिल्ली, 21 मई। दिल्ली हिंसा मामले के आरोपित उमर खालिद ने दिल्ली उच्च न्यायालय में अंतरिम जमानत याचिका दायर की है। जस्टिस प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच उमर खालिद की अंतरिम जमानत याचिका पर कल यानी 22 मई को सुनवाई करेगी।

उमर खालिद ने कड़कड़डूमा कोर्ट के 19 मई के आदेश को चुनौती दी है,

- **कड़कड़डूमा कोर्ट ने खालिद की अंतरिम जमानत याचिका 19 मई को खारिज की थी**

जिसमें अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। कड़कड़डूमा कोर्ट में उमर खालिद ने अपने चाचा के निधन के बाद चेहलुम और अपनी मां की 2 जून को होने वाली सर्जरी के पहले और बाद में उनके साथ रहने के लिए 15 दिनों की अंतरिम जमानत की मांग की थी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि उमर खालिद को पहले भी अंतरिम जमानत मिली थी और उस दौरान उसने जमानत की शर्तों का उल्लंघन नहीं किया था। इसका मतलब ये नहीं है कि हर बार उसे अंतरिम जमानत दी जाए।

कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि चाचा के चेहलुम में शामिल होना उतना जरुरी नहीं है। उसे चाचा के निधन के समय ही अंतरिम जमानत की मांग करनी चाहिए थी। चाचा के निधन के काफी दिन बीतने के बाद अंतरिम जमानत का कोई मतलब नहीं है।

प.बंगाल में भाईपो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धमकाया जाता था, देरी कराई जाती थी या वाहनों को नुकसान पहुंचाया जाता था। कई ट्रांसपोर्टरों का कहना था कि ऐसी वसूली से परिचालन लागत बढ़ जाती थी और पूर्वी भारत के महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक कॉरिडोर में माल ढुलाई धीमी हो जाती थी। बंगाल, भारत के मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर और बांग्लादेश से जोड़ने वाले माल परिवहन के एक बड़े हिस्से को संभालता है, इसलिए हाईवे पर सुचारु आवाजाही आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में नई भाजपा सरकार बनने के बाद जिला प्रशासन को कथित तौर पर निर्देश दिए गए हैं कि सड़क किनारे बने अवैध वसूली केन्द्रों को हटाया जाए और अनौपचारिक चेकपोस्ट दोबारा न बनने दिए जाएं। कई हाईवे क्षेत्रों से ऐसी रिपोर्ट आई हैं कि पिछले कुछ दिनों में बांस की बैरिकेडिंग और अनौपचारिक नाके गायब हो गए हैं।

ट्रक ऑपरेटरों ने इस कदम का स्वागत किया है और कहा है कि इससे राष्ट्रीय राजमार्गों पर माल ढुलाई आसान हुई है। हालांकि उद्योग संगठनों का यह भी कहना है कि सड़क किनारे होने वाली अन्य प्रकार की अनौपचारिक वसूली अभी भी जारी है और उस पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। कथित 'भाइपो टैक्स' नेटवर्क पर यह कार्रवाई भाजपा सरकार के उस बड़े राजनीतिक अभियान का हिस्सा मानी जा रही है, जिसमें पिछली टीएमसी सरकार से जुड़े नेताओं के खिलाफ कदम उठाए जा रहे हैं। नई सरकार ने बनर्जी के कार्यकाल में शुरू की गई कई योजनाओं और प्रशासनिक फैसलों की समीक्षा भी शुरू कर दी है, जो राज्य में बड़े राजनीतिक और नीतिगत बदलाव का संकेत माना जा रहा है।

अब महाराष्ट्र में शुरु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आंतरिक तनाव, संगठनात्मक अनिश्चितता और आगामी स्थानीय निकाय एवं विधानसभा चुनावों से पहले जा रहे राजनीतिक संदेशों को लेकर चिंताओं का सामना कर रही है। पार्टी ने जनवरी में अपने सबसे बड़े नेता अजित पवार को हवाई हादसे में खो दिया था। पार्टी के भीतर यह बदलाव आंतरिक समीकरणों को बदलने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। नरेश अरोड़ा, जो पार्टी के रणनीतिक और संगठनात्मक इनपुट संभाल रहे थे, उन्हें वरिष्ठ नेताओं सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल का करीब माना जाता था।

उनका जाना और किशोर के नेटवर्क के संभावित प्रवेश ने यह अटकलें बढ़ा दी हैं कि क्या पार्थ पवार और सुनेत्रा पवार के आसपास युवा नेतृत्व संरचना के रूप में एक नया शक्ति केन्द्र उभर रहा है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि इस नियुक्ति ने कुछ पदाधिकारियों में चिंता पैदा कर दी है, जिन्हें डर है कि किशोर की टीम जब जिम्मेदारी संभालेगी तो मीडिया, डिजिटल और संगठनात्मक सेटअप में व्यापक बदलाव हो सकता है। लेकिन, अन्य लोग मानते हैं कि यह कदम नेतृत्व द्वारा पार्टी की छवि को मजबूती से पुनर्निर्मित करने और हाल की राजनीतिक असफलताओं के बाद चुनावी मशीनरी को मजबूत करने का संकेत है।

अभिषेक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोक दिया है। यह संरक्षण 31 जुलाई तक या मामले के निपटारे तक लागू रहेगा। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता बिना पूर्व अनुमति के यात्रा नहीं कर सकेंगे और ऐसी किसी भी गतिविधि से 48 घंटे पहले जांच अधिकारी को सूचना देना आवश्यक होगा।

अवैध किडनी ट्रांसप्लांट मामले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत का सहयोग करने के लिए आदेश दिए थे। इस मामले की सुनवाई के दौरान सवाल यह भी उठा था कि अगर आरोपियों को जमानत दे दी गई तो क्या वे वापस बांग्लादेश लौट सकते हैं? क्योंकि आरोपी मेडिकल वीज़ा पर भारत आए थे और अब अब उस वीज़ा की अवधि भी खत्म हो चुकी है।

न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने जमानत याचिका मंजूर करते हुए कहा कि विदेशी नागरिक सहित किसी भी व्यक्ति को अनिश्चित काल तक जेल में नहीं रखा जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 306 की उपधारा 4 के तहत सरकारी गवाह बने आरोपी को ट्रायल पूरी होने तक हिरासत में रखने का प्रावधान है, लेकिन उनके बयान होने पर उन्हें मुख्य आरोपी से बदतर स्थिति में अनिश्चितकाल तक अभिरक्षा में नहीं रखा जा सकता।

अदालत ने कहा कि दोनों बांग्लादेशियों के बयान सरकारी गवाह के तौर पर निचली कोर्ट में दर्ज हो चुके हैं और उनकी हिरासत को 24 महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। इस मामले के मुख्य व प्रमुख आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। ऐसे में इन्हें जमानत देना उचित होगा। ज्ञातव्य है कि कुछ मुख्य आरोपी विदेश भाग गए हैं।

हाईकोर्ट ने निचली अदालत को कहा कि वह लंबित केस की ट्रायल में तेजी लाए और इसे खत्म करने के लिए कदम उठाए। परंतु सवाल यह उठता है कि इस मामले की जांच किस प्रकार और कब तक खत्म हो पाएगी और क्या तब तक ये बांग्लादेशी हिंदुस्तान में ही रहेंगे? दरसल इमिग्रेशन एण्ड फॉरनर्स एक्ट 2025, के तहत भारत सरकार के द्वारा नियुक्त इमिग्रेशन अधिकारी यह फैसला करता है कि एक विदेश अभियुक्त, जिस पर भारत पर मुकदमा चल रहा हो, वह अपने देश बेल मिलने पर वापस जा सकता है कि नहीं। परन्तु इस मामले में हाईकोर्ट ने आरोपी पर बेल देते समय शर्त लगाई है कि वह निचली अदालत के समक्ष समय-समय पर हाजरी देता रहेगा। मामले को जानने वाले अधिवक्ताओं का कहना है कि हाईकोर्ट की शर्त के कारण आरोपी का बांग्लादेश जाने का आवेदन स्वत: ही अस्वीकार कर दिया जायेगा। परन्तु अब यह सवाल उठता है कि बेल मिलने के बाद क्या आरोपी डिटेनशन सेंटर में रहेंगे कि जेल के बाहर, यह आदेश में स्पष्ट नहीं है।

जमानत याचिका में अधिवक्ता के.सी.शर्मा ने कहा कि इन दोनों आरोपियों ने साल 2024 में जवाहर सर्किल थाने में दर्ज अवैध किडनी ट्रांसप्लांट और मानव तस्करी के आरोप मामले में अप्रूवर बनकर पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इसके आधार पर मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है।

सभी मुख्य आरोपी नियमित जमानत पर रिहा हो गए हैं। उन्हें जेल में दो साल से भी ज्यादा समय हो गया है और उनके बयान भी दर्ज हो चुके हैं, इसलिए उन्हें जमानत दी जाए। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि सीआरपीसी के तहत अप्रूवर को केस की सुनवाई पूरी होने तक हिरासत में रखने का प्रावधान है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

मोजतबा की दो टूक, ईरान अपना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूत्रों के अनुसार, ईरान के शीर्ष अधिकारी मानते हैं कि इस सामग्री को विदेश भेजना देश को भविष्य में अमेरिका और इज़रायल के हमलों के प्रति अधिक असुरक्षित बना देगा। खामेनेई को सबसे महत्वपूर्ण राज्य मामलों पर अंतिम निर्णय का अधिकार है। वाइट हाउस और ईरान के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी के अनुरोधों का कोई जवाब नहीं दिया।

28 फरवरी को अमेरिका-इज़रायल के हमलों के साथ शुरू हुए युद्ध में एक अस्थायी युद्धविराम लागू है, लेकिन शांति प्रयासों में कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है, क्योंकि अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर लगाया गया ब्लॉकैड और होर्मुज़ स्ट्रेट पर तेहरान का नियंत्रण, पाकिस्तान द्वारा मध्यस्थता की जा रही वार्ता को जटिल बना रहा है।

ईरान के मुख्य शांति वार्ताकार मोहम्मद बाकर कालिबाफ ने बुधवार को कहा कि "शत्रु की स्पष्ट और छिपी चालें" यह दर्शाती हैं कि अमेरिकी नए हमलों की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि यदि ईरान शांति समझौते के लिए सहमत नहीं होता, तो अमेरिका तेहरान पर और हमले करने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वॉशिंगटन कुछ दिन इंतजार कर सकता है "सही उत्तर पाने के लिए।"

सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों ने कुछ अंतर को कम करना शुरू किया है, लेकिन तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर गहरी खाई बनी हुई है, जिसमें समृद्ध यूरेनियम भंडार का भविष्य और संवर्धन के अधिकार को मान्यता देने की मांग शामिल है।

ईरानी अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि तेहरान की प्राथमिकता युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना और यह सुनिश्चित करना है कि अमेरिका और इज़रायल आगे कोई हमला न करें।

उन्होंने कहा कि जब तक ऐसी गारंटी नहीं मिलती, तब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत बातचीत के लिए तैयार नहीं होगा। तेहरान ने लंबे समय से परमाणु बम बनाने की कोशिश करने से इनकार किया है।

इज़रायल के पास परमाणु हथियार हैं, लेकिन उसने कभी इसकी पुष्टि या खंडन नहीं किया है और दशकों से इस मामले में अस्पष्ट नीति अपनाए रखी है। युद्ध से पहले, ईरान ने संकेत दिया था कि वह अपने 60 प्रतिशत समृद्ध यूरेनियम के आधे भंडार को विदेश भेजने को तैयार है, जो नागरिक उपयोग के लिए आवश्यक स्तर से बहुत अधिक है।

लेकिन सूत्रों के अनुसार, ट्रम्प की बार-बार धमकियों के बाद ईरान की स्थिति बदल गई।

इज़रायल निराश महसूस कर रहा है, क्योंकि उसके अधिकारी, माहौल को तनावपूर्ण बनाए रखने के उद्देश्य से, रॉयटर्स को बता रहे हैं कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रम्प हमला करेंगे या नहीं, और क्या वे इज़रायल को संचालन फिर से शुरू करने की अनुमति देंगे। तेहरान ने हमला होने पर कड़ा जवाब देने की कसम खाई है।

आईएईए का अनुमान है कि जून 2025 में, जब इज़रायल और अमेरिका ने ईरानी परमाणु सुविधाओं पर हमला किया था, तब ईरान के पास 60 प्रतिशत समृद्ध 440.9 किलोग्राम यूरेनियम था। अब कितना बचा है, यह स्पष्ट नहीं है।

आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी ने मार्च में कहा कि बचे हुए भंडार का मुख्यत: इस्फ़हान परमाणु सुविधा में एक सुरंग परिसर में भंडारण है, और उनके एजेंसी का मानना है कि वहां लगभग 200 किलोग्राम यूरेनियम है। यह भी मानता है कि कुछ भंडार नतान्ज़ के व्यापक परमाणु परिसर में है, जहां ईरान के पास दो संवर्धन संयंत्र हैं।

फाल्टा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहायक मतदान केन्द्र शामिल थे। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए थे। केन्द्रीय बलों की लगभग 35 कंपनियां तैनात की गई थीं, जबकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 30 त्वरित प्रतिक्रिया दल सक्रिय रखे गए थे। प्रत्येक बूथ पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के आठ जवान तैनात किए गए थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908